अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.in
उत्तर प्रदेश(लखनऊ एवं आगरा) व उत्तराखण्ड से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, झांसी, एटा,औरैया, अमेठी,बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 9 अंक 277 | लखनऊ, शुक्रवार , 24 अप्रैल , 2020 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

ग्रामीण सफाई कर्मचारियो को आकस्मिक घटनाओं पर भी मिलेगा लाभ

घायल कर्मचारियों को 25 तथा मृत्यु कर्मचारियों को 50 लाख दिये जाने का प्रस्ताव।

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ । कोविड-19 मैं अपने आवश्यक सेवाएं दे रहे पंचायत विभाग के सफाई कर्मचारियों को अब आकस्मिक घटनाओं पर लाभ दिया जाएगा प्रदेश में पंचायतों में तैनात सफाई कर्मचारी युद्ध स्तर पर सफाई कार्य कर रहे हैं तथा सांसद विधायक सफाई कर्मचारियो का सम्मान कर रहे है अब तक जो आदेश हुये थे उसमे अपनी सेवाएं देते समय यदि किसी कर्मचारी को संक्रमण पर मृत्यु हो जाती है तो 50 लाख आर्थिक सहायता दी जायेगी लेकिन आकस्मिक दुर्घटना पर यह लाभ नही था प्रदेश मे दवा छिडकाव के दौरान 5 कर्मचारी की मृत्यु हो चुकी है एवं 20 सफाई कर्मचारी घायल हो चुके हैं इस संदर्भ में निदेशक पंचायती राज को उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के महामंत्री रामेंद्र कुमार ने आकस्मिक घटनाओं पर लाभ दिए जाने की मांग निदेशक पंचायतीराज से की थी जिसमें कहा गया था की घायल सफाई कर्मचारियों को 25 तथा मृत्यु कर्मचारियों को 50 लाख रुपए के आर्थिक मदद की जाए अब तक प्रदेश में सीतापुर इलाहाबाद प्रयागराज बस्ती में तैनात सफाई कर्मचारी दवा छिड़काव के दौरान मृत हो हो गई है तथा प्रदेश में 20 सफाई कर्मचारी घायल हो चुके हैं इस संबंध में निदेशक पंचायती राज ने शासन को एक प्रस्ताव भेजा है कि पंचायत विभाग के सफाई कर्मचारी अपनी-कोविड -19 मे आवश्यक सेवाएं दे रहे सफाई कर्मचारियों में यदि आकस्मिक घटना होती है तो घायलों को 25 तथा मृतक सफाई कर्मचारियों का 50लाख रुपए दिए जाने का प्रस्ताव शासन को भेजा है संघ के महामंत्री रामेंद्र कुमार ने बताया है कि माननीय मुख्यमंत्री जी कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील हैंकर्मचारियों का हौसला बढा रहे है निश्चित ही इस प्रस्ताव पर सरकार विचार करेगी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर अग्निशमन विभाग ने प्रदेश भर में 12518 स्थलों को सैनेटाइज किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने हेतु जनमानस को तात्कालिक एवं दूरगामी लाभ पहुंचाने के लिए प्रदेश पुलिस की अग्निशमन इकाइयां भी सभी जनपदों में सैनेटाइजेषन के कार्य में तत्परता से जुटी हुई है।अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने पुलिस महानिदेशक, फायर सर्विस, आर0 के0 विश्वकर्मा से मिली जानकारी का विस्तृत ब्यौरा देते हुए आज यहां बताया कि पूरे प्रदेश भर में अब तक कुल 12518 स्थलों पर सैनेटाइजेशन का कार्य सफलता पूर्वक किया जा चुका हैं। इसमें हाट स्पाट,संभावित हाट स्पाट 635, संवेदनशील स्थल 1277, बाजार 1465, आवासीय स्थल 3411 एवं 5439 अन्य स्थल शामिल है। पुलिस महानिदेशक, फायर सर्विस ने प्रदेश के सभी जनपदों में फायर सर्विस द्वारा कुल सैनेटाइज 12518 स्थलों के सम्बन्ध में कुछ प्रमुख जनपदों में से गौतमबुद्धनगर (नोएडा) मे 784, लखनऊ में 724, आगरा में 377, मुरादाबाद में 216, मेरठ में 470, फिरोजाबाद में 450, गाजियाबाद 460, मैनपुरी मे 256, अलीगढ़ में 338, बरेली में 756, कौसाम्बी में 576, वाराणसी में 974, आजमगढ़ में 346, गोरखपुर में 318 स्थलों पर अब तक सैनेटाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। श्री विश्वकर्मा ने बताया कि अत्याधुनिक तकनीकी से सुसज्जित फायर बिग्रेड की 895 गाड़ियां निरंतर सैनेटाइजेशन कार्य मे लगी है। अग्निशमन विभाग द्वारा अपने कार्यों के अतिरिक्त प्रदेश में पहली बार यह कार्य किया जा रहा है जिसमें सभी हॉट स्पॉट चिन्हित स्थलों, अन्य संवेदनशील क्षेत्रों, बाजारों, आवासीय कॉलोनियों तथा अन्य स्थानों यथा मेडिकल कॉलेज, सरकारी अस्पताल, निजी अस्पताल, कॉरनटाइन केन्द्रों, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों आदि को प्राथमिकता दी जा रही है। सैनेटाइजेशन कार्य जिलाधिकारियों के मार्ग दर्शन में स्थानीय निकायों से समन्वय स्थापित करते हुये किया जा रहा है। उन्होने बताया कि इस कार्य में प्रयुक्त किये जाने वाले रसायन की मात्रा निर्धारित मानकों के अनुकूल रखने तथा सैनेटाइजेशन के दौरान जरूरी सावधानियों का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है। यथा छिड़काव के दौरान यह भी प्रयास किया जा रहा है ।

योगी का निर्देश, 20 से अधिक कोरोना मामले वाले जिलों में वरिष्ठ अधिकारी भेजे जाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को निर्देश दिये है कि प्रदेश के जिन जिलों में 20 या उससे अधिक कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले है वहां वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारी भेजे जायें, और यह अधिकारी वहां जाकर स्थिति का जायजा लें। अपर मुख्य सचिव सूचना और गृह अवनीश अवस्थी ने बृहस्पतिवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में निर्देश दिये कि जिन जिलों में 20 या उससे अधिक कोरोना संक्रमित मामले हैं वहां वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी की तैनाती की जाएं।

ऐसे जिलों की संख्या 15 है लेकिन चूंकि गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) में पहले से ही अधिकारी तैनात है इसलिये चौदह जिलों में ऐसे अधिकारी तुरंत भेजे जाएं।

यह वरिष्ठ अधिकारी एक सप्ताह तक उस जिले में डेरा डालेंगे और वहां रोगियों के इलाज से लेकर जनता को बंटने वाले राशन और सामुदायिक रसोईझघर आदि की व्यवस्था पर गहरी नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि इसके अलावा पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि वह घनी बस्तियों और गलियों में भी अपनी गश्त तेज करें और लॉकडाउन का सख्ती से पालन करवाएं। अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिये हैं कि जो दूसरे जनपदों या राज्यों से सामान लेकर वाहन आ रहे उन पर किसी भी हालत में यात्री न बैठायें जाएं। ऐसी स्थिति में वाहन जब्त कर लिये जाएंगे।

लॉकडाउन के बीच राजधानी में हैंडग्रेनेड मिलने से मचा हड़कंप

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ । लॉकडाउन के बीच राजधानी में हैंडग्रेनेड मिलने से हड़कंप मच गया। चौक के यहियागंज में हैंडग्रेनेड मिलने की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि हैंड ग्रेनेड भीम नगर पार्क में एक बच्चे को मिला है। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने हैंड ग्रेनेड को अपने कब्जे में ले लिया है।

सुरक्षा के लिहाज से एहतियात बरते हुए पुलिस ने हैंड ग्रेनेड का परीक्षण किया। हैंडग्रेनेड काफी पुराना लग रहा है। जो मिट्टी के नीचे दबा हुआ पड़ा था। फिलहाल स्थानीय पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

राजधानी समेत प्रदेश के कई जिलों में बादलों ने डेरा डाला

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में मौसम ने आज अचानक करवट बदली है। सुबह से ही बादल छाए हुए हैं और ठंडी हवा चल रही है। मौसम विभाग ने आज और कल मौसम खराब रहने की आशंका जताई है। ऐस में मौसम के इस उलटफेर से किसानों की मुश्किलें फिर बढ़ सकती हैं। क्योंकि खेतों में फसल कटी हुई पड़ी है। वहीं, कई इलाकों में कटाई का काम चल रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 अप्रैल तक मौसम इसी तरह खराब रहने का पूर्वानुमान है।

राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में आज सुबह से ही बादलों ने डेरा डाला है। ठंडी हवाओं का दौर जारी है। कई जगहों से हल्की बूंदा-बांदी की भी खबर है। इससे मौसम में अच्छी खासी ठंडक हो गई। अमौसी स्थित आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक जेपी गुप्ता के मुताबिक अगले तीन चार दिनों तक मौसम खराब रहने का पूर्वानुमान है। इस दौरान बदली और बारिश होगी। साथ ही ठंडी हवाएं भी चलेंगी। जिससे नीचे पारा गिरेगा। उत्तरी राज्यों में बदल रहे मौसम के मिजाज से प्रदेश में भी गर्मी का असर कम रहेगा। मौसम विभाग ने किसानों को गेहूं की कटाई और खरीफ की बुवाई मौसम को ध्यान में रखकर करने की हिदायत दी है। इस समय गेहूं की कटाई जोरों पर है। किसान खरीफ की फसल की बुवाई में जुटे हैं। यदि मौसम खराब हुआ, तो फिर खेती से जुड़े सभी कार्य प्रभावित होंगे। गेहूं फसल भीग सकती है। ऐसे में किसानों के सामने नया संकट खड़ा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकार पर हमले को सूचना प्रसारण मंत्री ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण, सोनिया गांधी पर टिप्पणी करने के लगे थे आरोप

मुंबई में रिपब्लिक टीवी के एडिटर इन चीफ अर्नब गोस्वामी और उनकी पत्नी आज सुबह जब स्टूडियो से घर जा रहे थे तभी उन पर 2 अज्ञात व्यक्तियों ने हमला किया। शिकायत के मुताबिक, हमलावर अर्नब की गाड़ी के आगे आए। कार के शीशे को तोड़ने की कोशिश की। सूचना प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने पत्रकार पर हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि पत्रकार अर्नब गोस्वामी पर हमले की कोशिश की हम भर्त्सना करते हैं किसी भी पत्रकार पर हमला करना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है या निदंनीय है। ये लोकतंत्र का परिचायक नहीं है। पुलिस इस पर कार्रवाई कर रही है। शिकायत के मुताबिक, हमलावर अर्नब की गाड़ी के आगे आए। कार के शीशे को तोड़ने की कोशिश की। जब वे कामयाब नहीं हुए तो उन्होंने कार पर स्याही फेंक दी। अर्नब गोस्वामी और उनकी पत्नी पर हमले के मामले में 2 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। एनएम जोशी मार्ग पुलिस स्टेशन द्वारा आईपीसी की धारा 341 और 504 के तहत स्रद्धक्रदर्ज़ की गई है। अर्नब गोस्वामी ने रिपब्लिक टीवी पर एक लाइव में मंगलवार को कथित रूप से सोनिया गांधी के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग किया था और कहा था कि वह पालघर की घटना को लेकर जानबूझकर चुप्पी साधे हुए हैं। कांग्रेस का कहना है कि टीवी पर जारी इस कार्यक्रम में श्रीमती गांधी के जन्म स्थान को लेकर भी गलत टिप्पणी की गयी।

जांच की कमी को गुजरात सरकार ने किया खारिज, कहा- रोजाना हो रहा 3,000 लोगों का टेस्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

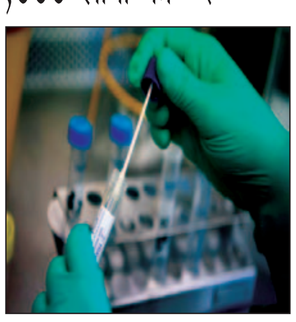

अहमदाबाद। गुजरात में हर दिन कोरोना वायरस संक्रमण का पता लगाने के लिए तीन हजार नमूनों की जांच की जा रही है और इनमें कमी लाने की कोई योजना नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी और इन अफवाहों को भी खारिज किया कि राज्य सरकार ने कोविड-19 की जांच में कमी की है। राज्य की प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने गांधीनगर में संवाददाताओं को बताया कि गुजरात सरकार ने फैसला किया है कि कोरोना वायरस की जांच के आंकड़े और इस संक्रमण के कारण मरने वाले लोगों की संख्या 24 घंटे में एक बार ही घोषित की जाएगी। वर्तमान में दिन में दो बार, एक बार सुबह और एक बार शाम को ये आंकड़े जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया, ''कोरोना वायरस मामलों का पता लगाने के लिए हमने जांच की संख्या घटाई नहीं है। हम गुजरात में हर दिन 3,000 नमूनों की जांच कर रहे हैं। इनमें से 2,500 नमूने राज्यभर से एकत्र किए जाते हैं जबकि 500 नमूने उन लोगों के हैं जो पहले से पृथकवास में रखे गए हैं या अस्पतालों में भर्ती हैं।'' उन्होंने बताया कि आंकड़े अब केवल शाम के वक्त ही जारी किए जाएंगे। ऐसा दोहराव से बचने के लिए किया जा रहा है। ये आंकड़े 24 घंटे में राज्यभर में की गई जांचों के संबंध में होंगे। बुधवार तक राज्य में संक्रमित मामलों की संख्या 2,407 थी और संक्रमण से मौत का आंकड़ा 103 था।

सरकारी कर्मचारियों पर पड़ी कोरोना की मार, केंद्र सरकार ने महंगाई भत्ता बढ़ाने पर रोक लगाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी का असर अब सरकारी कर्मचारियों पर भी पड़ने लगा है। केंद्र सरकार ने इस संकट के कारण बढ़ते वित्तीय बोझ के चलते सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में अगले साल जुलाई तक कोई वृद्धि नहीं करने का फैसला किया है। इस फैसले का केन्द्र सरकार के 50 लाख कर्मचारियों तथा 61 लाख पेंशनभोगियों पर असर पड़ेगा। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा जारी एक आधिकारिक ज्ञापन में कहा गया है,''कोरोना वायरस महामारी के कारण उत्पन्न संकट को देखते हुए केंद्र सरकार के कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ते में एक जनवरी 2020 से मिलने वाली किस्त को रोकने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही एक जुलाई 2020 से और एक जनवरी 2021 में दी जाने वाली महंगाई भत्ते की अगली किस्त के भुगतान पर भी रोक लगाने का निर्णय लिया गया है।''

हालांकि, सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को मौजूदा दर पर महंगाई भत्ते का लाभ मिलता रहेगा। ज्ञापन में कहा गया है कि एक जुलाई 2021 के बाद जब भी सरकार महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की अगली किस्त जारी करने का फैसला करेगी, उस समय एक जनवरी 2020, एक जुलाई 2020 और एक जनवरी 2021 में प्रभावी महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की बढ़ी दर को आगे के लिये इसमें समाहित कर दिया जायेगा और एक जुलाई 2021 से उसी बढ़ी दर पर भत्ता दिया जायेगा। हालांकि, इसमें स्पष्ट किया गया है कि एक जनवरी 20201 से लेकर 30 जून 2021 तक की अवधि के लिये महंगाई भत्ते अथवा महंगाई राहत के बकाये का भुगतान नहीं किया जायेगा। सूत्रों के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों तथा पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि को रोकने के इस कदम से सरकार को चालू वित्त वर्ष 2020-21 और अगले वित्त वर्ष 2021-22 में कुल मिलाकर 37,530 करोड़ रुपये की बचत होगी। आमतौर पर इस मामले में राज्य सरकारें भी केंद्र सरकार का अनुसरण करतीं हैं। राज्य सरकारों को जुलाई 2021 तक महंगाई भत्ते की बढ़ी दर पर भुगतान नहीं करने से82,566 करोड़ रुपये तक की बचत होगी। कुल मिलाकर केंद्र और राज्यों के स्तर पर इससे 1.20 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे सरकारों

को राजस्व के संग्रह में आ रही कमी के संकट से जूझने में मदद मिलेगी। इससे पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनवरी 2020 में सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता चार प्रतिशत बढ़ाकर 21 प्रतिशत करने का निर्णय लिया था। नये निर्णय से इस वृद्धि पर भी रोक लग गयी है। अब अगले साल जुलाई तक महंगाई भत्ते की प्रभावी दर 17 प्रतिशत ही रहेगी।

युवाओं को फंसाने की कोशिश में मात खाने के बाद, हथियार के जरिए आतंक फैलाने की कोशिश में पाकिस्तान

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

नई दिल्ली। दुनिया भर में फैली कोरोना की महामारी से पाकिस्?तान की हालत बहुत खराब है। कोरोना वायरस पीड़ितों के इलाज में पाकिस्तान की हालत खराब होती जा रही है। इस संकट की स्थिति में पाक आतंक फैलाने की नीति पर अभी भी कायम है। ये तो हर किसी को ज्ञात है कि पाकिस्तान हर क्षेत्र में भारत से मात खा रहा है। भारतीय सेना के हौसलों के आगे कहीं नहीं टिकता है। बीते वर्षों से आतंकवाद के खिलाफ चले अभियानों ने पाक समर्थकों एवं पाक पोषित आतंकी संगठनों की कमर तोड़ डाली है। ऐसे में बौखलाहट का मारा पाकिस्तान किसी ने किसी रूप से भारत को कमजोर करने की फिराक में है। और उसी कोशिश में सीमापार से घुसपैठ की कोशिश में लगा है। जम्मू-कश्मीर के युवाओं को फंसाने के लिए पाकिस्तान लगातार अपनी नापाक चालें चल रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस साल अब तक कश्मीर

में 35 युवाओं ने आतंकवाद का रास्ता चुना है। लेकिन इसमें गौर करने वाली बात ये है कि पिछले साल के आंकड़े के मुकाबले पाक आतंकियों के रिक्रूटमेंट में काफी गिरावट आई है। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक पिछले साल 119 युवा और 2018 में 219 युवा आतंकी संगठनों में शामिल हुए थे। आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन लोगों को डराकर अपनी बात मनवाने की कोशिश में लगा है। इसलिए आतंकियों द्वारा लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। 27 मार्च से 12 अप्रैल के बीच 5 नागरिकों को आतंकियों ने अपनी दहशत का शिकार बनाया है। आतंकी नागरिकों के साथ ही छुट्टी पर गए पुलिसवालों और कोरोना वायरस से निपटने के लिए लोगों की मदद कर रहे लोगों को निशाना बना रहे हैं।

पाकिस्तान कश्मीर घाटी में हिंसा की वारदात को अंजाम देने के लिए हथियार भी भेज रहा है। इस साल मार्च में आतंकियों ने 11 वारदात की और इस महीने 19 अप्रैल तक ही 9 वारदात को अंजाम दे दिया है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान बड़ी संख्या में हथियार भेजने की फिराक में हैं। पिछले कुछ दिनों में सुरक्षा एजेंसियों ने 9 एके राइफल्स, 10 पिस्टल और इनकी 1000 राउंड से ज्यादा गोलियां बरामद की हैं।

कोरोना के ठीक हो चुके मरीजों का बिक रहा खून, डार्क वेब पर हो रही वैक्सीन की बात

चीन। चीन के वुहान शहर से शुरू हुए कोरोना वायरस संक्रमण की मार विश्व का लगभग एक देश झेल रहा है। इस बीच डार्क वेब को लेकर कुछ ऐसी जानकारियां सामने आई हैं जो पहले कभी देखी या सुनी नहीं गई थी। बता दें कि डार्क वेब में कोरोना वायरस बीमारी से जंग जीत चुके लोगों का प्लाज्मा बिक रहा है। इतना ही नहीं इस वायरस की 'वैक्सीन' तक बेचे जाने की बात हो रही है। दरअसल, चोरी छिपे तरीके से ठीक हो चुके मरीजों का खून इसके जरिए बेचा जा रहा है। अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी खबर के मुताबिक अगर्था (द्दडुह्लद्धडु) नाम की एक डार्क वेब मार्केट पर कोरोना वायरस के खिलाफ रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए ठीक हो चुके

मरीजों का प्लाज्मा लिस्टेड किया गया है। सेलर ने शुरुआत में 25 एमएल का पैकेट बनाकर प्लाज्मा बेचा था। जो बाद में 50 एमएल, 100 एमएल, 500 एमएल से होता हुआ एक लीटर तक जा पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अब तक सेलर ने 2.036 बिट क्वाइंस यानी कि 10 लाख 86 हजार रुपए में एक लीटर खून बेचा है।

कोरोना वायरस से सुरक्षा एवं बचाव में लोगों ने देखा पुलिस का नया रूप

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना वायरस के संक्रमण के कहर में तब्लीगी जमात के लोगों ने जब अपना रूप दिखाया तो चारों तरफ निराशा बढ़ने लगी थी। इसके संक्रमण पर अंकुश लगाने पर भी संकट आ गया था, ऐसे में सभी जगह पर कानून-व्यवस्था को सुधारने में पारंगत माने जाने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस की टीमों ने अपनी उपयोगिता साबित कर दी। कोरोना वायरस के संक्रमण पर रोक लगाने की खातिर लॉकडाउन की घोषणा के बाद लोगों को हो रही परेशानी की खबरें सामने आ रही हैं। इस दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस का मानवीय चेहरा भी सामने आया है। पुलिस अधिकारियों ने कई मौकों पर पहुंचकर जरूरतमंद लोगों को मदद पहुंचाई है। सड़क पर जरूरतमंदों को मदद पहुंचाने का काम हो या फिर बुजुर्ग लोगों का ध्यान रखना हो, हर काम उत्तर प्रदेश पुलिस ने दिल से किया है।

बदमाशों तथा अपराधियों को पकडने के लिए जगह-जगह पर दबिश देने वाली उत्तर प्रदेश की टीमें जरूरतमंदों को दवा देने में लग गई। भूखों को लंच पैकेट देने के साथ ही जरूरतमंदों को राशन देने के काम में भी पुलिस की टीमें लग गई। लॉकडाउन में हॉटस्पाट में किसी को भी बाहर न निकलने देने के अपने काम में लगी पुलिस टीमों को जगह-जगह पर विरोध का सामना करना पड़ा। मुरादाबाद के साथ ही प्रदेश के अलीगढ़ में भारी पथराव के बाद भी पुलिस टीम धैर्य नहीं खोकर लोगों को कोरोना के कहर से बचाने में लगी रही। उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन में जब लोग एक माह से भी अधिक समय से घरों में है, तब पुलिस कानून व्यवस्था और अपराध के मोर्चे पर बड़ी राहत तो दे रही है, साथ ही जमातियों से मिल रही मुश्किल को भी धैर्य से संभाल रही है। हाई-वे पर लोगों को राहत सामग्री वितरित करने के साथ ही टीम तब्लीगी जमातियों की धरपकड़ में लगी है। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने खुद को खतरे में भी डाला पर कार्रवाई के कदम नहीं रुके। लॉकडाउन में जरूरतमंद लोगों की मददगार बनकर पुलिस ने इस बीच में अपनी छवि में बड़ा सुधार भी किया है। किस तरह से महामारी के इस दौर में पुलिस की छवि बदली है।

लॉकडाउन में हॉट स्पॉट का पालन कराने के दौरान पुलिसकर्मियों को लगातार अभद्रता भी झेलनी पड़ी, लेकिन इनका विश्वास जरा सा भी नहीं डगमगाया। पुलिस ने इस एक माह में अबतक पूरे हौसले से हर स्थिति का सामना किया है। जमातियों की लगातार तलाश में अपना खुफिया तंत्र भी बेहद मजबूत करके रमजान में भी सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत सिविल डिफेंस को भी सक्रिय किया है। जिलों में अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में अतरिक्त सुरक्षा का प्लान भी तैयार कर लिया है। संकट की इस घड़ी में पुलिस ने अपनी छवि को नया रूप देने में सफलता भी पाई है।

कोरोना वायरस से उत्पन्न हो रही इस मुश्किल घड़ी में लॉकडाउन से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें पुलिस दोहरी भूमिका में भी बेहद सफल है। लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों से वह सख्ती से निपट रही है, लेकिन जरूरतमंदों की मदद करने से वह पीछे नहीं हट रही। लॉकडाउन के इस मुश्किल दौर में लठबाज खाकी की दरियादिली देख लोगों के मन से पुलिस के प्रति पनपी कुंठा दूर होती नजर आ रही है। सोशल मीडिया से लेकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तक पुलिस की सख्ती की फोटो और वीडियो खूब वायरल हो रही। इन सबके बीच दिल्ली से सटे गौतमबुद्धनगर जिले में पुलिस का मानवीय चेहरा भी सामने आ रहा है। नोएडा पुलिस ने भूख से बिलख रहे बच्चों और 82 लोगों की सूचना मिलने पर तुरंत उन तक राशन पहुंचाया। पुलिस के इस कदम की जमकर सराहना हो रही है। नोएडा पुलिस को डायल 112 पर सूचना मिली थी कि ग्रेटर नोएडा के तिलपता क्षेत्र में कुछ बच्चे और लगभग 82 लोगों को लॉकडाउन की वजह से खाना नहीं मिला है। बच्चे भूख से बिलख रहे हैं। ये वो परिवार हैं, जो रोज कमाते और रोज खाते हैं। जैसे ही इन लोगों के बारे में पुलिस अधिकारियों को पता चला, डॉयल 112 के इंस्पेक्टर पुलिसकर्मियों के साथ एक पीसीआर वैन में राशन लेकर उन तक पहुंच गए।

लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंदों की मदद करने का कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले मंगलवार को नोएडा के सेक्टर 22 स्थित चौड़ा गांव में रहने वाली एक बुजुर्ग महिला की पुलिस ने मदद की थी। 50 वर्षीय मधुमेह से पीड़ित महिला के घर में राशन नहीं बचा तो महिला के सामने खाना बनाने की भी समस्या आ खड़ी हुई। महिला को आसपास के लोगों से भी मदद की उम्मीद नहीं थी। जिसके बाद बिहार के गया में बैठे महिला के पति ने पुलिस कमिश्नर को मामले की सूचना दी। इसके बाद पुलिस कमिश्नर ने डीसीपी ट्रैफिक को निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

लखनऊ के चिकन उद्योग को राहत पैकेज दे योगी सरकारः प्रियंका

लखनऊ। कोरोना महामारी के कारण देश में लॉकडाउन का पार्ट 2 चल रहा है। ऐसे में छोटे व्यापारियों एवं मध्यम उद्योगों की कमर टूट चुकी है। उनके सामने रोजी-रोटी का संकट आ गया है। राजधानी लखनऊ जो चिकन के लिए प्रसिद्ध है उसकी हालात खराब हो चुकी है। गुरुवार को कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने योगी सरकार से मांग की है कि इन व्यापारियों के लिए अलग से राहत पैकेज दें, साथ ही उन्होंने कहा कि मजदूरों को भी सहायता दी जाय। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा,लखनऊ के चिकन उद्योग ने देश-विदेश में यूपी का नाम रोशन किया है। नोटबंदी और जीएसटी की मार झेल रहे चिकन उद्योग को इस बंदी के चलते भारी चोट लगी है। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार को चिकन उद्योग और ऐसे तमाम छोटे व मझोले उद्योगों के लिए तुरंत राहत पैकेज की घोषणा करें। बता दें कि पिछले ह ते भी प्रियंका गांधी ने यूपी में कोरोना टेस्टिंग और ट्रीटमेंट की सुविधा बढ़ाने को लेकर मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा था कि पूरे देश समेत उत्तर प्रदेश में भी कोरोना वायरस का कहर अपने पैर पसार रहा है। आज हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने ये बड़ी चुनौती है।

बालागंज में सफाई कर्मचारियों को जनता ने किया सम्मानित

लखनऊ। एक तरफजहां कुछ लोग कोरोना के खिलाफअहम भूमिका निभा रहे डाक्टरों, पुलिसकर्मियों व सफाईकर्मियों को निशाना बना रहे हैं, तो वहीं कुछ समझदार नागरिक इन कोरोना महायोद्धाओं को भरपूर स मान भी दे रहे हैं। इस समय पूरी दुनिया कोरोना महामारी से परेशान है। सभी लोग अपने-अपने घरों में बैठकर महामारी का प्रकोप थमने का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन हमारे डाक्टर, पुलिसकर्मी, सफाई कर्मचारी व मीडिया के लोग खुद को खतरे में डालकर इसका मुकाबला करने में जुटे हुए हैं। लखनऊ के बालागंज के वार्ड नंबर-15 में गुरुवार को स्थानीय नागरिकों ने सफाईकर्मचारियों पर पुष्प वर्षा कर स मानित किया। यह सफाई कर्मचारी वहां सफाई के लिए पहुंचे थे। विमल चौधरी, मंडल अध्यक्ष महेंद्र राजपूत, वरिष्ठ भाजपा नेता जितेन सिंह, जीतू, सुषमा मौर्य, सागर कनौजिया आदि लोगों ने सफाईकर्मचारियों को धन्यवाद करते हुए उन पर फूल फेंके।

गरीबों को भोजन व राशन उपलब्ध करा रही ‘समता पूरक श्रीराम ट्रस्ट

लखनऊ। समता पूरक श्रीराम ट्रस्ट विगत 27 मार्च से निरंतर लखनऊ मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों के लगभग 500 तीमारदारों को प्रातःकाल 8 बजे भोजन उपलब्ध करा रहा है। विगत 10 दिनों से नित्य 50 जरूरतमंद परिवारों को चिन्हित कर के इनको राशन उपलब्ध कराया जाता है। गरीब व वंचित परिवारों का चयन पारा से भूतपूर्व पार्षद नागेन्द्र सिंह जी व राजाजी पुरम पार्षद शिव पाल सांवरिया के द्वारा किया जा रहा है। आज सायं 4 बजे शिव पाल सांवरिया के द्वारा चिन्हित 78 वंचित परिवारों के मुखिया को अरविंद विक्रम सिंह के आवास 2240 राजाजी पुरम में राशन का वितरण करने का कार्यक्रम है। समता पूरक श्रीराम ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री करुणा शंकर रस्तोगी जो कि हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता भी है ने बताया कि प्रभु श्रीराम ने रामायण में कई बार सभी मनुष्यों को समान बताया है। इसी भाव से प्रेरित होकर सभी समाज के लोगों के गरीब परिवारों को राशन व भोजन समता पूरक श्रीराम ट्रस्ट के द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

लोग ही नहीं बचेंगे तो अर्थव्यवस्था बचाकर क्या फायदा : रवि कश्यप

लखनऊ। आज सम्पूर्ण विश्व कोरोना वॉयरस समूह के एक वायरस कोविड-19 के प्रकोप से जूझ रहा है। जिससे अपना देश भी अछूता नही रह पाया है।फिर भी आज भारत विश्व के विकसित देशों की अपेक्षा बेहतर स्थिति में नज़र आ रहा है। फ़िर भी स्थिति पूरी तरह से संतोषजनक नहीं है। नोवल कोरोना वायरस यानि कोविड-19 से निपटने के लिए लॉकडाउन के दौरान राज्यों में कई जाने वाली तैयारियों में देरी से स्थिति को नियंत्रण में करने के प्रयासों में कुछ और देरी हो सकती है। आज देश के हर राज्य के सामने यह चुनौती है कि वे इस वायरस से कैसे निपटें। इस महामारी से निपटने का तंत्र और समझ ना होने से इसका असर भी पड़ा है। प्रधानमंत्री जी के कहने से पहले ही कई राज्यों ने अपने यहां लॉकडाउन बढ़ाने की घोषणा कर दी थी। जबकि प्रधानमंत्री मोदी जी के राष्ट्र के नाम संबोधन के बाद बाकी राज्यों को भी बात पूरी तरह समझ में आई है कि उनके पास लॉकडाउन बढ़ाने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। प्रधानमंत्री ने जब देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा मन्त्रणा तथा चर्चा की तो यह निष्कर्ष निकल कर आया कि लॉकडाउन बढ़ाने के अलावा कोई और चारा नज़र नहीं आ रहा है। 21 दिनों के लॉकडाउन (25 मार्च से 14 अप्रैल 2020) के दौरान तैयारियों जो लेकर राज्यों एवं ज़िला प्रशाशनों की सुस्ती, अनुभव एवं समझ की कमी केन्द्र व राज्य सरकारों के प्रयासों पर भारी पड़ा हैं। भिन्न-भिन्न स्तरों पर हो रही लॉकडाउन की समीक्षा में कई गंभीर परिणाम एवं तथ्य सामने आए हैं।25 मार्च से 14 अप्रैल तक 21 दिनों के लॉकडाउन में पूरे देश को तालाबंदी कर प्रभावितों की पहचान करने का काम पूरा हो जाना चाहिए था परंतु अभी भी कई राज्यों के कई ज़िले ऐसे हैं जहाँ टेस्टिंग का काम अभी भी शुरू नहीं हो पाया है। राज्यों के प्रशाशनों द्वारा अभी भी कई जिलों को आवश्यक पीपीई किट, मास्क आदि उपकरण मुहैय्या नहीं करवा पाए हैं। केंद्र सरकार ने मौजूदा हालात को देखते हुए, हालात को नियंत्रित करने हेतु भिन्न- भिन्न मंत्रियों को राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी थी। उनसे जी रिपोर्ट प्राप्त हुई है, वह सभी राज्यों की तैयारियों की पोल खोलती है। राज्यों, ज़िला प्रशाशनों और ब्लॉक/मोहल्ला स्तरों से मिली रिपोर्ट के अनुसार अभी भी पूरी तरह से तैयारी करने के लिए न्यूनतम कम से कम 2 सप्ताह का समय चाहिए। इस दौरान टेस्टिंग की प्रक्रिया को तेज किया जायेगा जिससे संक्रमितों की ज़ल्द से ज़ल्द पहचान की जा सके। केंद्र सरकार ने भी सभी राज्यों को यह दिशा निर्देश जारी किए हैं कि वे कोई बात अद्रष्टिगत न रखें।यदि कोई कमी रह गयी है तो उसे साफ शब्दों में केंद्र सरकार को अवगत कराएं। जिससे हालात की गंभीरता जो समझा जा सके और उचित कदम उठाये जा सके जिससे हालात बिगड़ने की स्थिति न उत्पन्न हो। हालात बिगड़ने का एक कारण यह भी है कि कई राज्य अपने यहाँ के प्रवासी मज़दूरों की आवाजाही पर भी अंकुश नही लगा सके। रही सही कसर दिल्ली के मरकज़ के जमातियों ने पूरी कर दी जिससे आंकड़ो में अप्रत्याशित वृद्धि देखने को मिली। कुछ राज्यों ने यह माना भी है कि दिल्ली के निज़ामुद्दीन मरकज़ की घटना के कारण उनकी तैयारियों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है।कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि सरकार के पास लॉकडाउन बढ़ाने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है। क्योंकि अर्थव्यवस्था तो समय के साथ फिर पटरी पर लौट आएगी, परंतु लोग ही नहीं बचेंगे तो अर्थव्यवस्था बचाकर क्या फायदा। यही कह कर अपनी लेखनी को विराम देते हुए यही कहूंगा कि जान है तो जहान है इसलिए (घर पर रहें सुरक्षित रहें)।

जॉइंट पुलिस कमिश्नर ने नवीन गल्ला मंडी का किया औचक निरीक्षण

लखनऊ। जॉइंट पुलिस कमिश्नर कानून व्यवस्था लखनऊ नवीन अरोड़ा ने गुरुवार को सीतापुर रोड स्थित नवीन गल्ला मंडी का औचक निरीक्षण किया। भारी पुलिस बल के साथ गल्ला मंडी पहुंचे जेसीपी नवीन अरोड़ा ने वहां तमाम व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। जॉइंट पुलिस कमिश्नर के औचक निरीक्षण की सूचना मिलते ही मंडी में हलचल बढ़ गयी। गुरुवार सुबह ही यहां से एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अवैध वसूली का आरोप लगाया गया था। लखनऊ पुलिस कमिश्नर संजीत पांडेय ने इस तरह की खबरों पर सख्त नाराजगी जताई है। सूत्रों के अनुसार वीडियो वायरल होने के बाद अब जिम्मेदारों कार कार्रवाई भी हो सकती है। मंडी में जेसीपी के सामने ही सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती दिखीं। जेसीपी ने पुलिस अधिकारियों को सोशल डिस्टेंसिंग का सस्ती से पालन कराने का निर्देश दिया।

किताबों को देखने से पढ़ने की आदत भी हो जाएगी : समता सागर

रवि महाशब्दे की लाइब्रेरी में पांच हजार किताबों का संकलन

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ/मुंबई। पॉपुलर शो ‘गुड़िया हमारी सभी पे भारी‘ में गुड़िया की माँ सरला की भूमिका निभा रहीं लोकप्रिय टीवी अभिनेत्री समता सागर को किताबों से बहुत प्यार है। उनके लिये किताबें उतनी ही जरूरी हैं, जितनी हमारे लिये सांसें! वे खुद भी कहानियाँ लिखती हैं और उन कहानियों को अपने जीवन में साकार होते देखना चाहती हैं। ‘वर्ल्ड बुक डे’ के अवसर पर एंड टीवी के शो गुड़िया हमारी सभी पे भारी की अभिनेत्री और लेखिका समता सागर ने कहा, ‘‘मुझे अपने जीवन का ऐसा समय भी याद है, जब मैं किताब के बिना अपने घर से एक कदम भी बाहर नहीं रखती थी। किताबें पढ़ने से मुझे शांति मिलती है। मेरे बचपन के समय में प्रेमचंद और शरतचंद की कहानियाँ देश के हर घर का हिस्सा होती थीं।’’समता सागर ने कहा, ‘‘इस वर्ल्ड बुक डे पर मैं युवा पीढ़ी से प्रेमचंद, निर्मल वर्मा, एंटन चेकहोव, आदि जैसे लेखकों की कहानियाँ पढ़ने का आग्रह करती हूँ। उनकी कोई भी किताब लें; हर कहानी दमदार है, वह आपको जीवन का नया दृष्टिकोण देगी। आप घर में एक छोटी ओपन लाइब्रेरी बना सकते हैं। किताबों को देखने से पढ़ने की आदत भी हो जाएगी।’’ टेलीविजन के चर्चित अभिनेता रवि महाशब्दे ने अपनी कोशिशों से न सिर्फ टेलीविजन की दुनिया में बल्कि डिजिटल स्पेस में अपनी खास जगह बनाई है। ‘गुड़िया हमारी सभी पे भारी‘ के अभिनेता और लेखक रवि की पृष्ठभूमि साहित्य, कला और नाटक में बेहद समृद्ध है। उन्हें पढ़ने और लिखने, दोनों का शौक है। साहित्य के प्रति अपने प्रेम के कारण रवि ने अपनी लाइब्रेरी में 5000 से अधिक किताबों का कलेक्शन कर रखा है और वे सभी किताबों के नाम भी जानते हैं। वर्ल्ड बुक डे के विशेष अवसर पर रवि महाशब्दे आपसे पढ़ने की आदत डालने के लिये कह रहे हैं। वह कहते हैं, ‘‘मेरे पिता के कारण मुझे बहुत जल्दी पढ़ने की आदत लग गई थी। हमारे इंदौर के घर में कम से कम 5000 किताबें हैं और मेरे पिता लगभग उन सभी को पढ़ भी चुके हैं! छोटी से छोटी किताब से भी शुरूआत की जा सकती है क्योंकि सभी किताबें हमारी सबसे अच्छी दोस्त होती हैं।’’

पुलिस प्रशासन तथा सामाजिक संगठनो के माध्यम से भोजन वितरित

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ। आज भारतीय जनता पार्टी लखनऊ के पूर्व जिलाध्यक्ष राम निवास यादव ने बताया कि आज क यूनिटी किचन का 28वां दिन है जो अपने निज निवास स्थान-3/222 विजयन्तखंड निकट मिनी स्टेडियम गोमती नगर थाना-विभूतिखंड जनपद-लखनऊ पर चलाया जा रहा है। यह क यूनिटी किचन 27 मार्च से लगातार चलाया जा रहा है जिसमें अलग-अलग भोजन के पैकेट तैयार किये जाते है इस क यूनिटी किचन में आज लगभग 1700लोगों के लिए भोजन के पैकेट तैयार किये गये है क यूनिटी किचन पर ही चिनहट, मटियारी, उत्तरधौना, मल्हौर, लौलाई, कमता, देवा रोड़, हुसेडिया, कठौता, तखवा तथा गोमती नगर के आस-पास के गरीब मजदूर को प्रतिदिन भोजन के पैकेट सामाजिक दूरी बना कर बटवाया जा रहा है तथा सभी को मुह ढकने हेतु प्रोत्साहित भी किया जा रहा है सभी लोग अपना मुह ढकने के साथ-साथ साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रख रहे है तथा एक-दूसरे से सामाजिक दूरी बना कर भोजन ले रहे है। इसके अतिरिक्त अन्य जरूरतमंद लोगों को जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन तथा सामाजिक संगठनो के माध्यम से भोजन पैकेट वितरित किया जा रहा है तथा जब से इस क यूनिटी किचन में भोजन वितरित किया जा रहा है तब से लोगों के खाने-पीने की समस्या समाप्त हो गयी है और लोगों का पलायन भी रूक गया है।

राम निवास यादव ने बताया कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मु यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा एवं प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह के निर्देशों का पालन करते हुए। यह क यूनिटी किचन लखनऊ लांकडाउन 3मई2020 तक लगातार चलता रहेगा। जिससे कोई भी व्यक्ति भूखा प्यासा नही रहेगा। यह क यूनिटी किचन जनता की सेवा में लगा रहेगा। इस क यूनिटी किचन में संजय मिश्रा, ए.पी. सिंह, राकेश शर्मा जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा, डा0 अनूप सिंह संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ, अनिल जायसवाल मंडल महामंत्री चिनहट शहरी, उमाशंकर साहू पूर्व जिला मंत्री द्वारा आज सहयोग किया गया।

अधिशासी अधिकारी सेवा संघ ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया 10 प्रतिशत वेतन

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना से जंग जीतने के लिए उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिकारी सेवा संघ ने नगर विकास मंत्री श्री आशुतोष टंडन (गोपाल जी) को 12,15,422 रुपये की चेक दिया। गुरुवार सुबह उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिकारी सेवा संघ के प्रतिनिधि मंडल ने माननीय नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन (गोपाल जी) से मुलाक़ात की। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने नगर पालिका द्वारा कराये जा रहे साफ़-सफाई, सैनेटाइजेशन कार्य और कम्युनिटी किचन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रतिनिधि मंडल ने लॉकडाउन के दौरान निराश्रितों और जरूरतमंदों को हर संभव मदद पहुंचाने के लिए किये जा रहे प्रयासों के बारे में भी बताया और इस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए भी चर्चा की है। प्रतिनिधि मंडल ने नगर पालिका के 272 अधिशासीय अधिकारियों द्वारा वेतन से 10 प्रतिशत का अंशदान की राशी का चेक भी नगर विकास मंत्री को दिया। इस धनराशी (12 लाख 15 हजार चार सौ 22 रुपये) सभी अधिकारिओं ने संघ के माध्यम से मुख्यमंत्री कोविड-19 राहत फण्ड के लिए दिया है। चेक सौंपे जाने के दौरान संघ के कार्यवाहक अध्यक्ष डी. एस. वर्मा, उपाध्यक्ष सर्वेश कुमार, महामंत्री पवन किशोर मौर्य, प्रभारी महिला प्रकोष्ठ नीलम चौधरी, प्रवक्ता डॉ. अनुपम सिंह, प्रभारी मध्य क्षेत्र रविन्द्र मोहन और प्रभारी पश्चिम क्षेत्र कुल कमल सिंह मौजूद रहे।

प्रदेश भर में 12518 स्थलों को सैनेटाइज किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने हेतु जनमानस को तात्कालिक एवं दूरगामी लाभ पहुंचाने के लिए प्रदेश पुलिस की अग्निशमन इकाइयां भी सभी जनपदों में सैनेटाइजेशन के कार्य में तत्परता से जुटी हुई है।अपर मुख्य सचिव, गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी ने पुलिस महानिदेशक, फायर सर्विस, श्री आर0 के0 विश्वकर्मा से मिली जानकारी का विस्तृत ब्यौरा देते हुए आज यहां बताया कि पूरे प्रदेश भर में अब तक कुल 12518 स्थलों पर सैनेटाइजेशन का कार्य सफलता पूर्वक किया जा चुका हैं। इसमें हाट स्पाट/संभावित हाट स्पाट 635, संवेदनशील स्थल 1277, बाजार 1465, आवासीय स्थल 3411 एवं 5439 अन्य स्थल शामिल है।

पुलिस महानिदेशक, फायर सर्विस ने प्रदेश के सभी जनपदों में फायर सर्विस द्वारा कुल सैनेटाइज 12518 स्थलों के सम्बन्ध में कुछ प्रमुख जनपदों में से गौतमबुद्धनगर (नोएडा) मे 784, लखनऊ में 724, आगरा में 377, मुरादाबाद में 216, मेरठ में 470, फिरोजाबाद में 450, गाजियाबाद 460, मैनपुरी मे 256, अलीगढ़ में 338, बरेली में 756, कौसाम्बी में 576, वाराणसी में 974, आजमगढ़ में 346, गोरखपुर में 318 स्थलों पर अब तक सैनेटाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। श्री विश्वकर्मा ने बताया कि अत्याधुनिक तकनीकी से सुसज्जित फायर बिग्रेड की 895 गाड़ियां निरंतर सैनेटाइजेशन कार्य मे लगी है। अग्निशमन विभाग द्वारा अपने कार्यो के अतिरिक्त प्रदेश में पहली बार यह कार्य किया जा रहा है जिसमें सभी हॉट स्पॉट चिन्हित स्थलों, अन्य संवेदनशील क्षेत्रों, बाजारों, आवासीय कॉलोनियों तथा अन्य स्थानों यथा मेडिकल कॉलेज, सरकारी अस्पताल, निजी अस्पताल, कॉरेनटाइन केन्द्रों, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों आदि को प्राथमिकता दी जा रही है। सैनेटाइजेशन कार्य जिलाधिकारियों के मार्ग दर्शन में स्थानीय निकायों से समन्वय स्थापित करते हुये किया जा रहा है। उन्होने बताया कि इस कार्य में प्रयुक्त किये जाने वाले रसायन की मात्रा निर्धारित मानकों के अनुकूल रखने तथा सैनेटाइजेषन के दौरान जरूरी सावधानियों का भी विषेष ध्यान रखा जा रहा है। यथा छिड़काव के दौरान यह भी प्रयास किया जा रहा है कि बिजली की वायरिंग एवं अन्य संवेदनषील वस्तुओं को छिड़काव से नुकसान न पहुंचने पाये। अग्निषमन विभाग के कर्मचारी इसके लिए पूर्ण निष्ठा, लगन एवं समर्पण की भावना से जुटे हुए है।उत्तर प्रदेष फायर सर्विस के प्रयासों से सैनेटाइजेषन कार्य को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के हर संभव प्रयास किये जा रहे है ताकि कोविड-19 के प्रभाव को कम करने में सफलता मिल सकें।

नगर मजिस्ट्रेट सहित जनपद के समस्त उप जिलधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्र की दुकानो पर बिकने वाले सामानो के मूल्यो का निरीक्षण किया: डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिलधिकारी पुलकित खरे के निर्देशानुसार निर्धारित समय में खुलने वाली किराना दुकानो की जॉच नगर मजिस्ट्रेट, उप जिलाधिकारी सदर, शाहाबाद, सण्डीला एवं बिलग्राम के द्वारा करायी गयी। सम्बन्धित अधिकारियों ने अपने अपने क्षेत्रों में किराना की दुकानो में बिकने वाले सामानो के मूल्यो का निरीक्षण किया। जिसमें नगर मजिस्टेट्ट जंग बहादुर यादव ने स्टेशन रोड रेलवेगंज हरदोई स्थित रामभजन किराना स्टोर तथा दुलीगंज चौराहा, रेलवेगंज स्थित श्यामजी जनरल स्टोर का निरीक्षण किया। उन्होने अपने निरीक्षण में पाया कि अरहर दाल 100 रूपये प्रति किलो की दर से बेची जा रही थी। इसके अतिरिक्त चावल रू0 35, चना दाल रू0 70, आटा रू0 25, सरसो का तेल रू0 120/-की दर से बेचा जा रहा था। इसी प्रकार उप जिलाधिकारी सण्डीला मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बॉगरमऊ रोड स्थित पवन किराना स्टोर तथा रिंकू किराना स्टोर का गोपनीय प्रकार से दैनिक सामग्री क्रय करते हुए निरीक्षण किया। जिसमें चीनी रू0 38, आटा रू0 25, चना दाल रू0 70, अरहर दाल रू0 90, चीनी रू0 38 तथा चावल रू0 28 की दर से बेचा जा रहा था। उप जिलाधिकारी शाहाबाद अतुल प्रकाश श्रीवास्तव ने निर्देशो के पालन में निरीक्षण करते हुए बस स्टैण्ड शाहाबाद स्थित राजू जनरल स्टोर एवं राशिद जनरल स्टोर का निरीक्षण किया, जिसमें मूंगफली रू0 140, अरहर दाल रू0 100, गेहूँ आटा रू0 28, बेसन रू0 80 प्रति किलो की दर से बेचा जा रहा था। इसी प्रकार उप जिलाधिकारी बिलग्राम ने माधौगंज स्थित शोभित किराना स्टोर एवं मनीष किराना स्टोर का निरीक्षण किया। उप जिलाधिकारी सदर राकेश कुमार गुप्ता ने बीएसएनएल आफ्सि के सामने हरदोई स्थित किराना स्टोर को चेक किया इसके उपरान्त नवीन सब्जी, फ्लमण्डी के सामने सूर्या जनरल स्टोर, लालपालपुर स्थित चौहान किराना स्टोर एवं शर्मा किराना स्टोर का गोपनीय निरीक्षण किया। जहॉ पर अरहर दाल रू0 105, चीनी रू0 40 सहित समस्त सामग्री निर्धारित मूल्य के अन्तर्गत दी जा रही थी।

इसी क्रम में जिलाधिकारी पुलकित खरे ने पूर्ति निरीक्षक शाहाबाद अमित चतुर्वेदी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए कहा है कि राशन वितरण में अनियमितताओं से संबंधित आईजीआरएस पोर्टल पर आपके क्षेत्र की 66 शिकायतें प्राप्त हुई है, जो लॉकडाउन अवधि में सर्वाधिक है, जिससे आपकी शिथिता कार्य प्रणाली एवं अकर्मण्यता स्वयं दृष्टिगोचर होती है। उन्होने कहा कि वर्तमान में कोविड-19 के कारण घोषित लॉकडाउन के कारण कार्डधारकों एवं अन्य जरूरतमंदों को राशन उपलब्ध कराना शासन व प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है तथा ऐसी स्थिति में शिकायतों का प्राप्त होना कदापि उचित नहीं है। जिलाधिकारी ने पूर्ति निरीक्षक को निर्देश दिये कि उक्त के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुए लम्बित शिकायतों का 03 दिन में शतप्रतिशत निस्तारण करायें, अन्यथा गम्भीर रूख अपनाते हुए कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

कोई भी भूखा ना रहे की तर्ज़ पर सपाईयों ने गरीबो को बाँटा राशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर कोशिश कोई भी भूखा ना रहे के चलते 27 दिन से समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव संजय कश्यप, समाजवादी मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के निवर्तमान जिलाध्यक्ष रामज्ञान गुप्ता ने समाजवादी राहत सामग्री शहर के विभिन्न जगहों पर जाकर ज़रूरतमंद लोगों व महिलाओं को समाजवादी राहत पैकेट देकर उनका सहारा बनने का काम किया तथा सभी लोगों से कहा कि लॉक डाउन का पालन करें व सोशल डिस्टेंस के लिए भी जागरूक किया। सपा नेताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी के निर्देश पर हम समाजवादी लोग एक छोटी सी कोशिश कर अपने उन ज़रूरतमंद परिवारों तक राहत सामग्री पहुंचाने का काम कर रहे हैं। जो कि बेहद गरीब व ज़रूरतमंद हैं। जिनको रोटी मिलने ने दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हैं। हम समाजवादी लोग ऐसे ही लगातार कई दिनों से समाजवादी राहत पैकेट वितरण का काम कर रहें है और आगे लगातार करते रहेंगे। इस मौके पर सुधीर गुप्ता मिन्ना, अभय गुप्ता, अवनीश पांडेय मौजूद रहे।

रमज़ान को लेकर मुस्लिम समुदाय के व्यक्तियों के साथ की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बघौली (हरदोई)। वैश्विक महामारी कोरोना के प्रकोप के बीच मुसलमानो के मुकद्दस महीने रमजान को लेकर थाना बघौली परिसर में थानाध्यक्ष बघौली फूलचन्द्र सरोज के द्वारा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाली मस्जिदो व ईदगाह के ईमाम व मौलानाओ के साथ एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मुस्लिम समुदाय के अलावा क्षेत्र के अन्य सम्मानित लोग भी शामिल हुए जिसमें चर्चा हुई कि कोरोना महामारी के बीच पाक महीने रमजान को एतिहात के साथ मनाया जाए। इस मौके पर क्षेत्राधिकारी बघौली अखिलेश राजन ने कहा कि मस्जिद के इमाम सहरी व इफ्तार के वक्त ऐलान करेगे सभी लोग अपने घरो पर ही रहेगे व नमाज आदि सारे कार्य घर पर ही करेगे प्रशासन के आदेशो का उल्लंघन करने वालो पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। थानाध्यक्ष बघौली फूलचन्द्र सरोज ने मुस्लिम समुदाय से अपील की कि कोरोना वायरस के चलते शोसल डिस्टेंसिग का पूरा पालन करे उन्होंने बताया कि मस्जिद में रमजान माह में होने वाली तराबी अग्रिम आदेशो तक रोकी जा रही है थानाध्यक्ष ने अपील की कि रमजान में आपस में गले मिलना व हाथ मिलाने की परम्परा को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ ही मनाए और इस वर्ष कोरोना वायरस की बीमारी की वजह से इन सब चीजों से अपना से बचाव करेंद्ध बैठक में मौजूद विक्टोरियागंज के पूर्व प्रधान अतीक मिंया (छोटे साहब) ने कहा कि पाक मुकद्दस महीना रमजान अल्लाह की इबादत का सबसे बेहतर महीना है इसलिये हम सभी अपने घरो से ही इबादत कर अल्लाह से खतरनाक बीमारी से सिफा की दुआ भी मांगे। थाना परिसर बघौली में बैठक के दौरान आपसी दूरी का विशेष खयाल रखा गया। बैठक में मुस्लिम समुदाय के इमाम व मौलानाओ सहित मो0 उमैर, जावेद अली, अल्तमश, सालिम के अलावा क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय के अन्य संभ्रांत व्यक्ति भी इस मौके पर मौजूद रहे। बावन प्रतिनिधि के अनुसार:- रमजान के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक क्षेत्राधिकारी की अध्यक्षता में गुरुवार को स्थानीय पुलिस चौकी पर आयोजित हुई जिसमें स्थानीय लोगों को रमजान में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने और घरों से बाहर ना निकलने की हिदायत दी गयी। पीस कमेटी की बैठक में आये सम्भ्रांत लोगों को सम्बोधित करते हुए सीओ हरपालपुर राकेस वसिष्ठ ने कहा कि इस विषम परिस्थिति में रमजान के महीने में सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखें।घरों से बाहर ना निकलने।बाहरी व्यक्तियों से सम्पर्क बिल्कुल ना करें।कोई भी ऐसा कार्य ना करें जिससे कोरोना की सुरक्षा का चक्र टूटे। कोतवाल राजेश कुमार राय ने कहा कि रमजान का महीना ईश्वर से अपने गुनाहों की माफी माँगने का है। सभी लोग संयम से काम लें।खुद सुरक्षित रहें और दूसरों को भी सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी निभाएं। बैठक में सम्भ्रांत लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।डॉ रजनीश दीक्षित ने तत्काल कस्बे को सिनेटाइज्ड कराने की माँग रखी तो डिजिटल वालंटियर कैलाश सिंह ने लॉक डाउन में आवश्यक कार्यो से बाहर गए लोगों के वाहनों में पुलिस कर्मियों द्वारा सूजा घोंपने के कृत्य का विरोध किया और ऐसा ना करने की माँग की। इस दौरान प्रधान पति सैय्यद अनिशुल हसन, चौकी प्रभारी अरविंद कुमार, राजस्व निरीक्षक नवनीत शुक्ला, डॉ रजनीश दीक्षित, भाजपा मंडल अध्यक्ष देश दीपक दीक्षित, समाजसेवी हमीद अहमद पप्पू, हाफिज उबैदुल्लाह, आरिफ खाँ, योगेंद्र सोनी, आचार्य अजीत मिश्रा, शक्ति मिश्रा, राम मिलन यादव, कैलाश सिंह, कॉन्सटेबल परविंदर, रामसिंह, राहुल चौधरी आदि लोग मौजूद रहे।

माधौगंज प्रतिनिधि के अनुसार:- रमजान के मद्देनजर एसडीएम व सीओ की अध्यक्षता में मस्जिदों के मौलानाओं व गणमान्य लोगों के साथ बैठक की गई। गुरुवार को आयोजित बैठक में एसडीएम बिलग्राम कपिल देव यादव एवं सीओ एसआर कुशवाहा ने नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की मस्जिदों के मौलानाओं एवं गणमान्य लोगों से अपील करते हुए कहा कि रमजान त्यौहार को आपसी भाईचारा के साथ अपने घरों में मनाए।लॉक डाउन का पालन करे।रमजान में अपने घरों में नमाज अदा करेंगे शासन के नियमों का पूर्णतया पालन करना होगा।उल्लंघन करने वाले के विरुद्ध कानूनी कर्रवाई की जाएगी। नायब तहसीलदार नितिन राजपूत, ईओ डॉ प्रकाश चन्द्र गोपालन, एसएस आई राजकुमार तिवारी, एसआई उमाशंकर यादव एसआई ऋषि कपूर सहित मस्जिदों के मौलाना एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

साण्डी प्रतिनिधि के अनुसार:- थाना परिसर मे रमजान के महीने को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई जिसमें क्षेत्राधिकारी शिवराम कुशवाहा और उप जिलाधिकारी बिलग्राम कपिल देव यादव ने आए हुए सभी सम्भ्रॉंत व्यक्तियों से कहा लॉक डाउन के चलते रमजान के पवित्र महीने में सभी लोग घरों पर ही नमाज अदा करें और शांति व्यवस्था बनाए रखें। इस मौके पर मो, आजम मुन्ने भाई, चैयरमैन प्रतिनिध दिनेश चन्द्र गुप्ता, मुफ्ती अब्दुल समी, मौलाना मो0 यूसुफ, कारी मो0 यामीन, मौलाना मो0 उमर, इशरत अली प्रधान, कादीर खाँ सभासद, पियुष पाठक व अन्य सम्भ्रॉंत लोग मौजूद रहे।

फायर झोंकते हुए घर में घुसे दबंगों ने ढाया कहर, दो लहूलुहान

पाली (हरदोई)। थानाक्षेत्र के सहजनपुर गांव में दबंगों ने एक परिवार पर कहर ढा दिया। आरोप है कि मामूली बात पर दबंगों ने फायर करते हुए घर का गेट तोड़कर अंदर घुस गए और पीड़ित परिवार को बेरहमी से मारा पीटा। पुलिस ने दबंगों के विरुद्ध मामला पंजीकृत कर लिया है। पीड़ित राहुल पुत्र प्रेमकांत की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी सुनील, राजीव, लालजी, शिशुमोहन, रामनिवास के विरुद्ध धारा के तहत मामला पंजीकृत कर लिया है। घटना विगत 21 अप्रैल की है, जिसके बाद से दबंगों द्वारा पीड़ित परिवार को लगातार धमकाया जा रहा हैए और मुकदमा वापस लेने का अनैतिक दबाव बनाया जा रहा है। ऐसा न करने की स्थिति में पीड़ित परिवार पर फर्जी मुकदमा लिखा देने की धमकी भी दी जा रही है। पीड़ित ने पुलिस से दबंगों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की मांग की है।

बैंकों को अन्तिम चेतावनी, डीएम ने तीन दिन के कार्यो की प्रगति रिपोर्ट तलब की

हरदोई। जिलाधिकारी पुलकित खरे ने अग्रणी जिला प्रबन्धक, बैंक आफ इण्डिया, जिला प्रबन्धक बैंक आफ बड़ौदा, इलाहाबाद बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, आर्यावृत बैंक, इण्डियन बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक तथा जिला प्रबन्धक यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से कहा है कि कोविड-19 महामारी से बचाव हेतु बैंकों एटीएम में भीड़ को नियन्त्रित करने तथा सोशल डिस्टेसंग का पालन कराने के दृष्टिगत यह निर्देश दिये गये थे कि सभी बैंक मित्र/बैंक क्कार्डिनेटर्स अपने.अपने क्षेत्र में उपस्थित रहकर यह सुनिश्चित करेगें कि प्रतिदिन कम से कम 70 से 100 खातेदारों की धनराशि की निकासी अपने स्तर से करायेगें, जबकि कई बैंक मित्रों/बैंक क्कार्डिनेटर्स द्वारा 20 से भी कम खातेदारों की धनराशि की निकासी कराई गयी है, इससे स्पष्ट है कि इन बैंक मित्र/बैंक क्कार्डिनेटर्स ने कोविड.19 जैसी महामारी से बचाव हेतु किये जा रहे प्रयासों एवं प्रबन्धों को गम्भीरता से नहीं लिया गया है। जिलाधिकारी ने उपरोक्त बैंक मित्रों/बैंक क्कार्डिनेटर्स की सूची संबंधित जिला बैंक प्रबन्धकों को प्रेषित करते हुए निर्देश दिये है कि इन सभी को कार्यप्रणाली में सुधार हेतु अन्तिम चेतावनी जारी करने के साथ इनके तीन दिन के कार्यो की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंए ताकि खराब प्रगति वाले बैंक मित्रोंध् बैंक क्कार्डिनेटर्स की सेवा समाप्ति के सम्बन्ध में निर्णय लिया जा सके।

एसडीएम की छापेमारी में भारी मात्रा में प्रतिबंधित गुटखा, तम्बाकू बरामद

हरदोई। जिलाधिकारी पुलकित खरे के निर्देश पर उप जिलाधिकारी सवायजपुर मनोज कुमार सागर ने थाना अरवल की एक तथा हरपालपुर में दो परचून की दुकानों का निरीक्षण कियाए निरीक्षण के दौरान तीनों दुकानों पर भारी मात्रा में गुटकाए तम्बाकू एवं सिगरेट बरामद हुई तथा तराजू एवं बॉट गलत पाये गये। इस सम्बन्ध में उप जिलाधिकारी सवाजपुर ने बताया कि थानाध्यक्ष अरवल एवं हरियावां को उक्त परचून दुकानदारों के विरूद्ध धारा 151ए 188 के अन्तर्गत कार्यवाही करने एवं कोरोना महामारी की धाराओं में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिये गये है तथा तराजू एवं बॉट के सम्बन्ध में बॉटमाप निरीक्षक को कार्यवाही करने के निर्देशित किया गया है। उप जिलाधिकारी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान जिस परचून की दुकान पर गुटकाए तम्बाकू एवं सिगरेट बरामद होने पर दुकानदार के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जायेगी।

पुलिस की मौजूदगी में हुआ स्कैनिंग का काम:- बिलग्राम (हरदोई)। कोरोना वायरस रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से लगातार स्कैनिंग का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।उसी क्रम में बिलग्राम के ग्रामीण इलाकों में सीएचसी की टीम जिसमें डॉ विनीत कुमार तिवारी अधीक्षकए खालिद हुसैनए शराफ्त खानएताजुद्दीन अंसारीएअक्षय कुमारए पुनीत कुमारए पुष्पेंद्र कुमारए के साथ ही जनपद आरबीएसके टीमों में बिलग्रामए बावनएसुरसा व मल्लावां की कुल 10 टीमों द्वारा स्कैनिंग का कार्य किया गया।इस दौरान पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी रही। क्षेत्र के ग्राम जरौली शेरपुर में समस्त ग्रामीणों का थर्मल स्कैनिंग की गई जिसमें ग्राम प्रधान अब्दुल अजीज खां ने पुलिस प्रशासन को काफी सहयोग टीम को दिया गया जो कि एक प्रशंसनीय कार्य है तथा शांतिपूर्ण माहौल में सभी ग्रामीणों की डोर टू डोर जांच की गई इस मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक मौजूद रहे तथा टीम में डॉक्टर शैलेश दिक्षित डॉक्टर निशा की टीम द्वारा बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक समस्त ग्रामीणों की जांच की गई।जरसेना मऊ ग्राम सभा में सभी ग्रामीणों की थर्मल स्कैनिंग की गई जिसमें गांव के पूर्व प्रधान का टीम को अधिकतम सहयोग किया गया जोकि काफी सरा हनी रहा स्वास्थ्य विभाग की टीम में डॉक्टर शैलेश दिक्षित द्वारा समस्त ग्रामीणों की अपनी टीम के सहयोग से थर्मल स्कैनिंग की।

मुरौली ग्वाल के युवक ने ग्राम प्रधान पर लगाया आरोप:- बिलग्राम (हरदोई)। मुरौली ग्वाल निवासी कुलदीप अग्निहोत्री ने कोरोना संकट के समय बचाव कार्य करने के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर शिकायत दर्ज कराई। वैसे तो बिलग्राम ब्लाक के सम्बन्धित इस ग्राम में ग्राम प्रधान के विकास कार्यो की जांच तक मुख्यमंत्री के आदेशों पर लगातार होती हैं।क्योंकि जिला प्रशासन व ब्लॉक मुख्यालय शिकायत पर गम्भीर नहीं होता।कुछ ऐसे ही अनगिनत आरोप आपको इस गांव के वाशिन्दों द्वारा लगाए जाते हैं। अब ताज़ा आरोप कुलदीप अग्निहोत्री ने ग्राम प्रधान पर कोरोना संकट के वक्त साफ सफाई व सेनेटाइजर छिड़काव न कराने की अपील मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर की।जिसके बाद हरकत में आए प्रशासन ने उक्त कार्य कराए हैं।लेकिन आश्चर्य की बात है कि क्या जनकल्याण हेतु लोगों को अब मुख्यमंत्री से गुहार लगाने की जरूरत पड़ रही है जबकि उनके अधिकारों को प्रदत्त करने के लिए ब्लॉक मुख्यालय से जिला मुख्यालय तक कई हाकिमों की उपस्थिति दर्ज रहती है।

जरूरतमंदों की सेवा करना सवर्ण चेतना सभा सभा का मुख्य लक्ष्य: आदर्श दीपक मिश्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सामाजिक संगठन सवर्ण चेतना सभा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट आदर्श दीपक मिश्र के अनुरोध पर कोरोना महामारी के चलते पूरे जिले में प्रतिदिन एक पदाधिकारी अपने क्षेत्र में भोजन, राशन, आवश्यक वस्तुएं एवं मास्क, सेनेटाइजर उपलब्ध कराया जाता है। जिसके तहत संदीप शुक्ला प्रदेश संयुक्त सचिव एवं निशीत शुक्लमंडल उपाध्यक्ष ने अपने गांव बावन में जरूरतमंदों को मास्क, राशन, सेनेटाइजर प्रदान किया और लोगो को जागरूक भी किया साथ ही सभी सम्मानित् जनो से निवेदन किया। वह पूरे तरीके से लाकडाउन का पालन करें और ज्यादा तर घर पर रहकर जरूरतमंदों का सहयोग करें और प्रयास करे कोई हमारे आसपास भूखा न रहे और सभी लोग सुरक्षित रहै और घर पर रहै यही हम सब की अपील है। आज अय्यूब खान जिला उपाध्यक्ष गोपामऊ में जरूरतमंदो को राशन आवश्यक सामग्री मास्क सेनेटाइजर प्रदान करेंगे। संगठन का एक पदाधिकारी प्रतिदिन अपने.अपने क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करता है।

२० किलो गेहूँ वापस मांगने पर पीटा

हरदोई। लॉक डाउन के बीच खाद्य सामग्री को लेकर मारपीट की खबर आई है। सण्डीला कोतवाली के एक गांव उधार दिए 20 किलो गेंहूँ वापस मांगने पर 4 लोगों ने शख्स को बुरी तरह पीट दिया। पोखई खेड़ा मजरा अटवा भसेन निवासी सुशील सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि करीब एक माह पूर्व गांव के पप्पू सिंह उससे 20 किलो गेंहू उधार ले गए थे। आज जब वह पप्पू सिंह के दरवाजे पर गेहूँ वापस मांगने गया तो गाली गलौज करते हुए पप्पू सिंह व उसके भाइ छुन्नू सिंह व गुड्डू सिंह और पप्पू के पुत्र विनय सिंह ने मिलकर लातघुसो व लाठी डंडे से बुरी तरह मारापीटा। इस बीच उसकी बहन नीतू सिंह व जूली सिंह उसे बचाने आयी तो उन्हें भी मारापीटा। सुशील की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

सब्ज़ी में हल्दी न होने पर पत्नी को मारपीटकर घर से निकाला

हरदोई। कोतवाली के एक गांव में सब्ज़ी में हल्दी न होने के आरोप में पति ने पत्नी की पिटाई करते हुए घर से निकाल दिया। जिससे नाराज़ पत्नी ने पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला का आरोप है कि उसका पति शराब के नशे में अक्सर घरेलू बातों को लेकर उसे मारता पीटता है। आज दोपहर सब्जी में हल्दी न होने की बात को लेकर कुलदीप ने उसे लातघुसो व डंडे से खूब मारापीटा और धमकी देकर उसे घर से निकाल दिया। मारपीट के कारण उसे चोटे भी आई है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

अज्ञात जंगली जानवर ने अलग.अलग जगहों पर हमला कर आधा दर्जन लोगों को किया घायल

हरदोई। थाना क्षेत्र के अलग अलग गावों के पांच लोगों को बुधवार किसी जंगली जानवर ने हमला कर घायल कर दिया जिन्हें लेकर परिजन सरकारी अस्पताल पहुचें। असमधा निवासी चतुरी लाल (70) व मिढ़ई लाल (75) ने बताया कि वह गांव के बाहर खेत मे छप्पर डाल कर रहते है। शाम पांच बजे के करीब किसी जंगली जानवर ने चतुरी लाल पर हमला कर दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर मिढ़ई लाल जब चतुरी को बचाने गए तो उसने उन पर भी हमला कर दिया। और भाग गया। हमले में दोनों बुजुर्गो के हांथ व मुह को नोच लिया। घायल अवस्था मे परिजन दोनों को लेकर पीएचसी पहुँचे। वहीं साबित्री (35) निवासी गुरूधरु व असमधा निवासी राजेन्द्र (50) के अलावा गुरधरु की ही रामधुनी (47) पत्नी शामलाल को ऐसे ही किसी जानवर ने हमला करके घायल कर दिया।

तीन शराब कारोबारी गिरफ्तार, 30 लीटर कच्ची शराब बरामद

हरदोई। कच्ची शराब कारोबारियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को आज बड़ी सफ्लता मिली। दो अलग.अलग गांवों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से 30 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करीमनगर निवासी जागन पुत्र सम्मूए राजपाल पुत्र शेर सिंह तथा नगला गणेश निवासी रमाकांत पुत्र बंधु पिछले काफी दिनों से कच्ची शराब का कारोबार कर रहे थे। जिनकी पुलिस को तलाश थी। एक मुखबिर की सूचना पर हेड कांस्टेबल फतेह सिंह ने साथी सिपाहियों के साथ रेलवे क्रॉसिंग के पास घेराबंदी करके तीनों को गिरफ्तार किया। जिनके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई है। सभी के खिलाफ शराब के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है।

जुआं खेलते 5 गिरफ्तार

हरदोई। लॉक डाउन में भी लोग इकट्ठा होने से बाज़ नहीं आरहे हैं। सण्डीला में पुलिस ने एक मोहल्ले में छापा मारकर जुआ खेलते 5 लोगों को गिरफ्तार किया है।कस्बा चौकी प्रभारी ओम प्रकाश सिंह को गश्त के दौरान सूचना मिली कि मोहल्ला माकूम कुआं में कुछ लोग इकट्ठा होकर जुआं खेल रहे हैं। जिसपर चौकी प्रभारी ने दल बल के साथ छापा मारा तो मौके पर जुआं खेलते 5 लोगों को पकड़ लिया। मौके से ताश के पत्तों के अलावा 1480 रुपये की नगदी बरामद हुई। पूछताक्ष में पकड़े गए लोगों ने अपने नाम जाबिरए चंद्रशेखरए नीरज विश्वकर्माए सोनू विश्वकर्मा एवं पंकज विश्वकर्मा निवासी मोहल्ला माकूम कुआं बताया। सभी के खिलाफ जुआं अधिनियम में कार्यवाही की है।

प्रधान ने विधायक को दी चेक

सण्डीला (हरदोई)। ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम बेगमगंज के प्रधान महेश रंजन गुप्ता व उनके सहयोगियों द्वारा 11000 रुपये की चेक पी एम केयर फंड में विधायक राजकुमार अग्रवाल को दी। ग्राम बेगम गंज के प्रधान महेश रंजन गुप्ता के आवास पर क्षेत्रीय विधायक राजकुमार अग्रवाल ने ग्रामीणों को दलिया के पैकेट देकर पुष्टाहार वितरण की शुरुआत की तथा ग्राम प्रधान द्वारा उपलब्ध कराए गए मास्क को ग्रामीणों में वितरण किए तथा ग्रामीणों से लॉक डाउन का पालन करते हुए घरों से अनावश्यक बाहर न निकलने की अपील की उन्होंने कहा यदि कोई बहुत आवश्यक कार्य हो तो वह घर से बाहर मास्क लगाकर निकले और एक दूसरे से कम से कम 1 मीटर की दूरी बनाए रखे।

बिना मास्क लगाए सड़क पर निकले 20 लोगों पर लगा जुर्माना

सण्डीला (हरदोई)। नगर पालिका परिषद ईओ वीरेंद्र प्रताप सिंह ने बिना मास्क लगाए 20 लोगों से 3600 रुपये जुर्माना वसूला। ईओ वीरेंद्र प्रताप सिंह ने लोगों से अपील की लोग इस महामारी को गंभीरता से ले और बिना वजह बिना मास्क लगाएं घर से बाहर न निकले।

केक काटकर मनाया जन्मदिन

सण्डीला (हरदोई)। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी का जन्मदिन उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के तत्वाधान में केक काटकर मनाया गया इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बबलू कुमार, अभिमन्यु गुप्ता, विजय गुप्ता, अर्पित गुप्ता, सुशील कुमार, गुरप्रीत सिंह, रजत सिंह राठौर, लवी कौशल, सोनू सोनी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहें।

मिशन कोई भूखा ना सोये गरीबो को वितरित करता रहेगा राहत सामग्री: डॉ0 पंकज त्रिवेदी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

साण्डी (हरदोई)। वैश्विक महामारी की वजह से पूरे देश मे भारत सरकार द्वारा लाकडाउन घोषित कर दिया गया है जिससे रोजमर्रा मजदूरो को परिवार पालना मुश्किल हो रहा है ऐसे संकट के दौर मे कोई भूखा ना सोये मिशन के सदस्यो ने भी गरीबो की मदद करने के लिये हाथ आगे बढाया है और प्रतिदिन सांडी कस्बे के 50 से 100 घरों में सब्जी, चावल, आटा, दाल, तेल व अन्य उपयोगी सामग्री का वितरण किया जा रहा है यह मिशन लगभग दस दिनो से चल रहा है ऐसे नाजुक हालतों में गरीबों व असहायों की मदद करने के लिये कुछ नौजवानों ने आगे आकर गरीबों की हर सम्भव मदद करने का बीड़ा उठाया है मिशन से जुड़े हुये नौजवानों की इस सराहनीय कार्य के लिये कस्बावासी दिल खोल के प्रशंसा कर रहें है और मदद के लिये आगे आ रहे हैं मिशन के तहत सुबह के समय जरूरतमंदों को प्रतिदिन दूध, चायपत्ती, बिस्कुट, शक्कर व ब्रेड भी वितरित किया जा रहा है। मिशन के सदस्यों का कहना है कि खाद्यय सामग्री का वितरण तब तक किया जायेगा जब तक कि स्थिति सामान्य नहीं हो जाती है मिशन के संयोजक डाण्पंकज त्रिवेदी का कहना है किसी भी गरीब असहाय को भूखा नही सोने दिया जायेगा खाद्य सामग्री वितरित करने के दौरान डॉ0 पंकज त्रिवेदी, रिंकू त्रिवेदी, अनुराग कुशवाहा, मुकेश गुप्ता, राजा मिस्त्री, रामानंद सैनी भूरा त्रिवेदी, गुड्डू कुशवाहा, मतोले, रामअवतार सैनी आदि का सहयोग प्राप्त हुआ।

कोरोना वायरस के प्रति सोशल मीडिया पर कर रहें जागरूक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। डॉ0 राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय, अल्लीपुर, हरदोई की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के वॉलिंटियर्स घर पर ही मास्क बना रहें है। छात्राएं मुख्य रूप से से शोभा, शालिनी, सुनैना, गरिमा, इति, घर की सिलाई मशीन से यूटयूब की सहायता से प्रशिक्षण प्राप्त करके थ्री लेयर मास्क बना रहें है तथा पडोसियों को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ वितरित भी कर रहें है। इतना ही नही वह लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूक भी करते है तथा यह बताते है कि मास्क को लगातार साबुन से धुलते रहें। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक अभियान चलाकर लोगो को अरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने के लिए प्रेरित कर रहें। इसके लिए उन्होने आरोग्य सेतु ऐप चैलेंज एक अभियान भी चलाया है। जिसमें विद्यार्थी सोशल मीडिया पर यह चैलेंज देते है कि लोग अपने मोबाइल में इस ऐप को डाउनलोड करके दिखाए तथा आरोग्य सेतु ऐप के फायदे बताते है। स्वयंसेवको का लक्ष्य हरदोई के हर स्मार्टफोन में आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड कराना है । इसके अलावा स्वयंसेवक चित्रकला, पेंटिंग, पोस्टर, कविता आदि के जरियें लोगों को कोरोना वायरस के प्रति सोशल मीडिया पर जागरूक कर रहें तथा लोगो से लॉक डाउन का पालन करने की अपील कर रहें है।

भाजपा नेता ने लिया संकल्प, लाकडाउन तक किसी गरीब को नही सोने देंगे भूखा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। वैश्विक महामारी कोरोना के चलते लागू लॉक डाउन में गरीब व जरूरतमंदों के सामने भोजन का संकट खड़ा हो चुका है जिसे निपटने के लिए समाज के सभी जागरूक व्यक्ति अपने अपने स्तर से लगे हुए हैं। जरूरतमंद व गरीबों को भूख से दो.चार ना होना पड़े इसके लिए जिले के शाहाबाद कस्बे के एक युवा भाजपा नेता ने अनोखी मिसाल पेश करने का काम किया है। शाहाबाद कस्बे के युवा भाजपा नेता ने लॉक डाउन के दौरान किसी भी गरीब व जरूरतमंद को भूखा ना सोने देने का संकल्प लिया है।

बताते चलें कि भारतीय जनता पार्टी की युवा मोर्चा विंग के जिला उपाध्यक्ष आकाश मिश्र ने यह अनोखा संकल्प धारण किया है। भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष आकाश मिश्र एवं उनके सहयोगियों द्वारा यथाशक्ति पात्र जनों की गृहस्थी को लगातार निर्विघ्न संचालित कराए रखने के लिए राशन सामग्री प्रदान करने का प्रण लिया गया है। श्री मिश्र ने बताया कि उन्होंने लॉक डाउन के दूसरे फेज के अंत तक यह सेवा कार्य लगातार जारी रखने का संकल्प लिया है और उनके इस नेक व पुनीत कार्य में प्रियांशु रस्तोगी, आदित्य वर्मा, रामू राठौर, अमितेश मिश्र, अरुण मिश्र, अभिजीत दीक्षित, फैजान, अजीत अवस्थी, सुखवीर यादव, सैफ, आकाश पांडेय, मोहसिन, सुधांशु शुक्ल आदि का सहयोग का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष श्री मिश्र सहयोगियों की मदद से राशन सामग्री जुटाते हैं फिर उसे पैक कर गरीब जरूरतमन्दों को बांट देते हैं। भाजपा नेता की इस पहल को पूरे जिले में खूब सराहा जा रहा है

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नगर व क्षेत्र मे तीसर दिन भी की गयी थर्मल स्क्रीनिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना

साण्डी (हरदोई)। साण्डी. कोरोना महामारी के संक्रमण को रोकने के लिये जिलाम प्रशाशन द्वारा साण्डी नगर मे कर्फ्यू लगा दिया है स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रत्येक वार्ड मे घर घर जाकर थर्मल स्क्रीनिंग कर रही है तीसरे दिन भी नगर व क्षेत्र मे थर्मल स्क्रीनिंग की गयी सी एच सी प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बताया कि आज कुल अठारह टीमे बनायी गयी है जिसमे पंद्रह टीमे कस्बे मे चल रही है और दो टीम ग्राम आदमपुर और एक टीम ग्राम ककेड़ी मे चल रही थी तीन दिनो मे कुल 6153 घरो मे 34863 लोगो की जाँच की गयी है और तीन संदिग्ध लोगो की आज रैपिड किट द्वारा जाँच की गयी तीनो की रिपोर्ट निगेटिव आयी है स्वास्थ्य विभाग की टीमो ने आज सघनता से स्क्रीनिंग की है किसी भी घर को और घर के सदस्यो को नही छोड़ा है साण्डी नगर मे कोई भी संक्रमित मरीज ना पाकर स्वास्थ्य विभाग राहत महसूस कर रहा है पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अनिल गुप्ता समाजसेवी व सभी सभासद स्वास्थ्य विभाग की थर्मल स्क्रीनिंग मे भरपूर मदद कर रहे है और नगर मे प्रतिदिन सेनेटाइजर का छिड़काव भी कराया जा रहा है पालिका द्वारा स्वछता पर गंभीरता से ध्यान दिया जा रहा है।

इसी क्रम में कन्हैयालाल फाउंडेशन अध्यक्ष विमल गुप्त द्वारा कोरोनावायरस की महामारी में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कस्बे में स्क्रीनिंग जांच कर रही टीमों को सैनिटाइजर के साथ बिस्किट व नमकीन के पैकेट वितरित किए गए। विमल गुप्त द्वारा समाजसेवी के रूप में कस्बे तथा गांव में स्क्रीनिंग जांच करने आई टीमों को जिनमें डॉक्टर सुबिया तालिब डॉक्टर सरताज डॉक्टर वजीहा टड़ियावा स्वास्थ्य केंद्र की डॉक्टर सूची गुप्ता सुरसा की डॉक्टर मनु शर्मा हरियावा से डॉक्टर अर्चना अहिरवार सहित अन्य सभी टीमों को सैनिटाइजर के साथ बिस्किट व नमकीन के पैकेट वितरित किए गए। इस मौके पर श्री गुप्त द्वारा कुछ मास्क लोगों को भी दिए गए यह कार्य टीमों को अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचने के पूर्व पुरानी पीएचसी पर किया गया। इस मौके पर अधीक्षक डॉ आशीष अग्रवाल फार्मासिस्ट हरिशंकर मिश्रा, आरके पाठक, रोहित पांडे भी मौजूद रहे। श्री गुप्त के साथ उनके सहयोगी दीपक पांडे अवनीश पाल द्वारा इस वितरण कार्य में सहयोग किया गया।

जीडीसी पिहानी के स्वयंसेवक स्वनिर्मित मास्कों का कर रहे वितरण

पिहानी (हरदोई)। राजकीय महाविद्यालय पिहानी की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी एवं उनके स्वयंसेवक पूरे उत्साह एवं जोश के साथ करोना वायरस जैसी संक्रामक महामारी से सुरक्षा अभियान में डटकर लगातार कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल अधिकारी प्रो0 जितेन्द्र कुमार ने बताया कि जनपद के महाविद्यालयों के कार्यक्रम अधिकारी प्रो0 कौशलेंद्र विक्रम सिंहए डॉ0 अंजूए डॉ0 जितेन्द्र सिंह चौहानए डॉ0 शीशेन्द्र शीलए डॉ0 नफीस अहमद के द्वारा भी अपने स्वयंसेवकों के सहयोग से समाज के लोगों को प्रतिदिन करोना महामारी से सुरक्षा की अपील, आरोग्य सेतु एप डाउनलोड एवं इसकी उपयोगिता, मास्क निर्माण एवं वितरणए रा0 से0 यो0 के स्वयंसेवकों का दीक्षा पोर्टल में रजिस्ट्रेशन आदि कार्यो को प्रतिदिन किया जा रहा हैए जिसकी रिपोर्ट प्रतिदिन विश्वविद्यालय एवं शासन को प्रेषित की जा रही है। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई.दो के कार्यक्रम अधिकारी की पत्नी नेहा वर्मा एवं स्वयंसेवक मुन्ना सिंह, विकास सिंह, विवेक वमा, विवेक कुमार, रिषभ भारती तथा शिव ओम सिंह आदि घर पर रहकर सीमित संसाधनों के बावजूद पोस्टर, स्लोगन राइटिंग के माध्यम से लोगों जागरूक करने के साथ साथ थ्री लेयर मास्कों को बनाकर ग्रामीणों को लगातार वितरित कर रहे हैं। मुस्करायेगा इन्डिया पहल के अन्तर्गत नामित काउन्सलर प्रो0 जितेन्द्र कुमार एवं प्रो0 कौशलेंद्र विक्रम सिंह द्वारा छात्र.छात्राओं, स्वयंसेवकों एवं युवाओं की लगातार काउन्सिलिंग की जा रही है जिससे उनके अन्दर निराशा का भाव पैदा न हो और नया उत्साह एवं जोश बना रहे।

सरकार के आदेश का पालन करें: मौलाना मेंहदी हसन

सण्डीला (हरदोई)। रमज़ान के मुकद्दस महीने की शुरुआत होने को है मुस्लिम समाज के लोग इसके लिए तैयारियों में जुट गए हैं। हालांकि इस बार उनके सामने लॉकडाउन की चुनौती भी है मदरसा गौसिया के अल्लामा मौलाना मेंहदी हसन मंजरी ने सभी मुसलमानों से इफ्तार पार्टियों के आयोजन न करने व उसमें शिरकत न करने को कहा है।उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के कारण पूरी दुनिया में तबाही मची हुई है यह संकट की घड़ी है लिहाजा हर व्यक्ति सरकार की आदेश का पालन करते हुए घरों में इबादत करे किसी को नमाज़ और तरावीह के लिए मस्जिद में आने की जरुरत नहीं है शहरक़ाज़ी सय्यद आरिफ अब्दुल्ला ने भी लोगों से रमजान में घरों में ही नमाज़ पढ़ने व लॉकडाउन का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि रमज़ान में मस्जिदों में भीड़ इकट्ठा न होने दें मस्जिदों में सिर्फ इमाम मोअज़्ज़िन मुतवल्ली तीन लोग ही शारीरिक दूरी के साथ नमाज़ पढ़ें हमें खुद की हिफाज़त के साथ समाज का ध्यान रखना है। ग़रीब नवाज़ फाउण्डेशन के अध्यक्ष शफ़ी अहमद साबरी ने कहा रमज़ान के दिनों घर में सिर्फ घर के ही सदस्य रहें किसी बाहरी को न बुलाए मस्जिदों में भेजी जाने वाले पकवान ;इफ्तारीद्ध या इसमें खर्च होने वाले पैसे को निर्धनों असहाय लोगो को दें । उन्होंने इस मुश्किल घड़ी में जिला व स्थानीय प्रशासन द्वारा जनहित में किये गए तमाम उपायों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस महामारी के संकट में प्रशासन का सहयोग सराहनीय है। ऑल इण्डिया उलेमा मशाईख बोर्ड के जिला अध्यक्ष मुईज़उद्दीन अहमद साग़री चिश्ती ने कहा कि बीमारी किसी धर्म और जाति को देखकर नहीं आती जिन लोगो में कोरोना के लक्षण मिलें वह खुद प्रसाशन को सूचित करें छुपने से उनके परिवार व समाज को खतरा बढेगा इसलिए लॉक डाउन के नियमों का ध्यान रखते हुए शासन प्रशासन की सहायता करें।

बिना मास्क बाहर निकलने वालो पर की कार्यवाही वसूला जुर्माना

सण्डीला (हरदोई)। जिलाधिकारी पुलकित खरे के निर्देशानुसार घर से बिना मास्क लगाकर बाहर निकलने वाले करीब 20 लोगो पर ईओ वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यवाही की है। ईओ वीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि नगर में बिना मास्क लगाकर घरो से बाहर निकलने वाले करीब 20 लोगो से लगभग न्यूनतम 100 रुपये से अधिकतम 500 रुपये के हिसाब से 3600 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया है। इस दौरान ईओ वीरेंद्र प्रताप सिंह ने नागरिको से घर मे रहने की अपील करते हुए कहा कि अति आवश्यक कार्य हो तभी घर से बाहर मास्क लगाकर ही निकले।यदि कोई भी व्यक्ति गलियों में बिना मास्क के दिखाई दिया तो उससे भी निर्धारित जुर्माना वसूला जाएगा ।

किराना दुकान पर एसडीएम ने छापा मारकर वसूला जुर्माना:- सण्डीला (हरदोई)। नगर के उन्नाव रोड स्थित एक किराना की दुकान मालिक द्वारा मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टनसिंग की सूचना पर एसडीएम ने छापेमारी कर एक हजार रुपये का जुर्माना वसूला। एसडीएम मनोज कुमार श्रीवास्तव को शिकायत मिली कि उन्नाव रोड पर एक परचून की दुकान वाला मास्क न लगा कर दुकानदारी करता है और न ही सोशल डिस्टनसिंग का ख्याल रख रहा है उक्त शिकायत पर एसडीएम मनोज कुमार श्रीवास्तव नायब तहसील दार भीम चन्द्र ईओ नपाप संडीला वीरेंद्र प्रताप सिंह बस अड्डा चौकी प्रभारी आदित्य कुमार मौर्य उन्नाव रोड स्थित रिंकू किराना स्टोर की दुकान पर छापेमारी कर दुकान मालिक रामशंकर पुत्र रामनाथ से मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टनसिंग न करने पर एक हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया। एसडीएम मनोज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि यदि किसी दुकानदार की इस तरह की शिकायत आती है तो उक्त दुकानदार के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी दुकानदारों को मास्क लगाना एवं सोशल डिस्टनसिंग का अवश्य ख्याल रखें। एसडीएम मनोज श्रीवास्तव ईओ वीरेंद्र प्रताप सिंह नायाब तहसीलदार भीमचंद्र सहित नगर पालिका का स्टाफ व पुलिस कर्मचारी मौजूद रहे।

ध्वस्त हुआ तेल बाजार

कोरोना महामारी के चलते दुनियाभर के लोग घरों में बंद हैं। तेल की मांग काफी घट गई है। इसी बीच अमेरिकी कच्चे तेल की कीमतें इतिहास में पहली बार शून्य से भी नीचे पहुंच गई हैं। यह गिरावट का सबसे निचला स्तर है। हालात ऐसे हो गए हैं कि अमेरिका अब खरीददारों को पैसे देकर तेल खरीदने की गुहार लगा रहा है। यह तो वह हालत हो गई कि कोई घर का सामान भी दे और माल उठाने के लिए पैसे भी दे। तेल खरीददारों को डर है कि तेल नहीं बिका तो उसकी भंडारण करने की समस्या बढ़ेगी। वैस्ट टैक्सस इंटरमीडिएट, जिसे अमेरिकी तेल का बेंच मार्क माना जाता है, में कीमत गिरकर माइनस 37.63 डालर प्रति बैरल हो गई है। तेल की कीमतों को लेकर सऊदी अरब और रूस में चली जंग तो पिछले दिनों खत्म हो गई थी लेकिन अब तेल बाजार में कोहराम मच गया। दुनिया के पास फिलहाल इस्तेमाल की जरूरत से ज्यादा कच्चा तेल है। यह एक पुराना सिद्धांत है कि जब भी किसी चीज की आपूर्ति बहुत ज्यादा हो जाती है तो उसके दाम गिर जाते हैं लेकिन कोरोना वायरस ने बाजारों पर इतना जबरदस्त प्रभाव डाला कि सब-कुछ ठप्प होकर रह गया है। कोरोना महामारी से बाहर आने के बाद भी दुनिया में तेल की मांग धीरे-धीरे बढ़ेगी लेकिन हालात सामान्य होने में लम्बा समय लग सकता है। कोरोना वायरस ने अमेरिका को इस कदर जकड़ लिया है कि वहां लाशों के अम्बार लगने लगे हैं। चारों तरफ हताशा का माहौल है। अमेरिकी तेल की कीमतों में गिरावट का भारत को कोई ज्यादा फायदा नहीं मिलने वाला क्योंकि भारत अपनी जरूरतों का 80 फीसदी तेल खाड़ी देशों से खरीदता है और बाकी लंदन ब्रेंट क्रूड तथा अन्य का होता है। मार्च के दूसरे सप्ताह में भी तेल की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में कमी आई थी। ब्रेंट क्रूड के दाम अब भी 20 डालर से ऊपर बने हुए हैं। भारत को प्रति बैरल कच्चे तेल के लिए पहले 3567.45 रुपए खर्च करने पड़ते थे जो तेल की कीमतों में 30 फीसदी कटौती के बाद 2200 से 2400 रुपए प्रति बैरल खर्च करने पड़ते थे। वर्ष 2020 की शुरूआत में 67 डालर प्रति बैरल यानी 30.08 रुपए प्रति लीटर थी जो मार्च में घटकर 38 डालर प्रति बैरल यानी 17.79 रुपए प्रति लीटर रह गई। इसमें कोई संदेह नहीं कि तेल की कीमतों में कटौती का फायदा भारत को मिल रहा है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जब कच्चे तेल की कीमत एक डालर गिरती है तो वार्षिक आधार पर भारत के आयात बिल में 29 हजार करोड़ डालर की कमी आती है। भारत दुनिया का तीसरे नम्बर का सबसे बड़ा तेल आयातक है। भारत में प्रति वर्ष 26 हजार करोड़ टन के लगभग कच्चा तेल 23 परिशोधन कारखानों में परिशोधित होता है। जब-जब तेल की कीमतें गिरीं उसका लाभ भारत के उपभोक्ताओं को नहीं मिल रहा। केन्द्र सरकार ने उत्पाद शुल्क बढ़ा कर तेल की कीमतों को पूर्व स्तर पर ही रखा। कोरोना से भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। कोरोना वायरस से निपटने के लिए काफी धन खर्च हो रहा है। सरकार गरीबों, दिहाड़ीदार मजदूरों, किसानों, उद्योगों के लिए करोड़ों रुपए के पैकेज दे रही है। मजदूरों के जनधन खातों में पांच-पांच सौ रुपए डाले जा रहे हैं। सरकार को इस समय कहीं से भी राजस्व नहीं मिल रहा। राज्य सरकारें केन्द्र से मदद मांग रही हैं। सरकार के खजाने में अगर अन्तर्राष्ट्रीय तेल की कीमतों में कटौती से बढ़ौतरी हो रही है तो यह धन कोरोना वायरस को पराजित करने के लिए ही खर्च होगा। कोरोना महामारी के बीच अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में कटौती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक वरदान की ही तरह है। रुपए को फायदा होता है, डालर के मुकाबले उसमें मजबूती आती है और महंगाई काबू में आती है। भारत को तेल की कीमत अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा डालर में चुकानी पड़ती है। तेल की कीमतों में कटौती से विदेशी मुद्रा भंडार पर अधिक बोझ नहीं पड़ा। भारत अपनी बास्केट में अधिक तेल रखकर भविष्य के प्रति निश्चित हो सकता है। कोरोना संकट के बीच ऐसी मांग उठ रही है कि भारत के गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों के खाते में सीधे पांच-पांच हजार रुपए डाले जाएं। सरकार को अगर तेल आयात बिल में कई हजार करोड़ की बचत हो रही है तो सरकार को 30-40 लाख परिवारों को पांच-पांच हजार रुपए देने से भी कोई फर्क नहीं पड़ेगा और भारत संकट की घड़ी में भी खड़ा रहेगा। दूसरा पहलु यह भी है कि तेल की कीमत एक लीटर पानी की बोतल से भी कम होने पर उन देशों की अर्थव्यवस्था ध्वस्त होने का खतरा बढ़ गया है जिनकी अर्थव्यवस्था का आधार ही तेल है। अगर तेल उत्पादक देशों की अर्थव्यवस्था लुढ़कती है तो भी भारत इसके प्रभाव से अछूता नहीं रहेगा। यह सही है कि तेल की कीमतें घटने से ही सरकारी योजनाओं के लिए भारी-भरकम धन तो मिलता है लेकिन भारत अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाव से बच नहीं सकता।

यह एक पुराना सिद्धांत है कि जब भी किसी चीज की आपूर्ति बहुत ज्यादा हो जाती है तो उसके दाम गिर जाते हैं लेकिन कोरोना वायरस ने बाजारों पर इतना जबरदस्त प्रभाव डाला कि सब-कुछ ठप्प होकर रह गया है। कोरोना महामारी से बाहर आने के बाद भी दुनिया में तेल की मांग धीरे-धीरे बढ़ेगी लेकिन हालात सामान्य होने में लम्बा समय लग सकता है। कोरोना वायरस ने अमेरिका को इस कदर जकड़ लिया है कि वहां लाशों के अम्बार लगने लगे हैं। चारों तरफ हताशा का माहौल है। अमेरिकी तेल की कीमतों में गिरावट का भारत को कोई ज्यादा फायदा नहीं मिलने वाला क्योंकि भारत अपनी जरूरतों का 80 फीसदी तेल खाड़ी देशों से खरीदता है और बाकी लंदन ब्रेंट क्रूड तथा अन्य का होता है।

आज का राशिफल

मेषः- दुविधाओं का त्याग कर सही एवं स्वच्छ योजनाओं पर केंद्रित हों। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय संभव। संतान संबंधित दायित्व पूर्ण होंगे।

बृषभः- शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार हैं। पुराने संबंधों से लाभ संभव। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः- कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता से नये उत्साह का संचार होगा। कठिन एवं विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कर्कः- हंसमुख व मजाकिया स्वभाव से आसपास के वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे। कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकट संबंधों में अपेक्षाएं कष्टकारी होंगी।

सिंहः- सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव किंतु निराशावादी विचारों को मन नें स्थान न दें।

कन्याः- कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होंगी। नकारात्मक चिंताओ को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। राजनीति से जुड़े लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

तुलाः- नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का एहसास होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। पारिवारिक वातावरण सुखद होगा।

वृश्चिकः- तामसी व गैर सांस्कारिक कायरें की ओर आकर्षित मन पर अंकुश लगायें। कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों का सहयोग प्राप्त होगा।

धनुः- घरेलू दायित्वों के प्रति सक्रियता से आपकी महत्ता बढ़ेगी। सगे-संबंधों में व्यवहार कुशल बने। सामाजिक एवं मांगलिक कायरे में आपकी भागेदारी संभव। निकट संबंधों में निकटता बढ़ेगी।

मकरः- नौकरी-पेशे में अधिकारियो एवं सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। नवीन आशाएं नये उत्साह का संचार करेंगी। आलस्य न करें।

कुंभः- कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा। अंतमरुखी स्वभाव को त्याग बाह्यमुखी बनायें। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी।

मीनः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे। शिक्षा में समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन चिंतित होगा।

मेक इन इंडिया का मंत्र ही बचायेगा

कोरोना भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जीवित कर सकता है, अगर बेरोजगार मजदूरों को वैकल्पिक रोजगार दिये जायें. हर प्रकार के वायरस का समाधान विटामिन एम (मनी) है. जब तक प्रत्येक व्यक्ति को नियमित आय सुनिश्चित नहीं की जाती है, तब तक इस दैत्य से सफलतापूर्वक लड़ा और परास्त नहीं किया जा सकता है. हालांकि, मानवतावादी रूप से यह स्वीकार्य नहीं लगे, भारत की आध्यात्मिक क्षमता महामारी को ईश्वरप्रदत्त तत्व बना सकती है और 'मेक इन इंडिया' के मंत्र को पुनर्जीवित कर सकती है. भारतीय भावना में ऐसे विचार के पैदा होने की कामना करें

बकौल ऑस्कर वाइल्ड, अप्रत्याशित का अनुमान आधुनिक बुद्धि को दर्शाता है. लेकिन आज ऐसा नहीं कर पाना आधुनिक बुद्धि का अभिशाप है. कोविड-19 के व्यापक संक्रमण से स्पष्ट है कि न केवल वैज्ञानिक, अकादमिक, अर्थशास्त्री और मेडिकल विशेषज्ञ इस आपदा का अनुमान लगा पाने में असफल रहे, बल्कि उनके नकली प्रतिभावान भी प्रभावी नुस्खे को खोजने में अक्षम रहे. अखबारों और टीवी चौनलों पर कॉर्डियोलॉजिस्ट विरोलॉजिस्ट बन गये, अर्थशास्त्री मानसिक तनाव पर बात कर रहे हैं और त्वचा रोग विशेषज्ञ सांस की तकलीफपर ज्ञान दे रहे हैं. यहां तक कि पैथलैब के मालिक बुद्धि विशेषज्ञ के तौर पर इडियट बॉक्स में आकर बीमारी की रोकथाम और इलाज के उपाय सुझा रहे हैं. व्यवसायों, मेडिकल और राजनीति की शोरगुल से भारी आवाजें बता रही हैं कि संस्थाएं मौजूदा संकट और भविष्य की चुनौतियों के सामने असफल रही हैं. यह अजीब है कि महामारी की भविष्यवाणी करनेवालों की संख्या अधिक है. इसमें अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज बुश और बिल गेट्स भी शामिल हैं. भारत में एक दस वर्ष के योगी से लेकर कई वाचाल राजनेताओं ने संक्रामक बीमारी की आपदा का पूर्वानुमान लगाने का दावा किया है. लेकिन, इनमें से किसी बौद्धिक ने निदान का उपाय नहीं सुझाया. लाखों डॉलर का अनुदान देनेवाले बिल गेट्स और उनके फाउंडेशन ने कोरोना वैक्सीन के लिए किसी टीम को राशि नहीं प्रदान की. क्यों नहीं कॉरपोरेट लीडर और हॉर्वर्ड से पढ़े उद्यमियों ने उनके भाषण की चेतावनी को समझा और शोध व विकास के लिए दरियादिली दिखायी. बुश ने अपने संस्थान के माध्यम से प्रयोगशालाओं को सहायता मुहैया क्यों नहीं करायी? राजनेता और दिग्गज ही नहीं, कई गल्प लेखकों और मनोरंजन जगत के उद्योगपतियों के लिए वायरस व्यावसायिक खुराक है. सार्स और स्वाइन फ्लू बीमारी की पूर्व चेतावनियों ने भी लालची दवा कंपनियों को भी भविष्य में निवेश के लिए बाध्य नहीं किया. वे बीमारी में भी धन उगाहती रहीं. सरकारों और संस्थाओं द्वारा चंद्रमा पर मानव को भेजने, जासूसी और व्यावसायिक उपग्रहों को लांच करने के लिए बेशुमार धन खर्च किया जाता है. हथियारों को इकट्ठा करने, विलासिता पूर्ण वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति, शेयर बाजारों में हेराफेरी को बढ़ावा देने, असफल कारोबारियों के कर्ज माफी में बड़ी धनराशि खर्च की जाती है. राजनीति में भी अथाह खर्च होता है. इन सभी खर्चों का भार जनता पर होता है. ज्यादातर देशों में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता में शामिल नहीं है. भारत और कई अन्य देश सार्वजनिक स्वास्थ्य पर अपने जीडीपी का दो प्रतिशत से भी कम खर्च करते हैं. मेडिकल शोध पर भी पर्याप्त खर्च नहीं किया जाता है. हो सकता है कि कोविड-19 की त्रासदी से नहीं बचा जा सकता था, लेकिन अग्रिम शोध प्रोटोकॉल और सामाजिक ढांचे को मजबूत बनाकर बड़े नुकसान को कम किया जा सकता था. आज दवाओं, मास्क, जांच किट, वेंटिलेटर और व्यक्तिगत सुरक्षा किट की बहुत कमी है. कई देशों में प्रारंभिक जांच किट तैयार करने में दो से तीन हफ्तों का समय लग रहा है. वर्तमान में वायरस के कारण हाशिये पर गये लोगों और उद्यमियों को अस्थायी तौर पर आर्थिक राहत देने पर जोर दिया जा रहा है. अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप और चीन जैसे समृद्ध देश राहत के लिए अपनी जीडीपी का 10 से 15 प्रतिशत तक आवंटित कर रहे हैं. वे अर्थव्यवस्था के घाटे के सिद्धांत को दरकिनार कर आमजन को उबारने में जुटे हैं. इस बीच भारत ने वायरस के खिलाफलड़ाई के लिए अलग रास्ता चुना है. अभी संक्रमण के लगभग 17 हजार मामलों के साथ भारत इस हालात से निपटने में बेहतर स्थिति में है. हालांकि उद्यमों को आर्थिक राहत देने में रुढ़िवादी सरकार ने वायरस के संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए संपूर्ण लॉकडाउन के मॉडल को सफलतापूर्वक लागू किया है. इस तालाबंदी से वायरस के फैलने का ग्राफ भले रुक जाये, लेकिन निम्न और मध्यम वर्ग पर इसके आर्थिक नुकसान का ध्यान नहीं दिया गया है. देश के कई हिस्सों में ढाई करोड़ से अधिक प्रवासी फंसे हुए हैं. आवास और अन्य आवश्यक सुविधाओं के अभाव में घिरे लोगों ने सबसे पहले आवाज मुखर की. सरकारी से एनजीओ तक लगभग सभी एजेंसी मुफ्त खाद्यान्न वितरण कर रही हैं. इस उदारता के बावजूद मजदूरों को पैदल ही अपने शहरी आवास को छोड़ने से रोका नहीं जा सका. अपने गांवों तक पहुंचने के लिए इन मजदूरों ने 500 किलोमीटर तक पैदल सफर किया. यहां तक कि राजनेताओं, अफसरों और समझदार लोगों ने कोरेंटिन का उल्लंघन किया. बड़ी संख्या में धार्मिक भीड़, विवाह समारोह और यहां तक राजनीति जुटान, यह मानकर की गयी है कि समस्या उनकी नहीं, किसी और की है. इससे स्पष्ट है कि भारत कोरोना समस्या को हल करने में अपने विशिष्ट सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक पहचान को छोड़ने में सक्षम नहीं है. विदेशों से प्रशिक्षित गरीबी विशेषज्ञ अर्थशास्त्री अधिशेष खाद्य भंडार को लोगों में मुफ्त वितरण करने का सुझाव दे रहे हैं. वे भारत के जमीनी यथार्थ से कटे हुए हैं, वे भूल जाते हैं कि गरीबों को दवाओं, कपड़ों, स्थानीय यातायात, किराये के मकान, स्कूल की फीस आदि के लिए पैसा चाहिए. स्वास्थ्य विशेषज्ञ दवाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और वे शायद ही भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर परेशान होते हैं. भविष्य को ध्यान में रखते हुए आज की बेहतरी के लिए भारत को एक आर्थिक मॉडल की जरूरत है. कोरोना भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को जीवित कर सकता है, अगर बेरोजगार मजदूरों को वैकल्पिक रोजगार दिये जायें. हर प्रकार के वायरस का समाधान विटामिन एम (मनी) है. जब तक प्रत्येक व्यक्ति को नियमित आय सुनिश्चित नहीं की जाती है, तब तक इस दैत्य से सफलतापूर्वक लड़ा और परास्त नहीं किया जा सकता है. हालांकि, मानवतावादी रूप से यह स्वीकार्य नहीं लगे, भारत की आध्यात्मिक क्षमता महामारी को ईश्वरप्रदत्त तत्व बना सकती है और 'मेक इन इंडिया' के मंत्र को पुनर्जीवित कर सकती है. भारतीय भावना में ऐसे विचार के पैदा होने की कामना करें.

अगली सदी एशिया की

जियप को 1954 के डियन बियन फूके युद्ध में फ्रांस पर एनवीए के ऐतिहासिक जीत का श्रेय दिया जाता है. लेकिन, दंग ही थे, जिन्होंने जियप के सहयोगी के तौर पर फ्रांसीसी सेना पर हमले की अगुवाई की थी और फ्रांस के दो मशहूर जनरलों क्रिश्टियन डि कैस्ट्रीज और हेनरी नवारे को परास्त किया था.सैन्य इतिहासकार इसे 20वीं सदी के सबसे महानतम युद्धों के तौर पर देखते हैं. बर्नार्ड फ ाल ने अपने नाटक 'हेल इन ए वेरी स्माल प्लेस' में इस युद्ध का वर्णन किया है. इसने यूरोपीय उपनिवेशवाद के युग के अंत का संकेत दिया, जैसा संकेत भारत की स्वतंत्रता ने दिया था. लेकिन, डंग के सबसे बड़े युद्ध का आना भी बाकी था. साल 1975 के वसंत में उन्होंने दक्षिण वियतनाम सेना के खिलाफअंतिम आक्रमण का नेतृत्व किया, जिससे साइगॉन से अमेरिकियों की हड़बड़ाहट में वापसी और वियतनाम के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ. न मैकऑर्थर, न जॉर्ज पैटन, न वर्नार्ड मांटेगोमरी या यहां तक कि जुखोव या चुइकोव भी उस स्तर के रिकॉर्ड का दावा नहीं कर सकते हैं. एक बार एक भारतीय समाचार पत्रिका ने एक भारतीय जनरल का महिमामंडन किया था, गुदेरियन के डंके जैसा बखान, रोमेल की रणनीतिक प्रतिभा और मैकऑर्थर के नेतृत्व गुणों से तुलना की गयी थी, यह सब उस आदमी का बखान किया गया था, जिसने भारतीय सेना को स्वर्ण मंदिर में दाखिल किया और बाद में श्रीलंका में ले गये

आशा है कि यह एशिया की सदी होगी, जहां विश्व के सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) का संतुलन बदलेगा. अभी लगभग एक-तिहाई की हिस्सेदारी है, जो अनुमान है कि 2050 तक आधे से अधिक हो जायेगी. विश्व जीडीपी में 1950 में यह आंकड़ा पांच प्रतिशत से भी कम था. आर्थिक उन्नति के साथ भू-राजनीतिक ताकत भी आती है. इतिहास में यह बदलाव निर्धारक क्षणों द्वारा दर्ज होता है. उनसे प्रेरणा लेने के लिए हमें सबसे पहले के ऐसे निर्धारक पलों को देखना चाहिए. एशिया का पहला निर्धारक क्षण 14 मई, 1905 को घटित हुआ, जब बिलकुल नये मिकासा युद्धपोत के साथ एडमिरल टोगो हीहैचिरो की अगुवाई वाली जापानी नौसेना फ्लोटिल्ला ने एडमिरल रोजेस्ट्वेन्स्की की अगुवाई वाले रूसी बेड़े को नष्ट कर दिया था. माना जाता है कि पहली बार किसी एशियाई देश ने यूरोपीय शक्ति को परास्त किया था. लेकिन, यह पूर्ण रूप से सच नहीं है. इससे सालभर पहले जापानियों ने पोर्ट ऑर्थर पर रूसी बेड़े पर हमला किया था, जिसमें रूस के कई युद्धपोत नष्ट हो गये थे.एक अन्य निर्णायक क्षण रहा, जब जनरल वान तियन दंग के नेतृत्व में वियतनामी सेनाओं ने 1954 में दियन बियन फू में फ्रांस को हराया. दंग संभवतः पिछली सदी के महानतम सेनापतियों में रहे, लेकिन वे वियतनामी थे और इतिहास उनके साथ कभी उदार नहीं होगा, जितना कि वह पश्चिमी सैन्य नायकों के लिए है, जिन्होंने अपेक्षाकृत बहुत कम हासिल किया है. उनके खुद के देश में उनके वरिष्ठ और प्रसिद्ध वो गुएन जियप के मुकाबले उतना महत्व नहीं मिला. वो गुएन जियप वियतनाम के और बाद में उत्तरी वियमनाम सेना के प्रमुख और रक्षा मंत्री रहे. जियप को 1954 के डियन बियन फू के युद्ध में फ्रांस पर एनवीए के ऐतिहासिक जीत का श्रेय दिया जाता है. लेकिन, दंग ही थे, जिन्होंने जियप के सहयोगी के तौर पर फ्रांसीसी सेना पर हमले की अगुवाई की थी और फ्रांस के दो मशहूर जनरलों क्रिश्टियन डि कैस्ट्रीज और हेनरी नवारे को परास्त किया था.सैन्य इतिहासकार इसे 20वीं सदी के सबसे महानतम युद्धों के तौर पर देखते हैं. बर्नार्ड फाल ने अपने नाटक 'हेल इन ए वेरी स्माल प्लेस' में इस युद्ध का वर्णन किया है. इसने यूरोपीय उपनिवेशवाद के युग के अंत का संकेत दिया, जैसा संकेत भारत की स्वतंत्रता ने दिया था. लेकिन, डंग के सबसे बड़े युद्ध का आना भी बाकी था. साल 1975 के वसंत में उन्होंने दक्षिण वियतनाम सेना के खिलाफ अंतिम आक्रमण का नेतृत्व किया, जिससे साइगॉन से अमेरिकियों की हड़बड़ाहट में वापसी और वियतनाम के एकीकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ. न मैकऑर्थर, न जॉर्ज पैटन, न वर्नार्ड मांटेगोमरी या यहां तक कि जुखोव या चुइकोव भी उस स्तर के रिकॉर्ड का दावा नहीं कर सकते हैं. एक बार एक भारतीय समाचार पत्रिका ने एक भारतीय जनरल का महिमामंडन किया था, गुदेरियन के डंके जैसा बखान, रोमेल की रणनीतिक प्रतिभा और मैकऑर्थर के नेतृत्व गुणों से तुलना की गयी थी, यह सब उस आदमी का बखान किया गया था, जिसने भारतीय सेना को स्वर्ण मंदिर में दाखिल किया और बाद में श्रीलंका में ले गये. उन्होंने स्पष्ट रूप से वान तियन दंग के बारे में नहीं सुना था.अमेरिकी सैन्य इतिहासकार युजीन ग्रेसन ने वान तियन दंग को युद्ध के महान सेनानायकों की श्रेणी में रखा है, जिसमें वेलिंगटन और रोमेल शामिल हैं. वे वियतनाम में रहे और दंग की रणनीतिक और सामरिक प्रतिभा, लड़ाई की क्षमता एवं उनकी नेतृत्व वाली सेना की क्रूरता ने उन्हें जीवनभर के लिए डरा दिया था. उनके अन्वेषण योग्यता को ऐसे भी परखा जा सकता है कि फील्ड आर्टिलरी को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटकर दियन बियन फूके पहाड़ियों पर लाया गया और फिर उन्हें जोड़कर फ्रांसीसियों पर धावा बोला गया. फ्रांसीसी जनरलों ने फैसला किया था कि पहाड़ियों में दाखिल होना असंभव है और तोपों से हमला होने का डर नहीं रहेगा. वह कितना गलत साबित हुए! अमेरिकियों में एक महान गुण है कि वे विजेताओं के प्रति उदार होते हैं. वे महानता को स्वीकार करते हैं. जब दंग का निधन हुआ, तो लगभग प्रत्येक अमेरिकी अखबार ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी. दंग अकादमियों में नहीं गये थे और उन्हें महान जियप द्वारा चुना गया था.जब द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान की हार का बदला कोनोसुके मत्सुशिता ने चाहा, तो उन्होंने एक उद्यम खड़ा कर दिया, जिसने अमेरिकी इलेक्ट्रॉनिक उद्योग का सफाया कर दिया. उन्होंने अपने देशवासियों से कहा कि हमारे साथ जो हुआ, वह फिर कभी नहीं होना चाहिए. हमें फिर कभी पीछे नहीं हटना चाहिए. मत्सुशिता का पहला अमेरिकी अधिग्रहण अमेरिका की मशहूर टेलीविजन निर्माता जेनिथ था और मत्सुशिता ने फिर इसे बंद कर दिया. अकियो मोरिता ने उनका अनुसरण किया और टोयटा, होंडा, निसान आदि बना दिया. जापानी पुनरुत्थान का श्रेय उनके विचार को जाता है, जो उनकी नियति को प्रकट करता है. उसे अनमेई कोरुताई कहते हैं, यह उस धारणा को साकार करने का राष्ट्रीय संकल्प है. यह भाव दक्षिण एशिया को छोड़कर पूरे एशिया में फैला है. वास्तव में हम अपवाद ही हैं. हम इतिहास का अध्ययन नहीं करते और जब करते हैं, तो इसको गलत ही पढ़ते हैं.

हमारी शिक्षा व्यवस्था की विडंबना

उन्होंने वर्तमान में कोविड-19 के संदर्भ में १ऑनलाइन शिक्षाश् को शिक्षा का पर्याय नहीं माना है। और यह है भी नहीं। १ऑनलाइन शिक्षाश् शिक्षण की एक आधुनिक तकनीक है, पद्धति नहीं। उनका ऐसा सोचने का पर्याप्त कारण भी है। कुशल शिक्षक, सुदूर ग्रामीण संस्थाओं में कम्प्यूटर एवं इंटरनेट जैसे अधोसंरचना का पूर्णतरू अभाव। यह सुखद संयोग है कि देशबन्धु के नियमित कलेवर पावन प्रसंग में अखंड ज्योति से प्रेरित शिक्षा को जीवन का शाश्वत मूल्य माना है। इसमें अनुचित साधनों का प्रयोग- शार्टकट- जैसे विकल्पों का अभाव रहता है। शिक्षित व्यक्ति में सुसंस्कृत आचरण, दुनिया के साथ कदम मिलाकर विकास करने की प्रवृत्ति होना चाहिए ताकि वह आने वाली कठिनाइयों से संघर्ष कर अपने आपको स्थापित कर सके। ज्ञान की अनिवार्यता हमेशा बनी रहती है और यह मन को आत्मा से जोड़ती है ताकि इंद्रियों का भटकाव न हो सके और हम सद्भाव जनित सोच को पैदा कर सकें। यही हमारे जीवन का लक्ष्य है- सुख, संतोष और शांति। शास्त्रों में हमारे चार पुरुषार्थ माने गए हैं। ये हैं- अर्थ, धर्म, कार्य, मोक्ष।

हमारा शिक्षातंत्र विश्व में अमेरिका और चीन के बाद सबसे बड़ा होने के बाद भी यह विडंबना ही है कि हमारा कोई भी शिक्षा संस्थान-यहां तक कि आईआईटी, आईआईएम आदि भी विश्व स्तर के सौ संस्थानों में अपना स्थान नहीं बना सके हैं। केंद्र शासन ने उच्च शिक्षातंत्र में सुधार करते हुए देश भर में विश्वस्तरीय और विविध विषयों पर आधारित उच्च शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण का लक्ष्य रखा है। शिक्षा का विकास एक समान शिक्षा नीति होने पर बेहतर होता है परन्तु हमारी शिक्षानीति में केंद्र राज्यों पर कोई भी पाठ्यक्रम नहीं थोप सकता! तथापि एक सम्यक, समावेशी, सुदृढ़, समग्र एवं संतुलित पाठ्यक्रम का सृजन आवश्यक है। शिक्षा के विकास में पाठ्यक्रमों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, जिसकी समीक्षा तीन-चार वर्षों के अन्तराल में होते रहना चाहिए ताकि विकास के साथ कदम मिलाकर चला जा सके। यहां शिक्षा के उद्देश्यों पर चर्चा करना अप्रासंगिक नहीं होगा। आज हमारी शिक्षा का उद्देश्य पद, प्रतिष्ठा और पैसा कमाना हो गया है। यह समग्र नहीं है। शिक्षा जीवन का शाश्वत मूल्य है जो जीने की कला सिखाती है। समाज की सभ्यता एवं सुसंस्कृत आचरण इसकी पहचान है तथा विषय ज्ञान के साथ-साथ देश के विकास से कदम मिलाकर एवं परिस्थितियों की विषमता का सामना कर सके ऐसा सामर्थ्य पैदा करना इसका उद्देश्य होना चाहिए। यदि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा हो और युनेस्को के 5 लाख कमेटी के रिपोर्ट के अनुसार हो, तभी प्रभावी हो सकती है। हमारे प्राचीन भारत में योग, आयुर्वेद जैसे पुरातन भारतीय विज्ञान है जिन्हें आधार माना जाए तो आज भी हमारी गिनती अग्रणी शिक्षण संस्थाओं में हो सकती है। विकास के लिए विषयज्ञान के साथ नवाचार या शोधपरक शिक्षा आवश्यक है और शोध में हम अन्य देशों से काफी पीछे हैं, जो हमारे शिक्षण संस्थानों का स्तर नहीं बना पाती। 16 अप्रैल के देशबन्धु में अपने प्रमुख लेख संपादकीय में ललित सुरजन ने भी प्रश्नानुकूलता एवं जिज्ञासावृत्ति को बढ़ावा देने वाली शिक्षा की आवश्यकता बताई है। उन्होंने वर्तमान में कोविड-19 के संदर्भ में १ऑनलाइन शिक्षाश् को शिक्षा का पर्याय नहीं माना है। और यह है भी नहीं। १ऑनलाइन शिक्षाश् शिक्षण की एक आधुनिक तकनीक है, पद्धति नहीं। उनका ऐसा सोचने का पर्याप्त कारण भी है। कुशल शिक्षक, सुदूर ग्रामीण संस्थाओं में कम्प्यूटर एवं इंटरनेट जैसे अधोसंरचना का पूर्णतरू अभाव। यह सुखद संयोग है कि देशबन्धु के नियमित कलेवर पावन प्रसंग में अखंड ज्योति से प्रेरित शिक्षा को जीवन का शाश्वत मूल्य माना है। इसमें अनुचित साधनों का प्रयोग- शार्टकट- जैसे विकल्पों का अभाव रहता है। शिक्षित व्यक्ति में सुसंस्कृत आचरण, दुनिया के साथ कदम मिलाकर विकास करने की प्रवृत्ति होना चाहिए ताकि वह आने वाली कठिनाइयों से संघर्ष कर अपने आपको स्थापित कर सके। ज्ञान की अनिवार्यता हमेशा बनी रहती है और यह मन को आत्मा से जोड़ती है ताकि इंद्रियों का भटकाव न हो सके और हम सद्भाव जनित सोच को पैदा कर सकें। यही हमारे जीवन का लक्ष्य है- सुख, संतोष और शांति। शास्त्रों में हमारे चार पुरुषार्थ माने गए हैं। ये हैं- अर्थ, धर्म, कार्य, मोक्ष। अगर शिक्षा का उद्देश्य और ज्ञान प्रसार इसी आधार पर किया जाए तो शिक्षा की उपादेयता बनी रह सकती है। अर्थ का मतलब है, दिन-प्रतिदिन के जीवनयापन के लिए धन की उपयोगिता व उपार्जन। रोजगारोन्मुखी शिक्षा इसी के अंतर्गत आ सकती है। धर्म का अर्थ- नैतिक शिक्षा, नीतिसम्मत अर्जित धन और कार्य ही हमें परिपच् बनाते हैं। तीसरा पुरुषार्थ कार्य- अच्छा एवं स्वस्थ परिवार, सुसंस्कृत समाज व उनसे संबंध, ललित कला आदि की शिक्षा भी इसमें सम्मिलित होते हैं। व्यवसायिक, न्यायालयीन, तकनीकी, चिकित्सा शिक्षा आदि भी इसमें जोड़े जा सकते हैं। यह हमारे शिक्षा के आधार या उद्देश्य की चर्चा इन पर परस्पर विचारों के आदान-प्रदान से परिष्कृत रूप दिया जा सकता है। अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए हमें अपनी ताकत, कमजोरियों, साधन सोच एवं आवश्यकताओं को आधार बनाना जरूरी है।

जब विश्वस्तर के शिक्षण संस्थाओं का निर्माण उद्देश्य हो और हमारी संस्कृति, योग, आयुर्वेद को बढ़ाते हुए कार्य करें तो कोई भी हमारा मुकाबला शायद ही कर सके। हमारी प्राचीन संस्कृति में आज के अस्त्र-शस्त्रों की झलक मिलती है। ऑनलाइन शिक्षण निजी छात्र को बेहतर मार्गदर्शन देने जैसा है। परन्तु इससे अन्य गतिविधियों जैसे खेलकूद, ललित कला, कृषि उत्पादकता आदि में भाग न लें तब तक उसका सर्वांगीण विकास नहीं हो सकता। हमारी शिक्षा प्रणाली को प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक महाविद्यालयीन एवं उच्च शिक्षा में बांटा गया है। आवश्यकता है, हर स्तर के लिए शिक्षा नीति, पाठ्यक्रम, प्रशिक्षित शिक्षक, अधोसंरचना, आकलन प्रक्रिया, शिक्षण कार्येतर गतिविधियां जैसे खेलकूद, योग आदि का निर्धारण कर योजना बनाई जाए और लागू की जाए। पाठ्यक्रमों का नियमित अंतराल पर समीक्षा कर के उन्हें अद्यतन (अपडेट) करना आवश्यक है। आइए, विश्व स्तरीय उन्नत शिक्षा संस्थानों की परिकल्पना कर उन्हें साकार करने में तन, मन और धन से प्रयास करें।

वरिष्ठ नागरिक अपना विशेष ध्यान रखें...

समय पर अपनी जरूरत की दवाइयों को लेना है। हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करनी है। हल्का खाना है, सफाई का ध्यान रखना है, रोज अच्छी तरह नहाना-धोना, साफकपड़े पहनने हैं, प्रभु का सिमरण करना है। जीवन में अनुशासन रखना है। हमारे सामने सबसे बड़ी मिसाल इस समय महाशय जी हैं जो सचमुच असली हीरो हैं। जिनका उदाहरण हमारे सभी या यूं कह लो देश-विदेश के वरिष्ठ्ठ नागरिकों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। अभी भी उनकी मिन्नत करनी पड़ती है कि आपकी बहुत जरूरत है। अपना ख्याल रखें, परन्तु अभी भी वह 97 की उम्र में अपने आपको 19 साल से कम नहीं समझते। बहुत मेहनती हैं। इस समय भी आर्यसमाज के लिए काम के लिए दिन-रात एक कर देते हैं।

पिछले दिनों हमारे प्रधानमंत्री ने जब सारे देश को सम्बोधित किया, दिशा-निर्देश दिये और 7 प्वाइंट का पालन करने की हाथ जोड़ कर प्रार्थना की जिनमें सबसे अहम और पहला प्वाइंट था अपने घर के बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें और बुजुर्ग अपना विशेष ध्यान रखें। हमारे वरिष्ठ नागरिक केसरी क्लब के सभी सदस्य इस पर बहुत खुश हुए। अगर देखा जाये तो प्रधानमंत्री ने इस पर इसलिए जोर दिया क्योंकि इस उम्र में इम्युनिटी बहुत कमजोर हो जाती है। जल्दी किसी भी बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। कोरोना तो इतनी भयंकर है कि किसी को भी नहीं छोड़ती करती। इसलिए सबको अपना विशेष ध्यान रखना है। समय पर अपनी जरूरत की दवाइयों को लेना है। हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करनी है। हल्का खाना है, सफाई का ध्यान रखना है, रोज अच्छी तरह नहाना-धोना, साफकपड़े पहनने हैं, प्रभु का सिमरण करना है। जीवन में अनुशासन रखना है। हमारे सामने सबसे बड़ी मिसाल इस समय महाशय जी हैं जो सचमुच असली हीरो हैं। जिनका उदाहरण हमारे सभी या यूं कह लो देश-विदेश के वरिष्ठ्ठ नागरिकों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। अभी भी उनकी मिन्नत करनी पड़ती है कि आपकी बहुत जरूरत है। अपना ख्याल रखें, परन्तु अभी भी वह 97 की उम्र में अपने आपको 19 साल से कम नहीं समझते। बहुत मेहनती हैं। इस समय भी आर्यसमाज के लिए काम के लिए दिन-रात एक कर देते हैं।

मेरे जीवन में जितना उन्होंने स्नेह, प्यार, और आदर दिया शायद किसी ने नहीं दिया। हमेशा मेरे सर पर हाथ रखते हैं और आगे बढने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। दूसरा इस उम्र में अमिताभ बच्चन, जो अनुशासन में रह कर लम्बी उम्र भोग रहे, लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं, पूरा सोशल डिस्टैंस रख रहे हैं और लोगों को हिदायत भी दे रहे हैं। साथ ही साथ मुझे आज सलमान खान का गीत भी सबको कहना है, गुनगुनाया और अमल करो...प्यार करो न एहतियात करो ना, ख्याल करो, सब्र करो ना, फिक्र करो, ऐतबार करो, सारे जहां से अच्छा हिन्दोस्ता हमारा...। कोरोना से बचने के लिए कुछ भी न करो ना ख्याल करो ना, मदद करो ना, इसको सीरियस लो मिल कर फाइट करो ना...

एडीएम और एएसपी ने एल-1 हॉस्पीटल सीएचसी बागवाला का किया औचक निरीक्षण

एटा। एडीएम विवेक मिश्रा और अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने गुरुवार को कोविड-19 एल-1 हॉस्पीटल सीएचसी बागवाला पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। दरअसल जिले में तीन कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद से प्रशाासन काफी सतर्क हो गया है और पॉजिटिव मरीजों को सीएचसी बागवाला पर रखा गया है। गुरुवार को एडीएम विवेक मिश्रा और एएसपी संजय कुमार ने बागवाला सीएचसी पहुंचकर औचक निरीक्षण किया और मरीजों की बेहतर देखभाल और खाने-पीने की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एडीएम विवेक मिश्रा और अपर पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने चिकित्सकों से हालत की जानकारी लेते हुए सावधानी बरतने के सख्त निर्देश दिए तथा मरीजों के खाने-पीने और रहने की व्यवस्था की जानकारी ली।

डीएम, एसएसपी ने क्वारेंटाइन सैंटर हेतु सीएमओ के साथ किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

एटा। डीएम सुखलाल भारती, एसएसपी सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अजय अग्रवाल, डीपीआरओ आलोक कुमार प्रियदर्शी के साथ क्वारेंटाइन सेंटर बनाये जाने हेतु कुछ स्थानों पर पहुंचकर जायजा लिया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम जवाहर लाल नेहरू डिग्री कॉलेज पहुंचकर देखा कि महाविद्यालय में पांच हॉल को क्वारेंटाइन सेंटर हेतु चिन्हित किया गया है, मौजूद प्राचार्य को निर्देश दिए कि विद्यालय को क्वारेंटाइन सेंटर हेतु उपयोग में लाया जा सकता है। विद्यालय में 100 मरीजों को क्वारेंटाइन होने पर समस्त आवश्यक सुविधाएं पूर्व से ही उपलब्ध करा दी जाएं। हॉल एवं शौचालयों की साफ सफाई कराई जाए, तदोपरान्त विद्यालय प्रांगण को सेनेटाइजन कराया जाएगा। इसके साथ ही डायट स्थित छात्रावास को भी चैक किया, जहां व्यवस्था ठीक न मिलने पर अतिशीघ्र ठीक कराये जाने के निर्देश दिए तथा आगरा रोड स्थित जेडएच डिग्री कॉलेज का भी क्वारेंटाइन सेंटर बनाये जाने हेतु निरीक्षण किया। जेडएच कॉलेज में व्यवस्थाएं समुचित पाये जाने पर डीएम, एसएसपी ने उक्त कॉलेज को क्वारेंटाइन सेंटर बनाने हेतु उपयोग में लाने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिए।

डीएम एसएसपी ने जनपद के निजी चिकित्सकों के साथ की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

एटा। जिलाधिकारी सुखलाल भारती और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह ने गुरुवार को निजी चिकित्सकों के साथ बैठक की तथा निजी चिकित्सकों के क्लीनिक, नर्सिंग होम आदि को नगर पालिका द्वारा सैनिटाइज कराया जाने के निर्देश दिए।

डीएम एसएसपी ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए निजी चिकित्सकों द्वारा चिकित्सीय सेवाएं बेहतर ढंग से सुचारू रखने की अपील करते हुए कहा किकोरोना वायरस की लड़ाई में जनपद के निजी चिकित्सकों का सहयोग सराहनीय होना चाहिए तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा निजी चिकित्सकों की मदद से स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक बेहतर की जाए।

मेडीकल स्टोर संचालक दवा खरीदने वाले व्यक्तियों की सूचना कन्ट्रोलरूम पर उपलब्ध कराएं

एटा। जिला मजिस्ट्रेट सुखलाल भारती एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व के क्रम में एडीएम प्रशासन विवेक कुमार मिश्र ने जनपद के समस्त मेडीकल स्टोर संचालकों को सूचित किया है कि संज्ञान में आया है कि इस समय लोग बहुतायत में बुखार, खांसी, सर्दी, गले के दर्द तथा सांस आदि से संबंधित बीमारियों हेतु बिना डाक्टर की सलाह, डाक्टर की सलाह से दवा क्रय कर रहे हैं, जिसके कारण संक्रमण बढ़ने की प्रबल संभावना है। एडीएम ने बताया कि कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं सावधानी बरते जाने के संबंध में समस्त मेडीकल स्टोर संचालकों को निर्देशित किया है कि उनके द्वारा एक रजिस्टर तैयार कर लें। यदि कोई व्यक्ति बुखार, खांसी, सर्दी, गले के दर्द अथवा सांस आदि से संबंधित दवा बिना डाक्टर की सलाह या डाक्टर की सलाह के बाद क्रय करता है तो उस व्यक्ति का नाम, पिता का नाम, पता, मोबाइल नम्बर रजिस्टर में अंकित करेंगे तथा उसके संबंध में सूचना जिला प्रशासन के कन्ट्रोलरूम नम्बर 05742234320, 05742234327 पर प्रत्येक दिवस सांय 7 बजे तक उपलब्ध कराने के साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी के मोबाइल नम्बर 8005192862 एवं औषधि निरीक्षक एटा के मोबाइल नम्बर 9411923953 पर व्हाट्सएप के माध्यम से प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। यदि मेडीकल स्टोर संचालक द्वारा कोई लापरवाही बरती जाती है तो मेडीकल स्टोर संचालक के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

कोटेदार पर मनमानी का आरोप, कौन करेगा जांच

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। एक तरफभारत एवं प्रदेश सरकार इस कोरोना महामारी के चलते लाक डाउन में कोई भी गरीब असहाय भूखा ना रहे उसके लिए तरह-तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं, वहीं दूसरी तरफराशन कोटेदार की तानाशाही रवैया के कारण असहाय गरीब कार्ड धारकों को राशन मिलना तो दूर की बात बदले में गाली गलौज मिलना आम बात हो गई है। इसके विरोध में महिला सभासद पति द्वारा जिला अधिकारी, उप जिलाधिकारी गोला, पूर्ति निरीक्षक से कोटेदार के विरुद्ध की गई शिकायत पर कार्यवाही होना दूर की बात किंतु शिकायत मजाक बनकर रह गई है।वार्ड नंबर 10 महिला सभासद पति उमाचरन ने भेजी गई शिकायत में कोटेदार पर आरोप लगाते हुए लिखा है कि वार्ड नंबर 10 के सस्ते राशन के कोटेदार के द्वारा अपने प्रभाव के चलते सहारा राशन खा लेने एवं राशन लेने जाने वाले गरीब तबका को गाली गलौज और धमकी देते हुए भगा देने का आरोप लगाते हुए डीएम एसडीएम एवं पूर्ति निरीक्षक से शिकायत करने के बावजूद कोटेदार की मगरमच्छ जैसी मजबूत पकड़ के चलते कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है।मालूम होगी केंद्र व प्रदेश की योगी सरकार लगातार गरीबों और असहाय वर्ग को भोजन, राशन व दवाई देने आदि तरह-तरह की योजनाएं ला रही है वही गोला के कोटेदार सरकार की मंशा के विपरीत सारा राशन खुद ही खा लेता हैं। कोटेदार की यह हरकत आज की नहीं है बल्कि काफी दिनों से जारी राशन कार्ड धारक गरीब जनता जब शिकायत करती है तो अधिकारी भी उसके नमसत्तक होते देखे जा रहे हैं। जबकि असहाय गरीब लोग अपना मन मसोस के चुप होते देखे जा रहे हैं। और इसी तरह मेहनत मजदूरी करके अपना राशन पानी अपने स्तर से जुड़ा कर किसी अपने बच्चों का पेट पालती देखी जा रही है। लार्ड डाउन के दौरान कोई भी मजदूर व गरीब बाहर ना तो कोई काम कर रहा है और केवल सरकारी राशन पर ही आश्रित है।

विहिप नेता राजू आर्य उतरे पत्रकारों के सहयोग में, वितरित की खाध सामग्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

एटा। वैश्विक महामारी कोरोनावायरस के चलते पूरे देश में लॉकडाउन लागू है ऐसे में चौथे स्तंभ कहे जाने वाले मीडियाकर्मियों के लिए सरकार की ओर से कोई सहायता उपलब्ध नहीं कराई गई है इसको लेकर मीडिया जगत में सरकार को लेकर नाराजगी साफ देखी जा सकती है। लेकिन जनपद एटा में कुछ समाजसेवी पत्रकारों की स्थिति को देखते हुए उनके सहयोग के लिए सामने आए हैं, इसी क्रम में विश्व हिंदू परिषद के जिलामंत्री रंजीत कुमार उर्फ राजू आर्य ने गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद एटा के शांतिनगर स्थित कार्यालय पर जरुरतमंद पत्रकारों को खाध सामग्री वितरित की। आर्य ने कहा कि इस मुश्किल वक्त में विश्व हिंदू परिषद पत्रकारों के साथ खड़ा है किसी हमारे पत्रकार भाई को किसी भी प्रकार की जरूरत हो तो वह बेझिझक मुझसे सम्पर्क कर सकते हैं मैं उनकी हर संभव मदद के लिए चौबीस घंटे तैयार रहूंगा।

इसके साथ ही राजू आर्य ने केन्द्र और प्रदेश सरकार से पत्रकारों की सहायता करने की अपील करते हुए कहा कि पत्रकार भी डॉक्टर, पुलिस की तरह बिना डरे कबरेज कर रहे हैं और सूचनाएं जनता और शासन तक पहुंचा रहे हैं तो उनका भी कम-से-कम बीस लाख रुपए का बीमा कराया जाए, जिससे उन्हें कुछ होता है तो उनके परिवार का भरण-पोषण सही तरीके से हो सके?। इस अवसर पर प्रांत समरसता प्रमुख रामौतार मिश्र, विभाग अध्यक्ष अरविंद चौहान, जिलाध्यक्ष विशनपाल सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष निलेश सोलंकी,जिला संयोजक देवेन्द्र लोधी, सचिन गुप्ता,अभिनव मिश्रा, संदीप यादव के अलावा अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

लॉक डाउन की धज्जियाँ उड़ा रहे सिंगाही राजा प्रताप विक्रम शाह इण्टर कॉलेज की प्रबंधन समिति सदस्य

सिंगाही-खीरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सशक्त नीतियों को उदासीन करने का एक विशेष मामला नगर पंचायत सिंगाही भेड़ौरा कस्बे के राजा प्रताप विक्रम शाह इण्टर कालेज से निकल कर सामने आया है। जिसमें प्रसाशन के इरादों को ताख पर रख कर राजा प्रताप विक्रम शाह इंटर कालेज की प्रबंधन समिति धज्जियां उड़ा रही है। शोसल डिस्टेंस का पालन न करते हुए प्रबंध समिति अपनी मनमानी कर रही है।

सिंगाही कस्बे के राजा प्रताप विक्रम शाह इण्टर कालेज में एक मामला सामने आया है जहाँ पर लॉक डाउन का उल्लंघन पुलिस के मुस्तैद होने के बावजूद भी शोशल डिस्टेंसिंग का मजाक बनाकर सफाई कर्मियों के सम्मान का आयोजन किया गया। जहाँ एक तरफ कोरोनावायरस की महामारी से लोग परेशान हैं वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भयानक महामारी को देखते हुए अपने पिता के अंतिम संस्कार में भी नहीं हुए शामिल राज्य धर्म को निभा रहे हैं और उनका पालन कर रहे हैं वही दूसरे सरकार द्वारा बन्दी आदेश के बाद भी प्रशासन की बिना अनुमति प्रशासन के इरादों को ताख पर रखकर खुला कॉलेज कोरोनावायरस को मजाक समझ कर रखा है जिसने लॉक डाउन की धज्जी उड़ाते हुए नजर आया कॉलेज प्रबंधन, जहाँ जिले को जागरूक करने के लिए शासन-प्रशासन हर सम्भव प्रयास किया जा रहा हैं, वहीं कॉलेज प्रशासन लॉक डाउन की धज्जियाँ उड़ाने से बाज नहीं आ रहा है।

कोटा राजस्थान से अपने घरों को भेजे गए विद्यार्थियों के साथ रास्ते में बरती गई लापरवाही से अभिभावक चिंतित

गोला गोकर्णनाथ-खीरी। चीनी कोरोना जांच किट के अनुप्रयुक्त घोषित होने के बाद कोटा राजस्थान से आए विद्यार्थियों के परिवार में हड़कंप मच गया है । कोटा में एलेन कोचिंग इंस्टिट्यूट की छात्रा देवांशी के पिता पत्रकार लोकेश कुमार गुप्त ने विद्यार्थियों की तत्काल पुनः जांच कराने की मांग की है। उन्होंने बताया कि 19 अप्रैल दोपहर से शाम तक उनकी बेटी सहित काफी विद्यार्थी कोटा से अलग-अलग बस से चले थे। इन विद्यार्थियों को दोपहर 12.00 बजे बुलाया गया था। कोटा से सभी विद्यार्थी सोशल डिसटेंस में बसों में बिठाए गए थे किंतु आगरा जिले के फतेहपुर सीकरी में बस बदल दी गई और सोशल डिक्टनसिंग का उल्लंघन कर एक बस में 50 से 55 विद्यार्थियों को बिठा दिया गया। बस बदलने के नाम पर यहां विद्यार्थियों को मैदान में 5 घंटे भटकने को विवश होना पड़ा उन्हें खराब खाने के लंच पैकेट दिए गए। फर्रुखाबाद होते हुए हरदोई पहुंचने पर लखनऊ के छात्रों को उतारा गया तो सोशल डिस्टेंस में विद्यार्थी सीतापुर के लिए रवाना हुए। 19 अप्रैल की दोपहर अपने छात्रावास से भोजन कर चले विद्यार्थियों को 24 घंटे से अधिक समय बाद सीतापुर में डीएम और एसपी ने विद्यार्थियों का हालचाल लिया और उन्हें चाय बिस्कुट भोजन करवाकर लखीमपुर के लिए रवाना किया। लखीमपुर के बाथम वैश्य धर्मशाला में विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें अपने घरों को भेजा गया।

छात्रों से पूछा जा रहा उनका पता

कोटा में तो कोचिंग इंस्टिट्यूट द्वारा विद्यार्थियों से पूरा पता लिया गया था किंतु लाई गई बसों में और वाथम वैश्य धर्मशाला में विद्यार्थियों का पूरा पता नोट नहीं किया गया अब उन्हें बारंबार फोन कर उनका पता लिया जा रहा है।

पूर्व ए.डी.ओ. पंचायत के निधन से शोक

लखीमपुर-खीरी। शहर के मोहल्ला शरबती देवी कालोनी निवासी शोबरन लाल बाजपेयी का बीते बुधवार को निधन हो गया, उनके निधन की सूचना से शोक की लहर दौड़ गई। उनके पुत्र अनुराग बाजपेयी ने बताया कि शोबरन लाल बाजपेयी ए0डी0ओ0 पंचायत के पद से रिटायर्ड हुए थे, वह काफी समय से हृदय की बीमारी से पीड़ित थे, इससे पहले भी उन्हे दो बार अटैक पड़ चुका है। बुधवार शाम को अचानक उनकी तबियत बिगड़ने पर हम लोग उन्हे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनकी मृत्यु हो गई।

मुरादाबाद में एक थाने के सभी 35 पुलिसकर्मियों को किया गया क्वारंटाइन

मुरादाबाद । उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में नागफनी थाना पुलिस की महिला सिपाहियों सहित 35 पुलिसकर्मियों को कवारेंटीन किया गया है। थाना नागफनी के मोहल्ला नवाबपुरा में बीती 15 अप्रैल को कोरोना पोजिटिव मृतक के परिजनों को क्वारंटाइन करने पहुंची स्वास्थ्य विभाग और पुलिसकर्मियों की टीम पर अचानक जानलेवा हमला हुआ था जिसके बाद हमले के 17 आरोपियों को पकड़ कर जेल भेजा गया था। जिसके बाद जेल में बंद 5 लोगों की कोरोना जांच रिपोर्ट पीजिटिव आई थी। जेल भेजे गए आरोपियों की कोरोना जांच रिपोर्ट पीजिटिव आने के बाद उनके संपर्क में आये सभी महिला सिपाहियों समेत 35 पुलिसकर्मियों को मुरादाबाद के ही कई होटलो में क्वारंटाइन कर दिया गया है जिनकी कोरोना जांच के लिए सैंपल भेजे गए है। सीएमओ डॉ एमसी गर्ग ने गुरुवार को बताया कि कुल 35 पुलिसकर्मियों के सैंपल लेकर जांच के लिए लैब में भेजे गए है। उन्हें फिलहाल कवारेंटीन किया गया है।

गंगा नहाने गये किशोर की डूबकर मौत

फतेहपुर । मलवां थाना क्षेत्र के रावतपुर कोटिया घाट गंगा नहाने गये एक किशोर की नदी में डूबकर मौत हो गयी। पुलिस ने कड़ी मशक्कत करके शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।जानकारी के अनुसार मलवां थाना क्षेत्र के नन्दीपुर गांव निवासी आलोक कुमार पाल का 17 वर्षीय पुत्र पवन कुमार पाल सुबह अपने दोस्तों के साथ गंगा स्नान करने के लिए रावतपुर कोटिया घाट गया था। नहाते समय अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। चीख-पुकार सुनकर उसके दास्तों व आस-पास के लोगों ने किशोर को बचाने का भरसक प्रयास किया लेकिन उसे बचा न सके। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से कड़ी मशक्कत करके घण्टों बाद उसे नदी से बाहर निकाला। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उधर पुत्र की मौत से परिवारीजनों के बीच कोहराम मच गया। मां-बाप समेत भाई-बहनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

गेहूं काटने गये युवक का शव बरामद

फतेहपुर । सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मदरियापुर गेहूं काटने गये लगभग 22 वर्षीय एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। मां की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

जानकारी के अनुसार मदरियापुर गांव निवासी रामस्वरूप का पुत्र ननकू कल रात गेहूं काटने के लिए गया था। बताते हैं कि कल सुबह जब वह घर खाना खाने आया तो देर हो जाने पर वह वापस फिर गेहूं काटने चला गया। उसके बाद वह घर नहीं लौटा। जिस पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। आज सुबह ननकू की मां गेहूं काटने के लिए खेत जा रही थी तभी रास्ते में ही गेहूं के खेत में ननकू का शव देख उसके होश उड़ गये और वही दहाड़े मारकर रोने लगी।

सभासद ने जरूरतमंदो तक पहुंचाई राहत सामग्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

मोहम्मदी-खीरी। कोरोना वायरस के चलते पूरी दुनिया को हिला कर रख देने वाले वाले कोरोन संक्रमण ने वह स्थिति बना दी कि देश को लाक डाउन करना पड़ा, जिससे लोगों के आगे खाने-पीने कि समस्या खड़ी हुई, हालांकि सरकार द्वारा लगातार यही प्रयास किया जा रहा है कि कोई भी भूखा ना रहे इसी क्रम में मोहम्मदी नगर की नगर पालिका परिषद में पड़ने वाले वार्ड नंबर 23 के सभासद सिराज अली ने लोगों को राहत पहुंचाने के लिए बहुत ही सराहनीय कदम उठाया है। वह स्वयं घर घर जाकर जरूरतमंदों को खाद्य समान उपलब्ध करा रहे हैं।

बताते चलें सभासद सिराज अली एडवोकेट ने सदैव सराहनीय कार्य किए चाहे पर्यावरण का मामला हो कब्रिस्तान में जाकर पौधे लगाना तथा समय-समय पर वार्ड वासियों की समस्याओं को सुन उनका निस्तारण करना गुरूवार अपने वार्ड में जरूरतमंदों को राशन वितरित किया और आगे भी लोगों से कोई भी समस्या होने पर तत्काल अवगत कराने को कहा उनके इस कार्य से उनके इस कार्य से मोहल्ले वाले काफी खुश दिखे।

भीड़ रोकने के लिये शहर में वन वे सिस्टम लागू

हाथरस । जिले में लागू लॉकडाउन के तहत तमाम स्थानों से सोशल डिस्टेंसिंग की मखौल उड़ने की आ रही सूचनाओं को लेकर पुलिस कप्तान गौरव बंसवाल ने इसे गंभीरता से लिया है। कल शाम शहर के व्यापारियों के साथ बैठक करने के उपरांत शहर में वन वे सिस्टम लागू कर दिया है। इस सिस्टम के तहत आज शहर के कई मुख्य रास्ते बंद दिखे। जिससे सुबह खरीददारी के लिए आने जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

उल्लेखनीय है कि शहर में सामाजिक दूरी का पालन सही ढंग से नहीं हो पा रहा था और बाजार में आवश्यक व जरूरी वस्तुओं की खरीदारी हेतु दी गई छूट के तहत तमाम लोग अपने चार पहिया वाहनों को लेकर बाजारों में आ रहे थे जिससे जगह जगह पर जाम व भीड़ की समस्या उत्पन्न हो रही थी। इसी को लेकर कल शाम पुलिस कप्तान गौरव बंसवाल द्वारा शहर के व्यापारियों उद्यमियों के साथ कोतवाली सदर परिसर में बैठक की गई। बैठक के बाद पुलिस कप्तान द्वारा पूरे शहर में में वन वे सिस्टम लागू किया गया है और इस सिस्टम के तहत शहर के मुख्य तमाम रास्तों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया है और यह व्यवस्था सुबह 6 बजे से दोपहर 12 बजे तक लागू रहेगी तथा ट्रैफिक सिस्टम के तहत शहर के सासनी गेट चौराहा से बाजार में प्रवेश दिया गया है जबकि तालाब चौराहा से पंजाबी मार्केट, घंटाघर, बांसमंडी, मोहनगंज, पुरानी स्टेट बैंक रोड आदि को ब्लॉक कर दिया गया है तथा बाजार में आने वाले वाहनों को नवीपुर आरडी कॉलेज वाले तिराहे से निकासी दी गई है।

रमजान को लेकर शहर काजी ने मुस्लिम समुदाय से की अपील

बिजनौर । कोरोना वायरस जैसी महामारी से बचाव के लिए यहां जिला प्रशासन के लोग लगातार लोगों को जागरूक करने के लिए अपील कर रहे हैं। तो वहीं रमजान के पाक महीने को लेकर जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार मुस्लिम समुदाय के धर्मगुरुओं से वार्ता कर रमजान के महीने में लॉक डाउन नियमों को पालन करने के लिए उन्हें जागरूक करने का काम कर रहे हैं। रमजान के महीने को लेकर शहर काजी माजिद अली ने मुस्लिम समुदाय के लोगों से अपील की कि वह लोग लॉक डाउन का पालन करते हुए अपने घरों से ही जहां नमाज अदा करें तो वहीं रमजान के महीने में पढ़ी जाने वाले तरावी को भी अपने घर पर ही पढ़े। लॉक डाउन के नियम का पालन कर ही इस महामारी से बचा जा सकता है। शहर काजी माजिद अली ने बताया कि रमजान का महीना 25 अप्रैल से शुरू हो सकता है।

खाद्यान्न की गाड़ी पहुंचते ही मची अफरातफरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

उन्नाव। जहां एक तरफ कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को लेकर लॉक डाउन किया गया है। वही शासन स्तर से जनपद स्तर के जिम्मेदारों को कड़े निर्देश भी दिए गए है कि लोगो को कड़ाई के साथ सोशल दूरी के सूत्र का अनुपालन करवाया जाए। किसी आवश्यक कार्य से अगर किसी को आपातकालीन परिस्थितियों में बाहर निकलना भी पड़ रहा है तो सुरक्षा के मद्देनजर मास्क का प्रयोग करते हुए ही बाहर निकले। लेकिन शायद उन्नाव जनपद के ब्लॉक सिकन्दरपुर सरोसी के ग्राम सिकंदरपुर में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का डर लोगो मे नही है, यह हम नही कह रहे है चित्र देखकर धरातलीय हकीकत साफ तौर पर देखी जा सकती है। जिसमे न तो सोशल डिस्टेंस के फार्मूले को ही लोगो द्वारा अपनाया जा रहा है न ही लोगो ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से मास्क लगाए है। काफी संख्या में एकत्रित भीड़ सदर विधायक द्वारा भेजी गई राशन की गाड़ी को देखते ही मानो इस कदर टूट पड़ी की क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल व्याप्त हो गया। सदर विधायक पंकज गुप्त द्वारा मदद को भेजी गयी गाडी के चालक ने सूझबूझ का परिचय देते हुए वाहन को वहां से वापस लेकर चला गया। चालक की इस सूझबूझ से कही न कही एक बडी घटना रुक गयी। इस पूरे प्रकरण में कही न कही स्थानीय स्तर के प्रधान की भी जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। क्यों कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी को लेकर गांव के लोगो को समझाने का दायित्व पूरी तरह से प्रधान व उसकी टीम पर होता है। अगर पहले से दूरी बनाकर व्यवस्थित रुप से खडे होते तो सबको खाद्यान्न का सामान उपलब्ध होता। लेकिन लापरवाही के कारण गाडी वापस आने के चलते गरीबों को वंचित रहना पडा। वहीं इस संबन्ध में जब सदर विधायक पंकज गुप्ता से बात की गयी तो उन्होंने बताया कि उनके द्वारा सभी वालंटियर व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि सामान को वितरित करते समय कही पर भी लॉक डाउन के दौरान समस्या सामने न आने पाये। सोशल डिस्टेंशिंग की हद में रहकर ही सारे वितरण किए जाये। अगर कही सोशल डिस्टेंशिंग की जरा भी लापरवाही देखने को मिले तो उस वक्त उक्त स्थान पर वितरण रोक दिया जाये। ताकि संक्रमण के खतरे से बचाव किया जा सके।

विधानसभा अध्यक्ष के निर्देशन में वितरित किया राशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

पाटन-उन्नाव। जैसा कि सर्व विदित है कोरोनो महामारी के चलते पूरा देश इस महामारी से जूझ रहा है जिसके चलते विधानसभा अध्यक्ष के निर्देशानुसार भाजपा के वरिष्ठ नेता संजय शुक्ला कोरोना फाइटर के रूप में नजर आए। उनके द्वारा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में गरीब व जरुरतमंद परिवारों को खाद्यान्न की व्यवस्था मुहैया करवायी गयी। इसी कडी में खेसुआ भैरमपुर तालिहाई मोरैत सनेथू आदि गांव में विधवा विकलांग गरीब बेसहारा लोगो को खाद्य सामग्री वितरित की गई। उन्होने बताया कि क्षेत्रीय लोगो को किसी भी तरह की दिक्कतें न हो इसके लिए प्रशासन के द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे है। साथ ही साथ विधान सभा अध्यक्ष हृदय नरायण दीक्षित के द्वारा समय समय पर स्थानीय कार्यकर्ताओं से व्यवस्थाओं के संबन्ध में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे है। इस दौरान प्रमुख रुप से कल्लू तिवारी पाटन, शिवम तिवारी काशीखेड़ा लालनी महराज मोहकमपुर आदि लोग उपस्थित रहे।

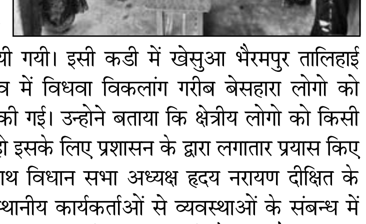

एसडीएम ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

पाटन उन्नाव। तहसील बीघापुर के मुख्यालय पाटन के अंतर्गत संचालित गौशालाओं का निरीक्षण उपजिला अधिकारी द्वारा किया गया तथा गौशालाओं में गौवंशजों के चारा पानी छाया व अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में निरीक्षण कर जानकारी की गई। उप जिलाधिकारी दयाशंकर पाठक द्वारा समय-समय पर तहसील क्षेत्र में स्थित गौशालाओं का निरीक्षण किया गया। गौशाला में पशुओं के रखरखाव बिजली चारा पानी व छाया की व्यवस्था के संबंध में जायजा लिया। उन्होंने बताया कि तहसील मुख्यालय के अंतर्गत विकासखंड सुमेरपुर के अंतर्गत 10 व बीघापुर के अंतर्गत 7 तथा आंशिक पुरवा के अंतर्गत आने वाली पांच गौशाला है सुमेरपुर में 412 बीघापुर में 460 तथा आंशिक पुरवा के गौशालाओं में 150 गो वंशज हैं सभी घोष वालों पर श्रमिकों की देखरेख में यह गौशाला संचालित हो रहे हैं जहां का निरीक्षण पशु चिकित्सा अधिकारी व उप जिला अधिकारी द्वारा बराबर निरीक्षण किया जा रहा है उप जिलाधिकारी ने बताया उक्त गौशाला में सभी पशु सुरक्षित हैं जिनका समय-समय पर चारा पानी की व्यवस्था श्रमिक द्वारा देखी जा रही है इस मौके पर पशु चिकित्सा अधिकारी सुमेरपुर के डॉ अनुज कुमार भी मौजूद थे।

डोर टू डोर वितरित किया खाद्यान्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

हसनगंज-उन्नाव। शासन के निर्देशानुसार नोबेल कोरोना वायरस (कोविड़ 19) के संक्रमण के दृष्टिगत उन्नाव के हसनगंज विकास खण्ड के अंतर्गत आने वाले सभी आँगनवाड़ीके केन्द्रों के लाभार्थियों को डोर टू डोर पोषाहर वितरण के निर्देश के क्रम में सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए आँगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा लाभार्थियों को डोर टू डोर (घर -घर) जाकर पोषाहर वितरण किया जा रहा है। सीडीपीओ मीरा यादव द्वारा तेगापुर, सरायमलकादिम, जगलेमउ, मौला बाकेपुर, रानीखेड़ा खालसा, निदेमऊ, सेमरा आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षक किया गया। जहाँ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा घर-घर जाकर पोषाहर वितरण किया जा रहा है। साथ ही मीरा यादव ने कहा ग्राम प्रधानों का भी सहयोग मिल रहा हैं। हमारी आँगनवाड़ी कार्यकत्रियां डोर टू डोर (घर -घर) जा रही है। लाभार्थियों को पोषाहर वितरण कर रही है।

....

जौनपुर के लाल ने कर दी एक बेहतरीन चित्र की रचना

लॉक डाउन में स्केच विधा को निखार रही छात्रा सोलंकी

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

जौनपुर। वर्तमान की वैश्विक महामारी से निपटने के लिये डाक्टर, पुलिस, सफाईकर्मी, सेना के साथ सभी वर्ग सहित अन्य लोग अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वहीं समाज में जागरूकता के लिये कलाकारों द्वारा अपने विधा में एक से बढ़कर एक प्रदर्शन घर में ही रहकर किया जा रहा है जो चर्चा का विषय बना हुआ है।

जौनपुर के लाल अंकित पाण्डेय जो युवा चित्रकार के रूप में अलग पहचान बनाये हुये हैं, ने लखनऊ स्थित स्टूडियो में रहते हुये एक बेहतरीन चित्र की रचना कर दिया। साथ ही उन्होंने लोगों को कोरोना वायरस के प्रति जागरूक करने का भी प्रयास किया है। इस बाबत पूछे जाने पर श्री पाण्डेय ने बताया कि इस चित्र का उद्देश्य है कि एक जंग जो दिखाई नहीं दे रहा परंतु उससे हम कैसे लड़ रहे हैं। इसके माध्यम से देश के सभी लोगों को समझाया जा सके कि रेल, हवाई यात्रा व सामान्य यातायात के साथ घर में रहकर कैसे खुद को इस महामारी से बचाया जा सकता है। यह समस्या देश के लिये नहीं, बल्कि पूरे विश्व के लिये है। श्री पाण्डेय ने बताया कि चित्र में रेल, जहाज, ग्लोब, चमगादड़, लॉक का चिन्ह के साथ घरों को प्रदर्शित किया गया है। चित्र में चमगादड़ जिससे कोविड-19 का प्रहार दिखाया गया है।

इसी तरह एक और कलाकार की कलाकारी इस समय सुर्खियों में बनी हुई है। उक्त कलाकार इस समय की लॉक डाउन का पूरा इस्तेमाल करते हुये अपनी प्रतिभा को निखारने में लगी हुई है। उक्त कलाकार नगर के टीडी इण्टर कालेज की छात्रा सोलंकी अग्रहरी है जिसकी पेंटिंग में काफी रूचि है। लॉक डाउन में यह छात्रा एक से बढ़कर एक पेंटिंग व क्राफ्ट बनाकर सभी का दिल जीतने में लगी है। इसके द्वारा बनायी गयी कलाकृतियों को देख बड़े भी दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर दिख रहे हैं। बाल कलाकारों द्वारा बनायी गयी मन को मोहती कलाकृतियां कई प्रकार के संदेश दे रही हैं।

राज इण्टर कालेज में आनलाइन पढ़ाई शुरू

जौनपुर। महामारी के चलते लागू लॉक डाउन में शिक्षण संस्थानों के बन्द होने से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई बन्द है जिसको देखकर उत्तर प्रदेश सरकार ने 20 अप्रैल से आनलाइन पढ़ाई शुरू कराने का निर्णय ले लिया। शासन के आदेशानुसार राजा श्रीकृष्ण दत्त इण्टर कालेज ने आनलाइन पढ़ाई शुरू कर दिया। कक्षा 6, 7, 8, 9, 10 और 12 के छात्र-छात्राओं का व्हाट्सएप ग्रुप बना दिया गया है। सभी ग्रुप के एडमिन अलग-अलग हैं जो अपने कक्षा संचालन के दायित्व का निर्वहन बखूबी कर रहे हैं। आनलाइन पढ़ाई के लिये जिम्मेदारों में पवन साहू, प्रेमचन्द, डा. विश्वनाथ यादव, डा. ब्रजेश सिंह, नागेन्द्र यादव, रामचन्द्र सिंह, अनिल यादव, सुभाष यादव, जय नारायण, श्रीमती रंजना, बृजभूषण, विनय ओझा, राघवेन्द्र सिंह, ओम प्रकाश सिंह, श्रीमती बिन्दो आदि हैं। सभी विषय शिक्षक सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच अपने मोबाइल से आडियो, वीडियो या यू ट्यूब के माध्यम से वायरस संक्रमण बचाव के बारे में बताते हुये विषयक पठन-पाठन करते हैं। आनलाइन शिक्षण संचालन में प्रधानाचार्य डा.सत्य राम प्रजापति, उप प्रधानाचार्य डा. अशोक मिश्र, मुख्य अनुशास्ता अधिकारी प्रकाश नारायण सिंह का निर्देशन व योगदान सराहनीय है। वहीं प्रबन्धक डा. देवेन्द्र उपाध्याय ने आनलाइन शिक्षण संचालन पर विद्यालय परिवार को बधाई दिया है।

तरसड़ा गांव में छिपा था बिहारका शब्बीर

अमेठी । स्थानीय ब्लाक के गांव तरसड़ा में मैनपुरी से लौटे एक युवक के होने की सूचना ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि को दी। इस पर उन्होने इसकी जानकारी तहसील प्रशासन को दिया। इस पर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम उसे अस्पताल ले आई। जांच के बाद उसे कस्तूरबा गांधी स्कूल में क्वारंटाइन किया गया है। पश्चिमी चंपारण बिहार की तहसील चौतरवा के गांव झरमुही निवासी शबीर पुत्र अफजल मैनपुरी में काम कर रहा था। वहां से वह मुसाफिरखाना तहसील के गांव नया कोट निवासी दिनेश के साथ ट्रक से मुसाफिरखाना पहुंचा। दिनेश ने अपनी जांच कराने के बाद अपने घर चले गए और उसे तरसड़ा निवासी अपने रिश्तेदार के यहां भेज दिया। दिनेश व शबीर दोनो एक साथ मैनपुरी में काम करते थे। शबीर ने बताया कि दिनेश ने उसे दस दिन बाद अपने पास बुलाने का आश्वासन दिया था। मामले की जानकारी ग्रामीणों को होने पर उन्होने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राम प्रसाद पांडेय को दी। इस पर उन्होने उपजिलाधिकारी गौरीगंज थानाध्यक्ष मुंशीगंज व स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी को जानकारी दी। सूचना पर एंबुलेंस लेकर पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम उसे अस्पताल ले आई। जहां थर्मल स्क्रीनिंग के बाद क्वारंटाइन कर दिया है। चिकित्सा अधीक्षक डा0 एलके साहू ने कहाकि जांच के लिए सैंपल भेजने के लिए उच्चाधिकारियों को जानकारी दे दिया है।

किसानों के लिए स्मृति ने भेजा मास्क व सैनिटाइजर

अमेठी । कोरोना वायरस से बचाव व लॉक डाउन में किसान व मजदूरों के लिए केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति इरानी ने मास्कए सैनिटाइजर व गमछा भेजा है। सांसद ने पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों के साथ ही पुलिस पत्रकार बैंक व दूसरे ऐसे कर्मयोगियों के लिए बचाव के संसाधन भेजे हैं। जो आपदा की इस घड़ी में अपने घरों से बाहर निकल काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि विजय गुप्ता ने बताया कि दीदी स्मृति को अपने संसदीय क्षेत्र के हर एक व्यक्ति की चिंता है। पार्टी के बूथ अध्यक्ष से लेकर जिलाध्यक्ष तक दीदी ने सभी के बचाव के लिए जरूरी संसाधन भेजे हैं। पार्टी के गांव से लेकर जिला तक सभी संगठनए मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकारणी के लिए पर्याप्त संख्या में मास्कए सैनिटाइजर व गमछा की व्यवस्था की है। इसके साथ सभी 23 मंडल अध्यक्षों को खेत व खलिहान में काम करने वाले जरूरतमंदों को मुहैया कराने के लिए अलग से चार .चार सौ मास्कए दो.दो सौ सैनिटाइजर दिया जा रहा है। इसके साथ ही पार्टी के 160 नेताओं को वितरण के लिए दो.दो सौ मास्कए सौ.सौ सैनिटाइजर व दस.दस गमछा मुहैया कराया जा रहा है। वितरण में उत्थान के महेंद्र पांडेय भाजपा जिला महामंत्री सुधांशु शुक्ला मीडिया प्रभारी चंद्रमौलि सिंह विषुव मिश्र सहित कई लोग लगे हैं।

19 जमातियों को उनके घर भेजा

बांदा । शहर की एक मस्जिद में तीन अप्रैल से क्वारंटीन 19 जमातियों को उनके घर भेज दिया गया। ये जमाती जालौन जिले के उरई निवासी थी। तीन अप्रैल को शहर की एक मस्जिद में 19 जमाती मिले थे। ये सभी उरई के थे। सभी का मेडिकल कालेज में स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया था और सैंपल भी जांच के लिए भेजा गया था। रिपोर्ट निगेटिव आई। इसके बाद पुलिस ने इन्हें वापस मस्जिद में लाकर 14 दिन के लिए क्वारंटीन कर दिया। क्वारंटीन अवधि पूरी होने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। उधर, वीरवार को यह चर्चा गर्म रही कि शहर की एक और मस्जिद से 19 जमाती गिरफ्तार किए गए। एक न्यूज चौनल पर यह ब्रेकिंग खबर बन गई। इससे जनमानस में दहशत और भ्रम फैल गया। सीओ सिटी आलोक मिश्रा और नगर कोतवाली इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने बताया कि यह महज अफवाह है। पहले मिले जमातियों को क्वारंटीन अवधि पूरी होने के बाद घर भेजा गया है। अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

राशन कार्ड न बनने से लोग परेशान

उरई/जालौन । राशन कार्ड बनवाने के लिए बार बार तहसील के चक्कर लगा रही महिलाओं गुरुवार को रोष जताया। महिलाओं का आरोप है कि बिना किसी वजह से उनके नाम लिस्ट से काट दिए गए है और अब नए कार्ड बनवाने के लिए उन्हें बार बार चक्कर लगाना पड़ रहा है। उन्होंने पूर्ति विभाग के कर्मचारियों पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है। गुरुवार को तहसील में शहर के अलग अलग मोहल्लों से शकुंतला, केशव सिंह, राजेंद्र सिंह, साहिल खां, सुरेश बघौरा, रंजना प्रजापति रानी देवी सहित दर्जनों लोग कलक्ट्रेट पहुंच गए और रोष व्यक्त कर तहसीलदारों को शिकायती पत्र दिया। जिसमें बताया कि उन सब लोगों के राशन कार्ड बने थे, अचानक उनके राशन कार्ड बिना किसी कारण के काट दिए गए, जिससे उन्हें लॉकडाउन के समय में राशन सामग्री नहीं मिल रही है। बताया कि नए कार्ड बनवाने के लिए तहसील में पूर्ति विभाग का कार्यालय खोला गया है, लेकिन वह बंद पड़ा रहता है। उन्होंने मांग की है कि उनके जल्द राशन कार्ड बनवाए जाए।

उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन करें

अलीगढ़ । अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा एक बार फिर सभी छात्र, कर्मचारियों और कैम्पस या इससे बाहर रहने उनके परिवार के लोगों को सुझाव दिया गया है कि कोविड-19 की महामारी के दृष्टिगत भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन करें ताकि महामारी से बचा जा सके और उसको फैलने से रोका जा सके। एएमयू रजिस्ट्रार अब्दुल हमीद आईपीएस ने ब्रहस्पतिवार को जारी एक नोटिस में कहा है कि छात्र व कर्मचारी तथा अन्य लोग सामाजिक दूरी बनाये रखें, चेहरे पर मास्क पहनें, हाथों को साबुन से समय समय पर धोऐं, सफाई का ख्याल रखें और काम की जगहों पर या निवास के स्थान पर विभिन्न वस्तुओं की सतह को सेनेटाइजर से साफ करते रहें। उन्होंने कहा कि इन आदतों को अपनाने से हम कोविड-19 पर काबू पाने में कामयाब होंगे। दूसरी ओर डीन स्टूडैंट वैलफेयर (डीएसडब्लू) प्रोफेसर मुजाहिद बेग की ओर से यूनिवर्सिटी के विभिन्न आवासीय हालों अब्दुल्लाह हाल, बीबी फातिमा हाल, बेगम अजीज उन निसां हाल, हादी हसन हाल, सरोजनी नायडू हाल, सर जियाउद्दीन हाल, विकार उल मुल्क हाल, बेगम सुन्तान जहां हाल, डाक्टर बी आर अम्बेडकर हाल, इंदिरा गांधी हाल, नदीम तरीन हाल, मोहम्मद हबीब हाल, मोहसिनुल मुल्क हाल, रास मसूद हाल, सर सैयद हाल (नार्थ व साउथ) और सर शाह सुलैमान हाल में छात्र व छात्राओं में 3868 मास्क वितरित किये गये हैं।

मोबाइल पर बात करने से रोकने पर पत्नी ने फांसी लगाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

उरई/जालौन । पत्नी को मोबाइल पर बात करने से मना किया तो पति-पत्नी में कहासुनी हो गई। इस पर पत्नी ने गमछे से फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों ने जब महिला को फांसी पर लटकता देखा तो आनन फानन में उसे नीचे उतारा लेकिन तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष आरके सिंह ने पूछताछ कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, मृतका के मायके वालों को भी सूचना दे दी गई है। थानाध्यक्ष का कहना है प्रथम दृष्ट्या मामला पति-पत्नी के विवाद का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जांच होगी। रामपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम बहराइच निवासी अवधेश कुमार की 30 वर्षीय पत्नी पूजा ने आज सुबह 10 बजे घर के कमरे में लगी खूंटी में गमछे से फांसी लगा ली। घटना के समय पति गांव में किसी काम से चला गया था।

जब वह घर लौटकर आया तो पूजा को फांसी के फंदे पर लटकता देख उसके होश उड़ गए। उसकी चीख पुकार सुनकर पास पड़ोस के लोग भी आ गए और आनन फानन में मृतका की सास ने गमछे को काट कर मोहल्ले वालों की मदद से नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

इस पर थानाध्यक्ष ने बताया कि परिजनों के मुताबिक पति-पत्नी बुधवार की रात मोबाइल पर बात करने को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके बाद भी सुबह महिला मोबाइल पर बात कर रही थी। पति द्वारा मना करने पर वह नाराज हो गई और उसने गमछे से फांसी लगाकर जान दे दी।

परिजनों ने बताया कि मृतका का मायका महेबा ब्लाक के पिपरायां हैं। मायकेवालों को सूचना दे दी गई है। पूजा की शादी 15 वर्ष पूर्व हुई थी। उसके एक 9 वर्ष का बेटा भी है। उसकी मौत से परिजनों में मातम छा गया।

दीवानी व डीएम के आदेश को ठुकरा रहा है डीएफओ

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

अमेठी । शासन- प्रशासन कोरोना महामारी से नागरिको को बचाने के लिए रात दिन लगा हुआ है सरकारी गैर सरकारी कार्यालयो अदालतो में जनसुनवाई बन्द है। उच्च न्यायालय का नये कार्यो के लिए मनाही है। ऐसी बिशम परिस्थिति में अमेठी जनपद का डीएफओ मनमानी तौर पर उच्च न्यायालय व दीवानी न्यायालय के आदेशो का उल्लंघन कर कानून की धज्जियां उडा रहा है। अवगत कराना है की जनपद अमेठी की तहसील गौरीगंज क्षेत्र के अंतर्गत स्थित राजस्व गांव पहाड़पुर एक माल का गांव है जहां की सरकारी जमीन पर एआरटीओ ऑफिस बीएसए ऑफिस एवं डीआईओएस ऑफिस की स्थापना तत्कालीन जिलाधिकारी जेपी गुप्ता के निर्देशन में हुआ था जिसमें हम समस्त ग्राम वासियों की पूर्ण सहमति रही। सरकारी कार्यालय स्थापित हो जाने के बाद इस गांव में कहीं भी सार्वजनिक जमीन मेला हॉट राजनीतिक सभा धार्मिक कार्यक्रम आज के संपादन के लिए नहीं रह गई है। गाटा संख्या 76 77 व 78 सरकारी जमीन है जिस पर शंकर जी दुर्गा जी हनुमान जी आदि देवी देवताओं की स्थापना हुई है तथा एक यज्ञ कुंड बना हुआ है इसी से जुड़ा हुआ गाटा संख्या 41 है जो 14 बीघे का रकबा है जो मौके पर 10 बीघे भी नहीं है ऐसी स्थिति में चारागाह नहीं पूरा है। पैमाइश किए जाने पर उपरोक्त तीनो भूखंड चारागाह व सडक में समा जाते हैं। तथा इसी पर भू माफिया कब्जा करने का मन बनाए थे जब सफल नहीं हुए तो वन विभाग को प्रस्ताव करके दे दिया है जबकि इस भूखंड पर 2010 से दीवानी न्यायालय का स्थगन आदेश हावी प्रभावी है। वन विभाग जब भी कोई नया जिला अधिकारी आता है तो मामले को तूल देने के लिए कब्जा करने की बात करता है जबकि कई बार जिला अधिकारी द्वारा दीवानी न्यायालय के स्थगन आदेश का पालन का आदेश दिया गया है फिर भी डीएफओ यूपी सिंह अमेठी 20 अप्रैल को भूखंड का मोयना कर मातहतों को वेरी केटिंग करने का आदेश दिया है। उनके द्वारा दिया गया यह आदेश जहां दीवानी न्यायालय के स्थगन आदेश का उल्लंघन कर रहा है वही न्यायालय की गरिमा को ठेस पहुंचा रहा है।पीडित पक्ष बृजेश कुमार उपाध्याय पहाडपुर ने मुख्य मंत्री व जिलाधिकारी अमेठी को मामले की जानकारी देते हुए दीवानी न्यायालय के आदेश का पालन कड़ाई से कराने की मॉग की है।

डायट को बनाया अस्थायी कारागार

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

बांदा । जिला मजिस्ट्रेट अमित सिंह बंसल के आदेश पर जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) भवन को अस्थायी कारागार के रूप में अधिग्रहीत किया गया है। इसमें गिरफ्तार होने वाले व्यक्तियों को रखा जाएगा। कारागार में व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। डीएम ने जारी पत्र में कहा है कि उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल की धारा-953 और बंदी अधिनियम 1984 की धारा 11 के तहत डायट को अग्रिम आदेशों तक के लिए अस्थायी कारागार घोषित किया जाता है।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया है। भारतीय दंड संहिता की धाराओं सहित एपेडेमिक डिलीज एक्ट-1897 व डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट-2005 के उल्लंघन में गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्तियों को यहां रखा जाएगा। इसकी सुरक्षा के लिए पुलिस व पीएसी बल तैनात करने सहित संचार व्यवस्था को आईटी सेट स्थापना की जिम्मेदारी पुलिस अधीक्षक को सौंपी है। सीएमओ को पर्याप्त चिकित्सा स्टाफ की तैनाती और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था, नगर पालिका ईओ को सफाई के लिए 6 कर्मियों की नियुक्ति व शौचालय व्यवस्था, कारागार अधीक्षक को अभिलेखों आदि के रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई।

जिला कमांडेंट होमगार्ड्स को होमगार्ड नियुक्त करने, संभागीय परिवहन अधिकारी को यातायात व्यवस्था में तीन छोटे और एक मध्य वाहन उपलब्ध कराने, जिला पूर्ति अधिकारी को खाद्यान्न व एलपीजी आदि की व्यवस्था, पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड अधिशासी अभियंता को बैरीकेडिंग और डायट प्राचार्य को अस्थायी जेल के लिए कक्षों को खाली कराने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने कहा कि कारागार अधीक्षक की मांग पर अस्थायी कारागार में तुरंत व्यवस्था की जाए।

सैनिटाइज कर तो कहीं मास्क बांट कर किया गया जागरूक

अमेठी । कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए लोग अपने अपने स्तर से सुरक्षा के उपाय उपलब्ध करा रहे हैं। लोगों द्वारा जगह.जगह मास्क का वितरण किया जा रहा है। संक्रमण की रोकथाम के लिए अपने मुहल्लों व इलाकों को सैनिटाइज भी कर रहे हैं।

जिससे कि कोरोना वायरस के संक्रमण को बढ़ने से रोका जा सके। पूर्व विधायक अमेठी यमुना प्रसाद मिश्र ने कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी अरुण कुमार को एक हजार मास्क भेंट किया। वहीं जिलाधिकारी ने अपील करते हुए कहा कि जनता या स्वैच्छिक संस्थाएं कोरोना महामारी के दौरान पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएं। जायस नगर के समाज सेवी युवाओं द्वारा वार्ड नंबर 17 में सैनिटाइजर का छिड़काव किया। युवाओं ने बताया कि सैनिटाइजर का छिड़काव प्रतिदिन किया जा रहा है। इस मौके पर समाजसेवी रोमिल जैन, सभासद शकील इदरीसी, सभासद कामिल, फ जैल खानए सिद्धात जैन, रजत अग्रवाल, नुरूलेन अशरफ, अमजद हैदर, काशीनाथ योगी, सम्यक जैन, शकिबल हसन, अरविंद सोनकर आदि लोगों का सहयोग रहा। अमेठी में रणवीर रणजय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की सहायता से कस्बे में कार्यक्रमाधिकारी डाण् धनंजय सिंह ने लोगों को मास्क एवं सैनिटाइजर वितरित किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डाण् त्रिवेणी सिंह ने बताया कि महाविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने लॉकडाउन के दौरान फेसबुक वाट्सएप तथा पोस्टर और स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। जगदीशपुर विकास क्षेत्र के दुलारी नगर के सराय हेतम निवासी भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम अंजोर पाल द्वारा मास्क बनाकर प्रतिदिन सैंकड़ों लोगों को वितरित कर रहे हैं। यही नहीं जरूरतमंदों व गरीबों को भोजन के साथ ही खाद्य सामाग्री व सैनिटाइजर का वितरण भी कर रहे हैं।

घर में रहकर करें इबादत, रोजा इफ्तार की दावत में न जाएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

उरई/जालौन । रमजान माह में सभी लोग लॉकडाउन का पालन करते हुए घर पर ही रहकर इबादत करें। मस्जिदों में भीड़ न लगाएं। सहरी व इफ्तार में न तो किसी को दावत पर बुलाएं न ही किसी के घर जाएं। यह बात चौकी परिसर में आयोजित शांति समिति की बैठक में एसडीएम सुनील कुमार शुक्ला व सीओ सुबोध गौतम ने कही। एसडीएम ने कहा कि जहां मन में भावना हो वहां इबादत कहीं से भी हो सकती है। रमजान का पवित्र माह इस बार ऐसे समय में शुरू हो रहा है जबकि पूरे देश में लॉकडाउन है।

कोरोना वायरस की महामारी से बचने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूरी है। लॉकडाउन में सभी प्रकार के धार्मिक स्थलों को बंद रखा गया है। इसलिए रमजान माह में इबादत घर पर ही रहकर करें। यही नहीं सहरी व इफ्तार के समय किसी को न तो दावत पर बुलाएं और न ही किसी के यहां जाएं। कोरोना को हम सब को मिलाकर हराना होगा। इस दौरान मौलाना सुल्तान व मौलाना साबिर ने भी लोगों से घरों पर ही रहकर इबादत करने की अपील की। उन्होंने प्रशासन से सहरी के वक्त लोगों को जगाने के लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र के प्रयोग की अनुमति देने की मांग की।

सीओ सुबोध गौतम ने कहा कि यदि आपके घर बाहर से कोई आता है तो इसकी जानकारी प्रशासन को अवश्य ही दी जाए।

इस दौरान कोतवाल सुनील सिंह, शहर काजी सदर जमीअत उल्मा मौलाना सुल्तान, मौलाना साबिर, शहर इमाम मौलाना उवैश, हाफिज करीमुल्ला, मौलाना उजैर, अशफाक, इकबाल मंसूरी, अफरोज मास्टर आदि रहे।

ग्राम पंचायतों में चिन्हित होंगे दस निर्धनतम परिवार

अमेठी । लॉकडाउन के दौरान मनरेगा के तहत निर्धनतम परिवार को रोजगार देकर उनकी आर्थिक परेशानी दूर की जाएगी। कवायद सफल हो सके इसके लिए प्रमुख सचिव ने जिला प्रशासन से प्रत्येक ग्राम पंचायत के दस निर्धनतम परिवारों की सूची 20 अप्रैल तक तलब की है। सचिव का पत्र मिलने के बाद उपायुक्त मनरेगा ने बीडीओ को रोजगार सेवक की मदद से निर्धारित प्रारूप पर सूचना संकलित कर कार्यालय में देने का निर्देश दिया है। कोविड.19 का संक्रमण रोकने के लिए तीन मई तक घोषित लॉकडाउन के दौरान लोगों की आर्थिक परेशानी दूर करने की कोशिश में जुटी प्रदेश सरकार ने पहले चरण में महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत के दस निर्धनतम परिवार को आच्छादित करने की योजना बनाई है। कवायद सफल हो सकेए इसके लिए प्रमुख सचिव ने 20 अप्रैल तक प्रत्येक ग्राम पंचायत के दस निर्धनतम परिवारों की सूची तलब की है। प्रमुख सचिव का पत्र मिलने के बाद उपायुक्त मनरेगा मीनाक्षी ने सभी बीडीओ को रोजगार सेवक के माध्यम से सभी ग्राम पंचायतों से निर्धनतम परिवार यनाम, पिता का नाम, विवाहित,अविवाहित, मोबाइल नंबर, वार्षिक आय, श्रेणी विधवा, दिव्यांग, अनुसूचित जाति,जनजाति, जॉब कार्ड की उपलब्धताद्ध समेत रिपोर्ट ई.मेल के माध्यम से प्रेषित करते हुए हार्डकॉपी कार्यालय में जमा करने को कहा है।

चिराग फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को बांटा राशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

बांदा । रफ ीक नर्सिंगहोम और चिराग फाउंडेशन की ओर से जरूरतमंदों को राशन सामग्री वितरित की गई। छावनी और गूलरनाका में गरीबों को खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई। कंपाउंडर इम्तियाज अली और राकिब अली ने गरीबों तक राशन पहुंचाया। राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय, मंडी समिति प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. नीरज सोनी द्वारा पुलिस, स्वास्थ्य, सफाई कर्मियों आदि कोरोना योद्धाओं को आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी और काढ़ा का वितरण कराया जा रहा है। बताया कि इसके इस्तेमाल से शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ेगी। वितरण में चार टीमें लगाई गई हैं। काढ़े में नीम गिलोय, चिरायता, तुलसी, अजवाइन, नागरमोंधा, पित्तपापड़ा, अश्वगंधा, दालचीनी, कालीमिर्च, सोंठ और दाख आदि का मिश्रण है। जिला उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष सत्यप्रकाश सराफ सहित संजय कुमार जैन, रामप्रकाश सोनी, शिवकिशोर सोनी, राजेंद्र बाबू मिश्र, सुनील कुमार, कल्पना सोनी, जेई वेद प्रकाश, एमआर उत्कर्ष मिश्रा आदि के सहयोग से रोजाना वितरण किया जा रहा है। उधर, राज्य महिला आयोग सदस्य प्रभा गुप्ता ने कोरोना योद्धाओं को कोरोना फाइटर्स किट बांटी। इसमें साफी, सैनिटाइजर, ग्लब्स, हेड कैप, मॉस्क, नैपकिन आदि शामिल है। एएसपी, क्षेत्राधिकारी नगर व सदर, इंसपेक्टर सहित बलखंडी नाका, छोटी बाजार, कालूकुआं, अलीगंज पुलिस चौकी प्रभारियों व पुलिस कर्मियों को भी किट बांटी। खाईपार, मर्दननाका, छोटी बाजार, छाबी तालाब, नोनिया मोहाल, बलखंडी नाका आदि इलाकों में करीब दो सौ जरूरतमंदों को राशन दिया। सौरभ गुप्ता, शिवम सविता, रविंद्र गुप्ता, विकास सिंह, रानीबाई साहू, रामसुफल साहू, रामबाबू गुप्ता भी उपस्थित रहे।

ताले तोड़कर लाखों की चोरी

बांदा । मरका रोड निवासी अंजनी तिवारी के मकान में बुधवार की रात चोर पीछे से सीढ़ी लगाकर अंदर दाखिल हो गए। घरवाले सो रहे थे। चोरों ने दूसरे कमरे के ताले तोड़कर एक लाख 27 हजार रुपये नकदी और ढाई लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवर तथा टीवी व मोबाइल ले गए। वीरवार को सुबह घटना की जानकारी होने पर गृहस्वामी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ की। डॉग स्क्वॉयड भी पहुंचा, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी। पत्नी प्रियंका तिवारी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है।

महामारी और सरकारी नीति विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

अलीगढ़ । अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की फैकल्टी आफ ला की ला सोसायटी द्वारा महामारी और सरकारी नीति विषय पर एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। कानून संकाय के डीन प्रोफेसर एम शकील अहमद समदानी द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि इच्छुक छात्र व छात्राऐं अपना लेख 29 अप्रैल 2020 तक पीडीएफ फारमेट में ंउनसेंवबपमजल/हउंपस.बवउ पर भेज सकते हैं। ईमेल के विषय में सबमिशन आफऐसे लिखें। लेख 2500-3000 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए। लेख टाइम्स न्यू रोन में 12 के फोन्ट साइज के साथ और फुटनोट 10 फोन्ट में लिखा होना चाहिए। इस सम्बन्ध में ला सोसाइटी की प्रेसीडेंट समरीन अहमद 8057659312, ला सोसाइटी के सेकरेट्री अब्दुल्लाह समदानी 8791294020, इंचार्ज मीडिया कमेटी हुनैन खलील 6297751598, मूटकोर्ट सेकरेट्री ला सोसाइटी मोहम्मद काशिफ सुल्तान 7017660867 तथा मेम्बर मीडिया कमेटी मोहम्मद सबीह अहमद 7060088670 से सम्पर्क किया जा सकता है।

मजदूरों को काम दें, समय से उनके खाते में पैसे भी भिजवाए

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

उरई/जालौन । लॉकडाउन के दौरान जॉब कार्डधारकों को भरण पोषण की दिक्कत न हो और उन्हें जीवन यापन में कोई परेशानी न हो, इसके लिए मुख्यमंत्री ने मनरेगा के तहत काम शुरू कराने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद बीडीओ महिमा विद्यार्थी ने प्रधानों व सचिवों से संपर्क कर गांवों में मनरेगा के तहत जॉबकार्ड धारकों को शारीरिक दूरी बनाकर व मास्क लगकर काम शुरू कराने निर्देश दिए थे। बीडीओ के निर्देश पर विकास खंड की 32 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत काम शुरू करा दिया गया है। बीडीओ ने कार्य की स्थिति को जानने के लिए वीरवार को ग्राम औरेखी, धंतौली, धनौरा कलां, सारंगपुर, प्रतापपुरा में चल रहे निर्माण कार्य को देखा।

बीडओ ने सभी ग्राम प्रधानों व सचिवों को निर्देश दिया कि वह हर जरूरतमंद जॉबकार्ड धारक को काम दिलाएं और उन्हें समय पर खाते में भुगतान भेजते रहें। जिससे कोई भी जॉबकार्ड धारक भूखा न रहे। यदि कोई व्यक्ति जॉबकार्ड बनवाना चाहता है तो उसका आवेदनपत्र लेकर उसका जॉबकार्ड बनवा दें। उन्होंने ग्राम मांडरी व काशीपुरा में अभी तक काम शुरू न होने पर नाराजगी जाहिर की। पंचायत सचिव को काम शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान प्रधान औरेखी गिरीश कुमार, प्रतापपुरा दीपक श्रीवास्तव, धनौराकलां मुकेश कुशवाहा, सारंगपुर जसवंत सिंह, सचिव मनीष निरंजन आदि रहे।

पेंशनरों को कोषागार में उपस्थित होने से राहत

अमेठी । कोषागार से मिलने वाली पेंशन,पारिवारिक पेंशन धारकों को मार्च व अप्रैल माह में स्वयं उपस्थित होकर जीवित होने का प्रमाणपत्र देना होता है। लॉकडाउन के चलते ऐसे पेंशनरों को कोषागार में उपस्थित होने से राहत देते हुए उन्हें निर्धारित प्रारूप पर व्हाट्सएप, मैसेंजर व ई.मेल के माध्यम से जीवित होने का प्रमाणपत्र मुहैया कराने की छूट दी गई है। सरकारी नौकरी से सेवानिवृत्त होने के बाद कर्मचारी को संबंधित जिले के कोषागार से पेंशन मिलती है। कर्मचारी के निधन के बाद उनकी पत्नी को पारिवारिक पेंशन दी जाती है। ऐसे पेंशनरों को वर्ष में एक बार मार्च व अप्रैल माह में जिला कोषागार अधिकारी के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर जीवित होने का प्रमाण देना होता है। ऐसा नहीं करने पर संबंधित की पेंशन रोक दी जाती है। कोरोना के चलते 25 मार्च से देश में लॉकडाउन घोषित होने के चलते निदेशक कोषागार ने सहूलियत देने का आदेश जारी किया है।निदेशक का पत्र मिलने के बाद जिले के वरिष्ठ कोषाधिकारी आलोक कुमार राजवंशी ने विज्ञप्ति जारी कर ऐसे पेंशनर्स को सहूलियत दी है जिन्हें मार्च व अप्रैल माह में जीवित होने का प्रमाणपत्र देना था। उन्होंने कहा है कि ऐसे पेंशनर अपने जीवित होने का प्रमाणपत्र निर्धारित प्रारूप पर व्हाट्स एपए मैसेंजर व एमएमएस के माध्यम से 9839954932 पर दे सकते हैं। ऐसे लोगों की मार्च व अप्रैल की पेंशन रोकी नहीं जाएगी। लॉकडाउन खुलने के बाद ऐसे पेंशनरों को स्वयं उपस्थित होकर जीवित होने का प्रमाणपत्र देना अनिवार्य होगा।

फिल्म 'छपाक' की एसिड अटैक पीड़िता के पिता को नहीं मिल पा रहा इलाज

अलीगढ़ । देश में प्रतिदिन बढ़ते कोरोना मरीजों की संख्या व उससे होने वाली दहशत का असर अस्पतालों में भी साफ देखा जा रहा है। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री द्वारा हाल ही में देश की एसिड अटैक पीड़िताओं को लेकर बनाई गई छपाक फिल्म में काम चुकी अलीगढ़ की एसिड अटैक पीड़िता जीतू शर्मा अपने पिता के स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित हैं। 55 वर्षीय जीतू शर्मा के पिता यूपी पुलिस में कांस्टेबल हैं जिनको अब कैंसर हो गया है। कोरोना का टेस्ट कराए बगैर अस्पतालों ने इलाज करने से हाथ खड़े कर दिए हैं। उसके पिता का एक भारी दुख ये भी है कि बीमारी के कारण कागजों में आमद नहीं कराने पर मैनपुरी पुलिस ने उनको चार महीने से एक रुपये का वेतन नहीं दिया है। एसिड अटैक पीड़िता जीतू का ये संघर्ष एक दूसरे ही स्तर पर अब शुरू हो गया है। पड़ोसी जनपद बुलंदशहर के डिबाई निवासी सोमदत शर्मा लगभग 15 साल से बरौला जाफराबाद में रह रहे हैं। दिसंबर में उनकी तैनाती मैनपुरी पुलिस लाइन में हुई। जहां से उनको एक थाने में भेजा गया। मगर गले में भीषण दर्द होने के कारण वह ज्वाइन नहीं कर पाए। जांच कराई गई तो उनको गले में खाने की नली में थर्ड स्टेज का कैंसर बताया गया। यहीं से जीतू का संघर्ष शुरू हुआ। अपने पिता को लेकर अस्पताल दर अस्पताल चक्कर लगा रही हैं

पॉजिटिव मिले किशोर के गांव में थर्मल स्क्रीनिंग

बांदा । 16 वर्षीय किशोर के कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद हॉटस्पाट बनाए गए माचा गांव में वीरवार को भी अधिकारियों का जमघट रहा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) ने चिकित्साधिकारियों से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर चर्चा की। उधर, प्रशासन द्वारा 350 ग्रामीणों को राशन सामग्री और सैनिटाइजर उपलब्ध कराया गया। सीएमओ डॉ. संतोष कुमार और अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बीपी वर्मा ने रजवा डेरा का निरीक्षण किया। जांच में लगी टीमों से ग्रामीणों की जांच और स्क्रीनिंग की जानकारी ली। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. नीरज सिंह पटेल ने बताया कि दो दिन में रजवा डेरा समेत माचा, संता डेरा, मोती डेरा, खजूर डेरा, रामऔतार डेरा व भूखन डेरा के 277 घरों में 1388 लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग व स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस अवसर पर डॉ. सतीश, डॉ. विजय प्रताप, डॉ. रूपेश त्रिपाठी, डॉ. सुमन द्विवेदी, डॉ. सरिता व नेत्र परीक्षण अधिकारी शोभित गुप्ता आदि मौजूद रहे। उधर, गांव के पांचों मजरों में राजस्व निरीक्षक होरीलाल वर्मा की देखरेख में 350 गरीब परिवारों को राशन बांटा गया। मॉस्क और सैनिटाइजर भी ग्रामीणों को दिया गया। हालांकि भीड़ से सामाजिक दूरी तार-तार होती रही। एसडीएम सदर सुरजीत सिंह ने बताया कि फसल काटने और मड़ाई आदि के लिए गांव के किसानों को सशर्त छूट दी जाएगी। किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी। ग्रामीणों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लेखपाल रामपाल साहू सहित अमरजीत, सहदेव, प्रदीप, महेंद्र, सत्यनारायण आदि को जिम्मेदारी दी गई है। इंस्पेक्टर नीरज कुमार सिंह, चौकी प्रभारी अनिरुद्ध प्रताप सिंह पुलिस फोर्स के बैरीकेडिंग में डटे रहे।

कोरोना संक्रमण के बीच काम करने वाले योद्धाओं का सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

उरई/जालौन । संकट की इस घड़ी में जहां कोरोना वायरस से बचने के लिये लोगों को घरों में रहने की सलाह दी जा रही है। वहीं दूसरी ओर पुलिस व राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ इन विभागों के कर्मचारी दिन रात एक कर व्यवस्थाओं में लगे हुए हैं। भाजपा जालौन मंडल के अध्यक्ष के नेतृत्व में ग्रामीण भाजपा नेताओं ने एसडीएम सुनील कुमार शुक्ला, सीओ सुबोध गौतम, तहसीलदार बलराम गुप्ता, कोतवाल सुनील सिंह, इंस्पेक्टर क्राइम अनिल कुमार, चौकी प्रभारी संजीव दीक्षित को सम्मानपत्र देकर उनके कार्य को वंदनीय बताया। इस दौरान राजकिशोर गुर्जर, संजय विश्वकर्मा, अमान उल्ला, रामकिंकर,आरिफ शिवम, जितेंद्र चौहान, मुकेश, कैलाश बाबू वर्मा, राजीव दुबे, जितेंद्र आदि रहे। रामपुरा संवाद के अनुसार. भाजपा ने कोरोना फाइटर्स स्वास्थ्य कर्मियों सहित चेयरमैन को माल्यार्पण कर प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया। रामपुरा नगर पंचायत अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, सीएचसी रामपुरा के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ अमित कुमार सिंह, डॉ अरुण सिंह जादौन, डॉ धर्मेंद्र, डॉ महेंद्र, डॉ रंजीत सिंह परिहार,डॉ सचेंद्र आर्य, डॉ कल्पना आदि टीम का भाजपा मंडल महामंत्री विजय द्विवेदी, अरुण गुप्ता, बॉबी सोनी, अंकुर मिश्रा, सुबोध सिंह आदि ने टीम के साथ कोरोना योद्धाओं के रूप में सम्मानित किया।

खेल

इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने बताई आईपीएल से क्यों लिया नाम वापस

वार्ता

लंदन। इंग्लैंड के हरफनमौला क्रिस वोक्स ने कहा कि उन्होंने अपनी गर्भवती पत्नी के साथ समय बिताने के लिये इस साल आईपीएल से नाम वापिस लिया लेकिन अब उन्हें लगता है कि उन्हें आधिकारिक तौर पर ऐसा करने की जरूरत ही नहीं थी। कोरोना वायरस महामारी के कारण इंडियन प्रीमियर लीग अनिश्चितकाल के लिये स्थगित हो गई है।वोक्स को आईपीएल की नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने डेढ करोड़ रूपये में खरीदा था। उन्होंने हालांकि बाद में यह कहकर नाम वापिस ले लिया कि वह इंग्लैंड के घरेलू टेस्ट सत्र के लिये तरोताजा रहना चाहते हैं।

उन्होंने 'द क्रिकेटर' से कहा ,'' मुझे लगता है कि मुझे नाम वापिस लेना ही नहीं चाहिये था। मैने उस समय नहीं बताया लेकिन सितंबर में हमारे घर में नया मेहमान आने वाला है। उस फैसले की यह भी वजह थी।'' उन्होंने कहा ,'' मेरी पत्नी की तबीयत ठीक नहीं थी। ऐसे में तीन महीने घर से दूर रहना कठिन था। परिवार से बढकर कुछ नहीं।'' वोक्स ने अगस्त 2018 के बाद से टी20 मैच नहीं खेला है लेकिन उन्होंने कहा कि वह इस प्रारूप में अपना कैरियर खत्म नहीं मानते। उन्होंने कहा ,'' मैं नहीं मानता कि मेरा टी20 कैरियर खत्म हो चुका हूं। मैं अभी भी आईपीएल खेलना चाहता हूं।

बालीवुड

'हम पांच' में अपनी तरह का अनूठा फ्लेवर - राखी विजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ/मुंबई । बेहद चर्चित शो 'हम पांच' एक बार फिर से टीवी स्क्रीन पर है। यह पुरानी यादों को ताजा करने जैसा है। टीवी पर यह शो 1997-98 में आया था। हम पांच में स्वीटी की भूमिका का निर्वाह करने वाली एक्टर राखी विजन ने खास बातचीत में कहा कि उस समय लड़कियों के लिए एक्टिंग को वर्जित माना जाता था। मेरे डैडी ने इसमें कभी सहयोग नहीं किया और मुझसे लंबे समय तक बात भी नहीं की। अब हम सब उन बातों को पीछे छोड़ आए हैं और मुझे लगता है कि यह शो इतने बढ़िया समय पर वापस आया है कि सारे परिवार के पास इसे साथ मिलकर देखने का वक्त है। मुझे लगता है कि हम पांच में अपनी तरह का अनूठा फ्लेवर है।

स्वीटी का रोल निभाते हुए आपको कैसा महसूस हुआ था?

स्वीटी के किरदार में इतनी मासूमियत और जिंदादिली थी कि यह दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने में कभी नहीं चूका। इस तरह के किरदार हमेशा पसंद किए जाते हैं। स्वीटी में जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास था और वो अपनी ही दुनिया में रहती थी। उन दिनों यह किरदार बड़ा आकर्षक था और काफी मशहूर हुआ। इसलिए जिन लोगों ने इस शो को लगातार नहीं देखा था, उनके लिए भी स्वीटी एक जाना-पहचाना नाम है। साथ ही, इस शो के हर किरदार एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे और यही इस शो की खासियत रही है। मैं समझती हूं कि कॉमेडी में सादगी अपनाने और चिड़चिड़े होने में बहुत फर्क है और यदि हमने इस फर्क पर ध्यान नहीं दिया तो हमारा सारा प्रयास बेकार हो जाता है। इस बात की बारीकी को समझना और अपने करियर के इतने शुरुआत में ही ऐसा रोल करना वाकई बड़ा कठिन काम था।

इन शो से जुड़ी आपकी सबसे खूबसूरत याद कौन-सी है?

हम पांच से जुड़ी मेरी बहुत-सी यादें हैं और सभी मेरे दिल के करीब हैं। मुझे याद है उस समय मैं ऐसी थी जिसे सबकुछ चाहिए था। मैं काम भी करना चाहती थी और पढ़ना भी चाहती थी। उस समय तक अमेरिकी संस्कृति हमारे चारों ओर थी। एक बार जब इस शो को डेढ़ साल हो चुके थे और हम शूटिंग कर रहे थे तो मैंने पहली बार महसूस किया कि मशहूर होना कैसा होता है। मैं पूरी तरह हैरान रह गई थी और बहुत उत्साहित भी थी। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं सातवें आसमान पर हूं। उस समय स्थिति बिल्कुल अलग थी, जहां सोशल मीडिया पर कोई खुद को प्रमोट नहीं करता था। मैं इस मामले में खुशकिस्मत रही कि मुझे राखी से ज्यादा स्वीटी नाम से जाना गया।

क्या आप सेट को मिस करती हैं। उन दिनों के सेट और शूटिंग से आज का माहौल कितना अलग है?

जब हम लोग हम पांच की शूटिंग कर रहे थे तो हमारा शूटिंग का समय सुबह 9 से लेकर रात के 9 बजे तक रहता था। हम मेकअप रूम में भी कुछ वक्त गुजारते थे। शूटिंग के दौरान मजेदार बात यह होती थी कि कैमरा कभी अपनी जगह से नहीं हिलता था। हम अलग-अलग एंगल्स में शूट करने के लिए खुद ही इधर-उधर घूमते थे, लेकिन कैमरा अपनी जगह पर स्थिर रहता था और हमें केवल एक ही बार में परफॉर्म करना होता था। हम लोग ढेर सारा पढ़ते थे और खूब रिहर्सल करते थे। हम पांच के सेट पर अपने एक्टिंग में सुधार करते रहना ही हमारी जिंदगी का तरीका था।

क्या आप मानती हैं कि 2020 में भी यह शो उतना ही प्रासंगिक है?

इस शो की स्क्रिप्ट भले ही सर्वश्रेष्ठ ना हो, लेकिन इसकी पंचलाइंस और इसे कलाकारों ने जिस तरह से बोला वो एकदम सटीक और यादगार थीं। इस शो के लेखक इससे इतने जुड़े हुए थे कि हम पांच के पैकअप के बाद वो टीवी में लेखन के साथ उस तरह का न्याय नहीं कर पाए। सही मायनों में एकता कपूर हम पांच शो की जान थी। सबसे अच्छी बात यह है कि हर एपिसोड में एक संदेश दिया जाता था।

विविध संक्षिप्त खबरें

भारत में लॉकडाउन से देश के चार करोड़ प्रवासी कामगार प्रभावित हुए : विश्व बैंक

वाशिंगटन। विश्व बैंक ने कहा है कि भारत में पिछले करीब एक महीने से जारी देशव्यापी लॉकडाउन से देश के लगभग चार करोड़ प्रवासी कामगार प्रभावित हुए हैं। विश्व बैंक ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा, ''भारत में लॉकडाउन से देश के लगभग चार करोड़ आंतरिक प्रवासियों की आजीविका पर असर पड़ा है। पिछले कुछ दिनों के दौरान 50-60 हजार लोग शहरी केंद्रों से ग्रामीण क्षेत्रों की ओर चले गए हैं।'' 'प्रवासी के नजरिये से कोरोना वायरस संकट' (कोविड-19 क्राइसिस थ्रू ए माइग्रेशन लेंस) नामक रिपोर्ट के अनुसार आंतरिक प्रवास की तादाद अंतरराष्ट्रीय प्रवास के मुकाबले करीब ढाई गुना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लॉकडाउन के चलते नौकरी छूट जाने और सामाजिक दूरी के कारण भारत और लातिन अमेरिका के कई देशों में बड़े पैमाने पर आंतरिक प्रवासियों को वापस लौटना पड़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह कोविड-19 की रोकथाम के उपायों ने इस महामारी को फैलाने में योगदान दिया है। विश्व बैंक ने कहा है कि सरकारों को नकदी हस्तांतरण तथा अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के जरिए इन प्रवासियों की मदद करनी चाहिए। विश्व बैंक ने कहा कि कोरोना वायरस संकट ने दक्षिण एशिया में अंतरराष्ट्रीय और आंतरिक, दोनों प्रवास को प्रभावित किया है।

लखनऊ के 83 में से 80 पत्रकारों की आई जांच रिपोर्ट, कोई कोरोना पॉजिटिव नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा राजधानी में कराये गये पत्रकारो के कोरोना परीक्षण की रिपोर्ट आ गयी है। अस्सी पत्रकारों की रिपोर्ट निगेटिव आयी है। अपर मुख्य सचिव सूचना अवनीश अवस्थी ने बृहस्पतिवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि मंगलवार को लोकभवन में लखनऊ के 83 पत्रकारों का कोरोना परीक्षण कराया गया था जिसमें से आज अस्सी पत्रकारों की रिपोर्ट आ गयी है और सभी निगेटिव है। अभी तीन पत्रकारों की रिपोर्ट आना बाकी है।

केरल में कोई दिक्कत नहीं, लॉकडाउन पर केंद्र के दिशा-निर्देश का हो रहा पालन : राज्यपाल

नयी दिल्ली। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बृहस्पतिवार को कहा कि लॉकडाउन को लेकर राज्य में केंद्र के दिशा-निर्देशों का पालन हो रहा है तथा वहां कोई दिक्कत नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लॉकडाउन के नियमों को ''कमतर'' करने के लिए केरल सरकार के निर्णय के खिलाफ नाराजगी प्रकट की थी। केरल सरकार ने रेस्तरां, शहरों में बस यात्रा और शहरी इलाके में एमएसएमई उद्योगों को खोलने की अनुमति दी थी लेकिन सोमवार को गृह मंत्रालय की आपत्ति के बाद ढील वापस ले ली गयी। राज्यपाल ने राज्य में कोविड-19 महामारी के संक्रमण को रोकने में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की सरकार के प्रयासों की भी सराहना की। खान ने फोन पर कहा, ''महामारी से निपटने में एलडीएफ (वाम लोकतांत्रिक मोर्चा) सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों से मुझे लगातार वाकिफ कराया जा रहा है।''

यूपी में कोविड-19 के 1,299 सक्रिय मामले, अब तक 21 लोगों ने गंवाई जान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस समय कोरोना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या 1,299 है। प्रमुख सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने बृहस्पतिवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि इस समय तक प्रदेश में संक्रिय मामलों की संख्या 1,299 हैं जबकि कुल संक्रमितों की संख्या 1,507 हैं। कुल 187 लोग पूरी तरह उपचारित होकर घर जा चुके हैं जबकि 21 लोगों की मौत हुई है। प्रसाद ने कहा कि ठीक होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। हमारी पूरी कोशिश है कि हम लोगों को सही समय पर सही चिकित्सा दें ताकि वे उपचारित होकर, स्वस्थ होकर घर लौट सकें। उन्होंने कहा कि तबलीगी जमात या उनके संपर्क में आने की वजह से संक्रमित हुए लोगों की संख्या 938 है। साथ ही कहा कि इस बीमारी से घबराने की आवश्यकता नहीं है बल्कि सावधान रहना है। प्रसाद ने कहा कि लोग चेहरे को ढक कर रह रह हैं, मास्क लगा रहे हैं। हमें इसका भी लाभ मिल रहा है।

बिजनेस संक्षिप्त

आपको सेहतमंद व सुरक्षित रखने के लिए सैमसंग ने 'हैंडवॉश' ऐप बनाया

लखनऊ। सैमसंग रिसर्च इंस्टीट्यूट - बैंगलोर (एसआरआई-बी) यूएक्स एवं वियरेबल्स टीम ने गैलेक्सी वॉच के लिए एक अद्वितीय 'हैंडवॉश' ऐप विकसित किया है। यह ऐप यूज़र्स को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई के लिए अपने हाथ धोने की याद दिलाता रहता है। गैलेक्सी वॉच का यह ऐप यूज़र्स को समय समय पर हाथ धोने की याद दिलाकर हैंड हाईज़ीन बनाए रखने में मदद करता है और सुनिश्चित करता है कि डब्लूएचओ के निर्देश के अनुसार हाथ हर बार 20 सेकंड तक वॉश किए जाएं। यह ऐप प्रिसेट रिमाईडर्स के साथ आता है, जो यूज़र्स अपनी जरूरतों एवं शेड्यूल के अनुसार कस्टमाईज़ कर सकते हैं।

यूज़र द्वारा हर बार हाथ धोना शुरू करते ही 'हैंडवॉश' ऐप समय को ट्रैक करना शुरू कर देता है और यूज़र्स को 25 सेकंड तक हाथ धोने के बाद फीडबैक प्रदान करता है।

'एडवांटेज कस्टमर्स' एसीटी फाईबर नेट ने यप्प मास्टर के साथ साझेदारी की घोषणा की

लखनऊ। भारत के सबसे बड़े वायर्ड (इंटरनेट सेवा प्रदाताओं) में से एक, एसीटी फाईबरनेट ने यप्प मास्टर के साथसाझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत यह आईआईटी-जेईई-एनईईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को ऑनलाईन कोचिंग क्लास प्रदान करेगा।देश में चल रहे लॉकडाऊन एवं कोरोना वायरस की महामारी के दौरान, विद्यार्थी एवं प्रोफेशनल्स परीक्षाओं की तैयारी ऑनलाईन कर रहे हैं। एसीटी फाईबरनेट अपने 15 लाख यूज़र्स के साथ ग्राहकों की जरूरतों को समझता है। ब्रांड के प्रॉमिस़, 'फील द एडवांटेज' के तहत कंपनी अपने प्लेटफॉर्म पर पहली बार एक ई-लर्निंग प्रदाता को लेकर आ रही है।

इस साझेदारी के बारे में एसीटी फाईबर नेट के सीईओ, बालामल्लादी ने कहा, ''भारत की सबसे लोकप्रिय इन होम एंटरटेनमेंट एजुकेशन एवं इन्फोटेनमेंट कंपनी में से एक होने के नाते हमें ऑनलाईन एजुकेशन के क्षेत्र में यप्प मास्टर के साथ साझेदारी करने की खुशी है। ''युप्प टीवी एवं युप्प मास्टर के फाउंडर व सीईओ, उदय रेड्डी ने कहा, ''हमें विद्यार्थियों को लर्निंग का सुगम अनुभव प्रदान करने के लिए एसीटी फाईबर नेट के साथ सहयोग करने की खुशी है। हम भारत में शहरी, ग्रामीण व दूर दराज के इलाकों में हर घर तक पहुंच कर किफायती मूल्य में बेहतरीन क्वालिटी की ऑनलाईन लर्निंग प्रदान करना चाहते हैं। सर्वश्रेष्ठ टेक्नॉलॉजी, विश्व-स्तरीय स्ट्रीमिंग टेक्नॉलॉजी एवं लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के साथ हमें विश्वास है कि विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफल होने के लिए ज्यादा बेहतर तैयारी कर सकेंगे। एसीटी फाईबर नेट एवं हमारी विशेषज्ञता के साथ हम विद्यार्थियों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करेंगे।

येस बैंक को 732 सुविधाओं के लिए हासिल हुआ आईएसओ 14001 : 2015 सर्टिफिकेशन - इस सेक्टर में वैश्विक रूप से सबसे अधिक

लखनऊ। येस बैंक के एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) को लगातार सातवें वर्ष के लिए आईएसओ 14001: 2015 सर्टिफिकेशन हासिल हुआ है। बैंक को 732 सुविधाओं के लिए यह सर्टिफिकेट मिला है, जो बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र में वैश्विक रूप से उच्चतम है। बैंक का ईएमएस ग्रीनिंग ऑपरेशंस की दिशा में सक्षम है और यह इसके पर्यावरणीय प्रदर्शन को बढ़ाता है। आईएसओ 14001: 2015 इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर स्टैंडर्ड्स (आईएसओ) द्वारा विकसित विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त एक मानक है जो एक ईएमएस के लिए मानदंड निर्धारित करता है।

प्रमाणन सेवाओं में वैश्विक तौर पर अग्रणी कंपनी ब्यूरो वेरिटास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा यह प्रमाणीकरण प्रदान किया गया। येस बैंक ने साल-दर-साल 10 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता को कम करने के उद्देश्य से एक एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट पॉलिसी अपनाई है। सर्टिफिकेशन में कागज के उपयोग को कम करने, ऊर्जा दक्षता बढ़ाने, अपशिष्ट को रीसाइकल करने, पर्यावरणीय जोखिम को कम करने, और इसके संचालन में पर्यावरणीय स्थिरता को एकीकृत करने के लिए बैंक के प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है। बैंक को हाल ही में सीडीपी द्वारा ए- (लीडरशिप बैंड) रेटिंग दी गई थी। यह रेटिंग इसके 2019 जलवायु परिवर्तन के खुलासे के लिए दी गई और जो वित्तीय सेवाओं और एशिया क्षेत्र के लिए 'सी' औसत को पार करते हुए हासिल की गई है।

विदेश

इंसान तो इंसान अब बिल्लियां भी हो रही है कोरोना वायरस

वार्ता

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क राज्य में दो पालतू बिल्लियां कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गयी हैं जो अमेरिका में पालतू पशुओं में कोविड-19 के संक्रमण का पहला मामला है। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) और अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की राष्ट्रीय पशुचिकित्सा सेवा प्रयोगशालाओं (एनवीएसएल) ने बुधवार को कहा कि न्यूयॉर्क राज्य में अलग-अलग स्थानों पर रहने वाली दोनों बिल्लियों को संक्रमण देश में पालतू पशुओं के कोरोना वायरस से संक्रमित होने का पहला मामला है। दोनों एजेंसियों ने संयुक्त बयान में कहा, ''अमेरिका में ये पहले पालतू पशु हैं जिनमें संक्रमण की पुष्टि हुई है।'' एजेंसियों ने कहा कि दोनों बिल्लियों को सांस लेने में हल्की परेशानी देखी गयी। उनके बीमारी से पूरी तरह उबरने की उम्मीद है। पूरी दुनिया में बहुत कम पशुओं में कोविड-19 के संक्रमण का पता चला है और उनमें से ज्यादातर कोविड-19 से संक्रमित किसी व्यक्ति के संपर्क में आए। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी इस वायरस के बारे में जानकारी अभी जुटा ही रहे हैं और इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि अमेरिका में पालतू पशुओं से मनुष्यों में कोरोना वायरस फैलने का खतरा है। बयान में कहा गया, ''इसलिए लोगों के साथ घरों में रहने वाले पशुओं के खिलाफ कदम उठाना उचित नहीं होगा। इससे उनकी देखभाल प्रभावित हो सकती है। इसे समझने के लिए और अध्ययन की जरूरत है कि क्या पालतू पशु समेत विभिन्न जानवर प्रभावित हो सकते हैं और कैसे प्रभावित हो सकते हैं।''संयुक्त बयान में कहा गया कि इस समय पशुओं की नियमित जांच का सुझाव नहीं दिया जा सकता।

यदि अमेरिका में अन्य पशुओं में संक्रमण की पुष्टि होती है तो यूएसडीए इस बारे में अपनी राय देगा। एजेंसियों ने कहा, ''राज्य पशु स्वास्थ्य और जन स्वास्थ्य अधिकारी इस बारे में विचार करेंगे कि पशुओं की जांच कराई जानी चाहिए या नहीं।'' संभावना व्यक्त की गयी है कि एक बिल्ली जिस घर में रहती है, उसमें रहने वाले कम बीमार या बिना लक्षण वाले किसी संक्रमित सदस्य से या घर के बाहर के किसी संक्रमित व्यक्ति से संक्रमण हुआ हो सकता है। दूसरी बिल्ली का नमूना जांच के लिए तब लिया गया जब उसमें सांस लेने में परेशानी की शिकायत देखी गयी। उसके मालिक को कोविड-19 के संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसी घर में रहने वाली दूसरी बिल्ली में किसी बीमारी का लक्षण नहीं दिखाई दिया।

सीडीसी ने सिफारिश की है कि पालतू पशुओं को घर के बाहर के लोगों या अन्य पशुओं से मिलने-जुलने नहीं दिया जाए। यह सुझाव भी दिया गया है कि पालतू पशुओं के मालिकों को कुत्तों को टहलाने के लिए पार्कों या ऐसे सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचना चाहिए जहां ज्यादा भीड़ होती है।

बिजनेस समाचार

कच्चा तेल का भाव गिरने का फायदा उठाने में जुटा चीन

वार्ता

बीजिंग। कच्चा तेल की वैश्विक कीमतों में आयी रिकॉर्ड गिरावट का फायदा उठाकर चीन अपना भंडार बढ़ाने में जुटा हुआ है। कोरोना वायरस महामारी के कारण वाहनों का आवागमन तथा कारखानों का परिचालन पूरी तरह से बंद रहने के बाद भी चीन का कच्चा तेल का आयात मार्च महीने में सालाना आधार पर 4.5 प्रतिशत बढ़ा है। साल की पहली तिमाही के दौरान चीन का कच्चा तेल आयात साल भर पहले की तुलना में पांच प्रतिशत बढ़ा है। फिच सॉल्यूशंस के वरिष्ठ विश्लेषक (तेल एवं गैस) पीटर ली ने कहा, ''इन सब के बाद भी चीन का कच्चा तेल आयात बढ़ता रहा है।

कम कीमत से उन्हें भंडार बढ़ाने में मदद मिल रही है।'' कुछ खबरों में चीन के शिपबिल्डिंग उद्योग के संगठन के हवाले से कहा गया है कि चीन ने मध्य मार्च में कच्चा तेल लाने के लिये 84 टैंकर को सऊदी अरब भेजा। इनमें से हर टैंकर की क्षमता 20 लाख बैरल कच्चा तेल ढोने की है। चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक व न्यायिक आयोग ने सोशल मीडिया पर कहा, ''कच्चा तेल की कीमतें कम होने का चीन के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।'' हालांकि वूड मैकेंजी के उद्योग विश्लेषक मैक्स पेट्रोव का मानना है कि कच्चा तेल की कीमतें कम होने से ईंधन के मामले में चीन के आत्मनिर्भर बनने की योजना पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चीन की सरकारी तेल कंपनी पेट्रो चाइना को ठीक-ठाक नुकसान हो रहा है। ऐसे में पेट्रो चाइना को अब यह तय करना है कि क्या वी पश्चिमी देशों की तेल कंपनियों की तर्ज पर नये कुओं की खोज में लगने वाले पैसे में कमी लाती है। यदि वह ऐसा करती है तो नये कुओं के उत्पादन की स्थिति में आने में लंबा वक्त लग सकता है। पीटर ली के अनुसार, चीन का आधिकारिक भंडार करीब 38.5 करोड़ बैरल का है। उन्होंने कहा कि चीन की योजना इसे बढ़ाकर 50 से 60 करोड़ बैरल करने की है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में आएगी 3.9 प्रतिशत की गिरावट : फिच

मुंबई। रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने कोरोना वायरस की वजह से आने वाली मंदी को 'बेजोड़' बताते हुए अपने वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान में भारी कटौती है। फिच का अनुमान है कि 2020 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में 3.9 प्रतिशत की भारी गिरावट आएगी। फिच ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट की प्रमुख वजह चीन और भारत सहित एशिया की अर्थव्यवस्थाओं में बड़ी गिरावट रहेगी। चीन और भारत दोनों की वृद्धि दर इस साल एक प्रतिशत से कम रहने का अनुमान है। फिच ने कहा कि दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं ने लॉकडाउन को बढ़ाकर आठ-नौ सप्ताह कर दिया है। पहले इसके करीब पांच सप्ताह रहने का अनुमान था। फिच ने कहा कि एक और महीने के बंद से सालाना आधार पर आय का प्रवाह करीब दो प्रतिशत घट जाएगा। फिच के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रायन कुल्टन ने कहा, ''2020 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में 3.9 प्रतिशत की गिरावट आएगी। वैश्विक अर्थव्यवस्था गहरी मंदी में होगी।'' उन्होंने कहा कि यह अप्रैल की शुरुआत में लगाए गए हमारे अनुमान की तुलना में वैश्विक अर्थव्यवस्था में दोगुनी गिरावट होगी।

कोरोना से लड़ाई में मदद के लिए इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक ने उठाए कई कदम

राष्ट्रीय प्रस्तावना नेटवर्क

लखनऊ/नई दिल्ली। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक- इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कोविड- 19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में देश की मदद करने के लिए अनेक नए कदम उठाए हैं। बैंक ने लॉकडाउन के दौरान देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हमारे पुलिस बल से जुड़े सच्चे नायकों यानी 'जनता वारियर्स' की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है।

बैंक ने इन 'जनता वारियर्स' के लिए छतरियां वितरित और स्थापित की हैं, जो हमारी सुरक्षा के लिए मजबूती के साथ लड़ रहे हैं। ये छतरियां सुरक्षा और देखभाल का एक प्रतीक हैं। यह इन नायकों के कारण ही संभव हुआ है कि देश मजबूती के साथ खड़ा होकर लड़ने में सक्षम है। एक बेहतर कल के लिए देखभाल और समावेशी विकास प्रदान करने के उद्देश्य से, इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक अपनी सेवाओं को बेहतर तरीके से प्रदान किए जाने के साथ इस महामारी को दूर करने के लिए राष्ट्र के साथ खड़े होने का वादा करता है। इसके अतिरिक्त, बैंक देश भर में जरूरतमंदों को किराने का सामान, मास्क और हैंड वॉश भी वितरित कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सुरक्षित और स्वस्थ रहें।

अपने ग्राहकों की वर्तमान और तात्कालिक जरूरत को ध्यान में रखते हुए, बैंक ने सेल्फी एफडी और सेल्फी बचत खाते जैसी डिजिटल बैंकिंग सेवाएं भी शुरू की हैं, जहां ग्राहक बैंकिंग लेनदेन तक त्वरित पहुंच के लिए अपने मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग का उपयोग कर सकते हैं।

सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करते हुए, ग्राहक अपने बैंकिंग लेनदेन को डिजिटल रूप से अधिक सुविधाजनक और सुलभ तरीके से जारी रख सकता है।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इन्ड्रस्टियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ से प्रकाशित,सम्पर्क-0522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ ही मसालों के होते हैं ढेर सारे स्वास्थ्य लाभ

मसाले सदियों से भारतीय खानपान का हिस्सा है। मसालों का इस्तेमाल स्वाद और खुशबू बढाने के लिए किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारतीय मसाले सेहत की दृष्टि से भी बहुत लाभदायक है। हाल ही में आयुष मंत्रालय ने भी वायरस के खिलाफ अपनी इम्यूनिटी मज़बूत करने के लिए बाकी हिदायतों के साथ ही मसालों को भी खाने में शामिल करने की बात कही। तो चलिए आपको बताते हैं मसालों के कुछ हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में।

इलायची

किसी भी व्यंजन की खूशबू बढ़ाने वाली छोटी इलायची बड़े काम की चीज़ है। यह कई बीमारियों से लड़ने में मदद करती है।

- इलायची के पाउडर का सेवन करने से पाचन तंत्र ठीक रहता है। साथ ही भूख न लगने की समस्या भी इससे दूर होती है।

- ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी इलायची फायदेमंद होती है, यह ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करती है।

- इलायची खाने से फेफड़ों में ब्लड सर्कुलेशन अच्छी तरह होता है। अस्थमा पेशेंट के लिए इलायची बहुत लाभदायक है।

हल्दी

खांसी होने पर बचपन से आपको भी हल्दी दूध पीने की सलाह दी जाती होगी, क्योंकि यह बेहतरीन एंटीबायोटिक है। हल्दी दूध इम्यूनिटी बढ़ाने में बहुत फायदेमंद है। इसके अलावा हल्दी के और भी कई फायदे है:

- चोट वाली जगह पर हल्दी लगाने और हल्दी के सेवन से चोट जल्दी ठीक हो जाती है।

- हल्दी में मौजूद कुरकुमिन नामक एंटीऑक्सीडेंट एंटी एजिंग का काम करता है।

- यदि आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ा हुआ है, तो हल्दी का सेवन लाभदायक होगा।

- शरीर में मौजूद किसी भी तरह के सूजन को कम करने में हल्दी फायदेमंद है।

- हल्दी वजन कम करने के काम आता है। इसलिए खाने में हल्दी का इस्तेमाल ज़रूर करें।

जीरा

जीरे में मैग्नीशियम और आयरन की भरपूर मात्रा होती है। इसे खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है।

- इम्यूनिटी बढ़ाने में जीरा भी बहुत फायदेमंद होता है, इसलिए जीरे का सेवन अवश्य करें।

- सांस की बीमारी वालों के लिए और वजन कम करने की कोशिश करने वालों के लिए भी जीरा बहुत लाभदायक होता है।

- जीरे के सेवन से एनीमिया दूर होता है और पाचन तंत्र ठीक रहता है। साथ ही इससे हड्डियां भी स्वस्थ रहती हैं।

धनिया

भारतीय खाने में धनिया पत्तियों, साबूत धनिया और धनिया पाउडर का इस्तेमाल खाने का ज़ायका बढ़ाने के लिए होता है।

- धनिया पाउडर के सेवन से बैक्टीरिया लड़ने में मदद मिलती है। बैक्टीरिया के कारण फूड पॉइज़निंग होती है।

- इसके सेवन से दस्त, गैस, पेट दर्द और अपच की समस्या से निजात मिल सकती है।

- ब्लड शुगर लेवल और हार्मोंस का बैलेंस बनाए रखने में भी मदद मिलती।

- धनिया खाने से पेट ठंडा रहता है और पेट में मौजूद कीड़े और बैक्टीरिया मर जाते हैं।

कालीमिर्च

अक्सर सर्दी-खांसी होने पर जो काढ़ा बनाया जाता है, उसमें कालीमिर्च अवश्य डाली जाती है। क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है जिससे कफ व सर्दी से राहत मिलती है।

- कालीमिर्च में आयरन की मात्रा होती है, जो शरीर के लिए फायदेमंद है।

- यह ब्लड प्रेशर को कम करने में मददगार है। यह ब्लड सर्कुलेशन को ठीक रखता है और गठिया के दर्द से राहत दिलाने में भी मददगार है।

- कालीमिर्च के सेवन से गैस की समस्या भी खत्म हो जाती है।

लहसुन

लहसुन हमारे खाने का अनिवार्य हिस्सा है। कुछ खास लोगों को छोड़कर लगभग हर घर में लहसुन का प्रयोग होता है। लहसुन खाने से भी आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

- सुबह खाली पेट लहसुन खाने से हाई बीपी और डायरिया व कब्ज जैसी बीमारियों से राहत मिलती है।

- लहसुन दिल को सुरक्षित रखता है। इसके सेवन से हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है।

- सर्दी-जुकाम, खांसी, अस्?थमा, निमोनिया, ब्रोंकाइटिस आदि की मरीजों के लिए भी लहसुन का सेवन फायदेमंद होता है।

मध्य प्रदेश में केंद्रीय टीम के दौरे को लेकर कांग्रेस ने शिवराज सिंह पर कसा तंज

मध्यप्रदेश के इंदौर में कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ने से राज्य ही नहीं केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार भी चिंतित है। यही कारण है कि सोमवार को केन्द्र सरकार की अंतर मंत्रालय टीम अचानक इंदौर पहुंच गई। केन्द्र सरकार की यह टीम इंदौर के हालातों का जायजा लेगी और कोरोना संक्रमण से निपटने के उपायों पर काम करेगी। देश में चार राज्यों के 11 जिलों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से लगातार बढ़ रही है। जिसके बाद केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने इन राज्यों के लिए छह अंतर मंत्रालयी टीमों का गठन किया है। इसमें अतिरिक्त सचिव स्तर के अधिकारी शामिल है जो वरिष्ठता के आधार पर ठोस निर्णय ले सकें।

गृहमंत्रालय के अनुसार महाराष्ट्र के मुम्बई और पुणे, बंगाल के कोलकता, हावड़ा, मेदनीपुर पूर्व, 24 परगना उत्तर, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग व जलपाईगुड़ी, मध्य प्रदेश के इंदौर और राजस्थान के जयपुर में कोरोना संक्रमण को लेकर स्थिति बहुत ही खराब होती जा रही है। जहां पश्चिम बंगाल में केन्द्रीय टीम का वहां की सरकार विरोध कर रही है तो वहीं मध्य प्रदेश के इंदौर में टीम का स्वागत किया गया है। यह केन्द्रीय टीम इस दौरान इंदौर शहर में बढ़ रहे कोरोना संक्रमण से निपटने की तैयारियों सहित यह जानने की कोशिश करेगी कि आखिर इंदौर में इतनी तेजी से कोरोना संक्रमण कैसे फैला और कहां चूक हो रही है। सूत्रों की माने तो एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान इन स्थानों पर नियमों का पालन सख्ती से न होता है। जिसमें मुख्य रूप से शारीरिक दूरी और लोगों की आवाजाही न रूकना सबसे बड़ा कारण है।

हालंकि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में कोरोना संक्रमण की भयावाह स्थिति के कारणों की जाँच करने पहुंची केन्द्रीय टीम का पश्चिम बंगाल की तरह विरोध तो नहीं हुआ लेकिन यहां के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इसको लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर तंज जरूर कसा है। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और मीडिया प्रभारी पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने केन्द्रीय टीम इंदौर भेजने पर ट्वीटर के माध्यम से लिखा कि मोदी जी आपको धन्यवाद। आपने फाइनली समझा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री अक्षम हैं और केंद्र से टीम भेजी। शिवराज जी, हमारे सुझावों को निंदा मत समझिए। हमारी विचारधार बेशक अलग है, लेकिन हम दुश्मन नहीं हैं।

देश के जिन राज्यों में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है उन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्रालय की पैनी नज़र है। बताया जा रहा है कि इंदौर में टेस्ट की रफ्तार धीमी पड़ी है तो यहां पिछले तीन दिनों से कोरोना संक्रमितों के केस कम सामने आ रहे हैं। सोमवार को 18 नए केस इंदौर में आए थे, इसके साथ ही मरीजों की संख्या वहां 915 पहुंच गई है जबकि मंगलवार को 08 जिसके के बाद यह आंकड़ा 923 तक पहुँचा है। देश में जिन शहरों की हालात कोरोना संक्रमण की वजह से खराब है, उसमें इंदौर भी शामिल है। बताया जा रहा है कि दिल्ली से पहुंचा है तो अगर इसे वजह माना जाए तो इंदौर शहर में कोरोना संक्रमण तेजी से फैलने का यह सबसे बड़ा कारण है। हालंकि मध्य प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद इंदौर, भोपाल और जबलपुर में लॉकडाउन कर दिया गया था। यही नहीं स्थिति चिंताजनक होती देख यहाँ प्रशासन में भी फेरबदल करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर कलेक्टर और आईजी को बदल दिया था। इंदौर में पहले नगर निगम कमिश्नर रहे मनीष सिंह को इंदौर कलेक्टर बनाकर भेजा गया था। दिल्ली से पहुंची केन्द्रीय टीम को लेकर इंदौर कलेक्टर मनीष सिंह ने कहा कि केंद्रीय टीम के अधिकारी यहां से अफसरों से चर्चा कर रहे हैं, साथ ही कार्यों की समीक्षा भी कर रहे हैं। कोरोना एक विश्वव्यापी महामारी है, इस महामारी से निपटने के लिए समन्वयित प्रयासों की जरूरत है। साथ ही लॉकडाउन का पालन सख्ती के साथ करवाने का निर्देश दिया है।

इंदौर को रेड जोन में रखा गया है। यहां लॉकडाउन के बावजूद भी लोग अपने घरों से निकलने से बाज नहीं आ रहे है जिसको लेकर जिला प्रशासन और पुलिस सख्त रवैया अपनाए हुए है। पूरे इंदौर में 170 कंटेन्मेट एरिया बनाए गए है जिनको पूरी तरह बैरीगेट किया गया है। चप्पे चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि कोई नियमों का उलंघन न करे। लॉकडाउन के दौरान घरों से निकलने वालों पर पुलिस सख्ती से पेश आ रही है किसी को उठक बैठक लगवाई जा रही है तो वाहनों से बाहर निकलने वालों की टायर की हवा निकाल कर उन्हें वापस भेज रही है। यही नहीं जो लोगो अनावश्यक रूप से लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे हैं उनके खिलाफ एफआईआर भी पुलिस दर्ज कर रही है।

इंदौर पहुंची केन्द्रीय टीम कोरोना से जुड़ी स्थिति का मौके पर ही आकलन करके राज्यों के अधिकारियों को निर्देश देने के साथ ही केंद्र की सरकार को भी रिपोर्ट सौंपेगी। केंद्रीय टीम में अतिरिक्त सचिव भारत सरकार, अभिलक्ष्य लिखी, संचालक स्वास्थ्य, डॉ. जुगल किशोर और डॉ अनिल शामिल हैं। इसके साथ ही भारत सरकार के खाद्य संचालक सिमरजीत कौर भी हैं। छह सदस्यीय केन्द्रीय टीम इंदौर पहुंचते ही सबसे पहले कॉल सेंटर, टेलीमेडिसिन सेंटर, लॉकडाउन की जमीनी हकीकत और कलेक्टर की व्यवस्था को रात तक जांचा है।

मध्य प्रदेश के इंदौर को मिनी मुम्बई के नाम से जाना जाता है। यहां अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने सबसे अधिक है जिसके चलते विदेशी लोगों और खासकर मध्य प्रदेश के विदेशों में रहने वाले लोगों की आवाजाही बनी रहती है। चूंकि कोरोना संक्रमण विदेशों से भारत

इंदौर को रेड जोन में रखा गया है। यहां लॉकडाउन के बावजूद भी लोग अपने घरों से निकलने से बाज नहीं आ रहे है जिसको लेकर जिला प्रशासन और पुलिस सख्त रवैया अपनाए हुए है। पूरे इंदौर में 170 कंटेन्मेट एरिया बनाए गए है जिनको पूरी तरह बैरीगेट किया गया है। चप्पे चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई है ताकि कोई नियमों का उलंघन न करे।

लॉकडाउन के दौरान घरों से निकलने वालों पर पुलिस सख्ती से पेश आ रही है किसी को उठक बैठक लगवाई जा रही है तो वाहनों से बाहर निकलने वालों की टायर की हवा निकाल कर उन्हें वापस भेज रही है। यही नहीं जो लोगो अनावश्यक रूप से लॉकडाउन का उल्लंघन कर रहे हैं उनके खिलाफ एफआईआर भी पुलिस दर्ज कर रही है।

लेकिन इसके बावजूद भी इंदौर जिले में कोरोना संक्रमण रेड जोन में है यह मुम्बई के बाद दूसरा शहर है जहां सबसे अधिक कोरोना संक्रमित मरीज है वहीं घनत्व के हिसाब से यहां कोरोना संक्रमण की वजह से मौतें भी अधिक हुई हैं। वहीं इंदौर के हालात देखते हुए केन्द्रीय टीम भेजे जाने पर कांग्रेस के हाथों एक मुद्दा जरूर लग गया है। जिसको लेकर वह प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को निशाना बनाते हुए तंज कसती नजर आ रही है तो वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित कर रही है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

स्थानीय संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

संयुक्त सम्पादक
राकेश कुमार गोयल, आई.ए.एस(से. नि.)

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस(से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

संपर्क मुख्यालय

कार्यालय फोन नं. : 0522-4064242

www.rashtriyaprastavana.in,

ई-मेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

सदियों से चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन बनी हुई हैं पुस्तकें

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी हैं क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य हैं और जन-जन के लिये उपयोगी हैं, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी हैं। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती हैं।

दुनियाभर में विश्व पुस्तक दिवस 23 अप्रैल को मनाया जाता है क्योंकि, ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार, विलियम शेक्सपियर, व्लादिमीर नबोकोव, मैमुएल सेजिया वैलेजो का जन्म और निर्वाण, मीगुअल डी सरवेंटस, जोसेफ प्ला, इंका गारसीलासो डी ला वेगा का निर्वाण और मैनुअल वैलेजो, मॉरिस द्रुओन और हॉलडोर लैक्सनेस का जन्म इसी दिन हुआ है, साहित्य जगत में इन महान हस्तियों के योगदान को देखते हुए ही 23 अप्रैल 1995 से यूनिस्को द्वारा दुनियाभर में और 23 अप्रैल 2001 से भारत सरकार द्वारा हमारे देश में विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्वभर के लेखकों को सम्मान देने, पुस्तकों को पढ़ने का वातावरण बनाने एवं सामाजिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक प्रगति में सहयोग के लिए इस दिन का चयन किया जाना एक दूरगामी सोच से जुड़ा सूझबूझपूर्ण कदम था। अच्छा साहित्य हमें अमृत की तरह प्राण शक्ति देता है, कोरोना महामारी एवं महासंकट के लॉकडाउन में यह अहसास इन्हीं पुस्तकों से मिला है। पुस्तकों के पढ़ने से जो आनन्द मिला है वह कोरोना पीड़ा को कम करने का सशक्त माध्यम बना है, कोरोना कहर से ध्वस्त हुए युग के नवनिर्माण का सूत्रपात इसी पुस्तक-संस्कृति से संभव है। भारत में पुस्तक का महत्व, राष्ट्र-समाज निर्माण में उसकी भूमिका अति-प्राचीन है, वेद, शास्त्र, रामायण, भागवत, गीता आदि ग्रन्थ हमारे जीवन की अमूल्य निधि हैं। पुस्तकें जीवन संजीवनी है, जिनका महत्व सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक है, वे हमारी ऐसी मित्र हैं जो हमारी जीवन-निर्मात्री भी हैं।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं। महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम में गत दिनों किया। हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए उन्होंने लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। उनकी पुस्तक प्रेरणा देश को एक नये सांचे में गढ़ने वाली साबित होगी, इससे नया भारत निर्मित होगा एवं पुस्तक पढ़ने की कम होती रूचि पर विराम लगेगा। पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ होगा। मोदी ने प्रेमचन्द की तीन मशहूर कहानियों ईदगाह, नशा और पूस की रात का जिक्र किया और उन कहानियों में व्यक्त संवेदना की भी चर्चा की। नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें है। एक व्यस्ततम राष्ट्रनायक की जुबान से पुस्तक की उपयोगिता का बखान निश्चित ही पुस्तक-संस्कृति को एक नये युग में ले जायेगा। मोदी ने न केवल प्रेमचंद को जीवंत कर दिया है, बल्कि जन-जन को उनकी कहानियां पढ़ने को प्रेरित कर दिया है। क्योंकि ये केवल कहानियां नहीं है, एक जीवंत समाज का आइना है। प्रेमचंद ने अपनी इन कहानियों में समाज का जो यथार्थ चित्रण किया है, पढ़ते समय उसकी छवि आपके मन में बनने लगती है। उनकी लिखी एक-एक बात जीवंत हो उठती है। ऐसे सत्साहित्य से ही आदर्श समाज की संरचना हो सकती है।

पुस्तक संस्कृति की उपयोगिता को उजागर करते हुए लोकमान्य गंगाधर तिलक ने कहा था कि यदि कोई मुझे सम्राट बनने के लिये कहे और साथ ही यह शर्त रखे कि तुम पुस्तकें नहीं पढ़ सकोगे तो मैं राज्य को तिलांजलि दे दूंगा और गरीब रहकर ही साहित्य पढ़ूंगा।' यह पुस्तकीय सत्य नहीं, अनुभूति का सत्य है। अतः साहित्य के महत्व को वही आंक सकता है, जो उसका पारायण करता है। नये-नये प्रयोग करने वाले मोदीजी अगर देश के राजनेताओं में इस तरह के संस्कार एवं रूचि जगा सकें तो राजनीति से नवीन संभावनाओं के द्वार उद्घाटित हो सकते हैं। निर्माण का हर क्षण इतिहास बन सकता है। किताबें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। किताबें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं।

किताबें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में किताबों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये किताबें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूँ जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा देती है। समाज में कितनी ही बुराइयां व्याप्त हैं उनसे लड़ने और उनको खत्म करने का काम किताबें ही करवाती हैं।

शायद ये किताबें ही हैं जिन्हें पढ़कर मोदी आज दुनिया की एक महाशक्ति बन गये हैं। वे स्वयं तो महाशक्ति बने ही है, अपने देश के हर नागरिक को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं, इसीलिये उन्होंने देश भर में एक पुस्तक-पठन तथा पुस्तकालय आंदोलन का आह्वान किया है, जिससे न सिर्फ लोग साक्षर होंगे, बल्कि सामाजिक व आर्थिक बदलाव भी आएगा।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी हैं क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य हैं और जन-जन के लिये उपयोगी हैं, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी हैं। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती हैं। नये मूल्य, नये मापदण्ड, नई योग्यता, नवीन क्षमताएं, आकांक्षाएं और नये सपने- तेजी से बदलती जिंदगी में सकारात्मकता को स्थापित करने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इंसान घर बदलता है, लिबास बदलता है, रिश्ते बदलता है, दोस्त बदलता है, फिर भी परेशान क्यों रहता है ? क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया में बैठना बन्द कर दिया है जबकि इन्हीं पुस्तकों की सार्थक कोशिश होती है कि इंसान बदलें, उसकी सोच बदलें, उसका व्यवहार बदलें लेकिन बदलने की उसकी दिशा सदैव सकारात्मक हो ताकि वह जिंदगी के वास्तविक मायने समझ सके। जब तक इंसान खुद को नहीं बदलता, वह अपनी मंजिल को नहीं पा सकता। मंजिल को पाने एवं जीत हासिल करने के लिए स्वयं का स्वयं पर अनुशासन जरूरी है। यही सूत्र पुस्तक-संस्कृति की उपयोगिता एवं महत्व को उजागर करता है।

पुस्तकें एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक दुनिया है, जिसमें विद्वान लेखकों, विचारकों एवं मनीषियों ने अपनी कलम में वही सब कुछ लिखा होता है जिसे उन्होंने अपने आस-पास की जिंदगी में देखा है, भोगा है। इन पुस्तकें के विचार किसी न किसी के द्वारा कभी न कभी सोचा, कहा, लिखा, मनन किया या जीया गया होता है। ये पुस्तकें एक जरिया है, झरोखा है, जिसमें युगों का ज्ञान है, महापुरुषों के अनुभव हैं, संतपुरुषों की सूक्तियां हैं, प्रबुद्धजनों के जीवन का निचोड़ हैं। जिनकी प्रेरणा और ऊर्जा से इंसानों को रोशनी मिलती है, जो सबके घर में आनंद को और सूरज को अवतरित करने की क्षमता का स्रोत भी है। इंटरनेट और ई-पुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है और वह अब भी प्रासंगिक हैं।

भारत ही बल्कि दुनिया को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका असंदिग्ध हैं। हजारीप्रसाद द्विवेदी ने तभी तो कहा था कि साहित्य वह जादू की छड़ी है, जो पशुओं में, ईट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है।' इसलिये साहित्य ही वह मजबूत माध्यम है जो हमारी राष्ट्रीय चेतना को जीवंतता प्रदान कर एवं भारतीय संस्कृति की सुरक्षा करके उसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी संक्रांत कर सकता है। सत्साहित ही भारतीय संस्कृति के गौरव को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है, इसी से जीवन सरस एवं रम्य हो सकता है। निश्चित ही विश्व पुस्तक दिवस की पुस्तक-प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झंकृत कर उन्हें नये भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। तय है कि इससे ही कोरोना कहर की विध्वंस-लीला पर विराम लगाकर जीवन-निर्माण के नये दौर की उजली दिशाएं प्रस्फुटित हो सकेगी।

झुर्रियों से लेकर दाग-धब्बे तक दूर करता है अखरोट का तेल, जानिए बनाने का तरीका

ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट न सिर्फ आपकी सेहत, बल्कि सुंदरता के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। अखरोट खाने के साथ ही इसका तेल लगाने से त्वचा संबंधी कई समस्यों से छुटकारा मिलता है और चहेरे पर नया निखार आता है। अखरोट के तेल से त्वचा को क्या फायदे होते हैं और आप कैसे घर पर ही आसानी से अखरोट का तेल बना सकते हैं, जानिए यहां।

एंटी एजिंग का काम करता है

अखरोट में एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन ई की भरपूर मात्रा होती है, जो बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करके आपके चेहरे पर उम्र का असर नहीं दिखने देता। साथ ही इसमें मौजूद विटामिन बी तनाव कम करके आपका मूड ठीक रखता है। विटामिन ए, बी और एंटीऑक्सीडेंट का सही बैलेंस होने से ही अखरोट बेहतरीन एंटी एजिंग का काम करता है।

डार्क सर्कल

यदि आप आंखों के नीचे होने वाले काल घेरे से परेशान हो चुकी हैं, तो अखरोट का तेल आपके लिए बहुत फायदेमंद होगा। रोजना आंखों के नीचे अखरोट का तेल लगाने से डार्क सर्कल के साथ ही आंखों की सूजन भी दूर होती है

त्वचा की नमी बरकरार रखता है

यदि आपकी स्किन ड्राई है तो अखरोट का तेल ज़रूर लगाएं। यह त्वचा को सॉफ्ट बनाने के साथ ही उसे मॉइश्चराइज भी करता है। रात को सोने से पहले अखरोट के तेल को हल्का गर्म करके चेहरे पर मालिश करें और सुबह उठकर गुनगुने पानी से धो लें। एक महीने तक इसे लगाने से आपकी स्किन बिल्कुल सफ्ट बन जाएगी।

निखरी त्वचा

यदि आपकी त्वचा की चमक फीकी पड़ गई है, तो वॉलनट फेसपैक से चेहेर का निखार वापस आ जाएगा। इसके लिए पिसे हुए अखरोट में, ओट्स और शहद मिलाकर पैक बनाइए और इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर मिनट के लिए छोड़ दिजिए। फिर पानी से चेहरा धो लें। इससे डेड स्किन निकल जाएगी और चेहरे पर नई चमक आएगी।

झुर्रियां करें कम

नियमित रूप से अखरोट का तेल लगाने से झुर्रियां और फाइन लाइन्स की समस्या दूर होती है। साथ ही इसके इस्तेमाल से पिंपल्स की समस्या भी कम हो जाती है।

अखरोट का तेल आपकी स्किन के लिए बहुत फायदेमंद है और आप आसानी से इस तेल को घर पर बनाने सकते हैं।

इसके लिए आधा कप अखरोट को माइक्रोवेव में प्रीहीट होने के लिए रख दें। फिर पैन में पानी उबलने के लिए रखें और उसमें अखरोट डालकर 5 मिनट के लिए उबाले और फिर छानकर अलग रख दें। इसके बाद अखरोट को अलग-अलग करके बेकिंग शीट पर रखें और सुनहरा होने तक इसे बेक करें।

दोनों तरफ से बेक करने के बाद माइक्रोवेव से निकालकर ठंडा कर लें। फिर बेलन से कूटकर इसका बारीक पाउडर बना। अब इसे एक जार में डालकर इसमें डेढ़ कप वेजीटेबल ऑयल मिक्स करके रखें। कुछ दिन बाद तेल का रंग बदल जाएगा। उसके बाद जार से अखरोट को निकाल लें, अखरोट का तेल तैयार है।